

है। एक अकेला व्यक्ति दूसरों से अलग होकर अपने में रहता है। होकर दुनिया में जीता है।

Daily सच के हक में...

Disha Patani Turns Up The Heat...

Ranchi ● Monday, 09 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 316 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

आज से शुरू हो रहा विस का विशेष सत्र, सुरक्षा चाक-चौबंद

चांदी 100.00 (नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया

NEW DELHI : ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के एडिलेड टेस्ट में भारत को 10 विकेट से हरा दिया है। होस्ट टीम ने 19 रन का टारगेट बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया। ५ मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दोनों टीमें 1–1 की बराबरी पर हैं। भारत ने पर्थ टेस्ट 295 रन से जीता था। सीरीज का तीसरा मुकाबला 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गांबा मैदान पर खेला जाएगा। एडिलेड के ओवल मैदान पर रविवार को भारत दूसरी पारी में 175 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम ने 128/5 के स्कोर से दिन की शुरूआत की और आखिरी 5 विकेट 47 रन बनाने में गंवा दिए। ऋषभ पंत आज कोई रन नहीं बना सके और 28 रन पर आउट हो गए। नीतीश रेड्डी ने 15 रन से खेला शुरू किया और 42 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस ने ५ विकेट झटके। स्कॉट बोलैंड को 3 और मिचेल स्टार्क को २ विकेट मिले। स्टार्क ने पहली

इंडियन हाई कमीशन के सामने विरोध-प्रदर्शन

पारी में 6 विकेट लिए थे।

NEW DELHI: रविवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने इंडियन हाई कमीशन के सामने भारत के विरोध में लॉन्ग मार्च निकाला। हालांकि पुलिस ने इस मार्च को बीच में ही रोक दिया। इसके बाद बीएनपी के एक प्रतिनिधि गुट को पुलिस की मदद से इंडियन हाई कमीशन को ज्ञापन सौंपने की इजाजत दी गई। बीएनपी के जॉइंट जनरल सेक्रेटरी रुहुल कबीर रिजवी ने इस दौरान भारत विरोधी बयान दिए। रिजवी ने कहा– भारत हर कदम पर बांग्लादेश को नुकसान पहुंचा सकता है। उसने शेख हसीना को इसलिए शरण दी क्योंकि उसे बांग्लादेश के लोग पसंद नहीं हैं। भारत किसी से दोस्ती नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि अगर भारत चटगांव मांगता है, तो हम बंगाल, बिहार और ओडिशा वापस ले लेंगे। भारत में सांप्रदायिकता बहुत

किसानों का दिल्ली चलो मार्च किया गया रह

NEW DELHI : किसानों का दिल्ली चलो मार्च रद्द कर दिया गया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने बताया कि एक किसान घायल हो गया है और उसे पीजीआई में भर्ती कराया गया है। आज मौसम भी किसानों के अनुकूल नहीं है, 8–9 किसान भी घायला हैं। सरवन सिंह ने बताया कि आज मार्च को रद्द किया जाता है, आगे के आंदोन के बारे में तारीख तय करके जानकारी दी जाएगी। रविवार को किसानों ने दिल्ली चलो अभियान की जानकारी दी थी। शंभु बॉर्डर पर डटे किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए पुलिस ने पहले उनपर फूलों की बारिश की और फिर भी जम वे नहीं माने तो उनपर आंसू गैस की गोलियां दागीं गईं। शंभ बॉर्डर पर जमे किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमने पहले ही सूचना दे दी थी कि हमारे १०१ किसानों का जत्था दिल्ली जाएगा। हमने पहले ही सूची जारी कर दी थी। अगर पुलिस हमारे पहचान पत्रों की जांच करना चाहती, तो हम तैयार हैं।

PHOTON NEWS RANCHI:

विधानसभा का विशेषसत्र सत्र आज

यानी 9 दिसंबर से शुरू हो रहा है। यह १२ दिसंबर तक चलेगा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की चूक न हो, इसे लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा में चार आईपीएस, 12 से अधिक डीएसपी रैंक के अधिकारी सहित 2000 अतिरिक्त पुलिस जवान की तैनाती की गई है। ट्रैंफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर ट्रैफिक पॉस्ट पर भी अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है, ताकि आवागमन में लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को बताया कि विधानसभा सत्र को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए

गए हैं। पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों

की तैनाती की गई है।

चार आईपीएस, १२ डीएसपी सहित २००० अतिरिक्त जवान तैनात लोगों की सुविधाओं को देखते हुए ट्रैफिक को किया गया दुरुस्त



सीएम की अध्यक्षता में सत्ता पक्ष ने किया मंथन

सोमवार से शुरू हो रहा है विधानसभा के सत्र को ध्यान में रखते हुए रविवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में

कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में सत्ता पक्ष के मंत्रियों और विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें विधानसभा सत्र के दौरान रणनीति और इसके सुचारू संचालन पर मंथन किया गया। तैयारियों पर गहन विचार-

विधायकों की सक्रिय भागीदारी

बैटक में यह भी चर्चा की गर्ड कि किस प्रकार सत्ता पक्ष विधायकों को सत्र के दौरान होने वाली बहस और चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लेंगे। सत्र के दौरान विधानसभा में पेश किए जाने वाले विधेयकों और प्रस्तावों पर भी मंथन किया गया। इसके अलावा विपक्षी दलों द्वारा उटाए जाने वाले मुद्दों और उनके जवाब के लिए भी तैयारियों की

समीक्षा की गई। मंत्री एवं विधायक दल ने विधानसभा सत्र के सफल संचालन के लिए अपनी एकजुटता और प्रतिबद्धता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने सभी नेताओं से आग्रह किया कि वे सत्र के दौरान राज्य के हित में हर संभव कदम उटाने के लिए सजग और सतर्क रहें। विधायकों ने कहा कि सत्र को लेकर पुरी तैयारी कर ली गई है।

200 मीटर की परिधि में कब क्या होगा लागु रहेगी निषेधाज्ञा

रांची डीसी और एसएसपी के

संयुक्तादेश पर विधानसभा परिसर के

200 मीटर के दायरे में किसी तरह के

जुलूस, रैली, प्रदर्शन और घेराव पर

सुरक्षा के दृष्टिकोण से सदर एसडीओ

प्रतिबंध रहेगा। इसके आधार पर

ने बीएनएसएस की धारा-163 के

झारखंड विधानसभा परिसर के 200

मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा जारी की

है। यह निषेधाज्ञा ९ दिसंबर की सुबह

आंढ बजे से 12 दिसंबर की रात दस

बजे तक के लिए लागू रहेगा। इस

दौरान उस क्षेत्र में पांच या पांच से

अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा

होने, किसी प्रकार का अस्त्र–शस्त्र

जैसे-बंदक, राइफल, रिवाल्वर,

पिस्टल, बम, बारूद आदि लेकर

निकलने पर रोक रहेगी।

9 दिसंबर को सबसे पहले विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी।

10 दिसंबर को शेष विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी।

10 दिसंबर को ही नए विधानसभा

अध्यक्ष का चुनाव होगा। 11 दिसंबर को राज्यपाल का अभिभाषण होगा।

11 दिसंबर को सरकार द्वितीय अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखेगी।

12 दिसंबर को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस होगी।

12 दिसंबर को ही अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी और इसे पारित किया जाएगा।

एक्शन मोड में हेमंत, राज्य का हिस्सा देने का जारी किया आदेश

झारखंड में कार्यरत ८ पीएसयू को ३० फीसद देना होगा डिविडेंड

PHOTON NEWS RANCHI:

यह वाकई आश्चर्यजनक है कि झारखंड में काम करने वाले आठ अंडरटेकिंग (पीएसयू) ने अपने गठन के बाद से आज तक अपने लाभ का डिविडेंड (हिस्सा) राज्य सरकार को नहीं दिया है। इस बात की सच्चाई स्पष्ट होने के बाद अब हेमंत सरकार ने इसे लेकर कड़ाई करना शुरू कर दिया है। ऐसे पीएसयू पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक्शन मोड में दिख रहे हैं। जानकारी के अनसार, ये पीएसय पर्यटन, मिनरल प्रतिशत तक देने का निर्देश दिया गया है। झारखंड अर्बन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड वर्तमान में

डेवलपमेंट, अर्बन टांसपोर्ट, मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्कर, विद्युत, कृषि, वन, फिल्म आदि क्षेत्र में काम करते हैं। डिविडेंड नहीं देने वाले पीएसयू को अपने लाभ का अधिकतम 30

संचालित नहीं हो रहा है, को बंद करने का निर्णय लिया गया है।

PHOTON NEWS RANCHI:

मौसम विभाग की ओर से जारी

पूर्वार्नुमान के अनुसार रविवार को

राजधानी रांची सहित झारखंड के

अन्य इलाकों में ठंड बढ गई।

अगले तीन दिनों में तापमान में 5

डिग्री सेल्सियस की गिरावट का

अनमान लगाया गया है। स्पष्ट है

कि अब ठंड ने तेवर दिखाना शरू

कर दिया है। मौसम विभाग के

अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने

पश्चिमी विक्षोभ की वजह से बना

पिकस्तान और राजस्थान में

सक्रिय है। इसका असर झारखंड

अपने गठन के बाद से अब तक इन पीएसय ने राज्य सरकार को नहीं दिया है लाभांश

- पिछले तीन सालों से अधिक समय से 16 पीएसयू ने नहीं दी है स्टेट्यूटरी ऑडिट रिपोर्ट
- जेयूटीसीएल, जो वर्तमान में संचालित नहीं हो रहा, को बंद करने का लिया गया निर्णय



कंपनी अधिनियम के तहत चलाया जा सकता है मुकदमा

अब तेवर में आने लगी टंड, 5 डिग्री गिरेगा पारा

में भी देखने को मिल रहा है। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे

गौरतलब है कि वित्त विभाग के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में 29 नवंबर को हुई मीटिंग में पीएसयु की ऑडिट रिपोर्ट, फाइलिंग, इनके लाभ पर दिए जाने वाले डिविडेंड और ओवर कैपिटलाइजेशन (किसी कंपनी की पूंजी का मूल्य उसकी कुल

परिसंपत्तियों से ज्यादा) को वापस लेने पर विस्तृत चर्चा हुई थी। बैठक में कहा गया था कि ऐसे पीएसयू के निदेशक पर कंपनी अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है और जुर्माना भी लगाया जा

११ जिलों के लिए मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

मौसम विभाग ने 9 दिसंबर के लिए

है कि राज्य के उत्तरी हिस्से के 11

जिलों (गढ़वा, पलामू चतरा,

राजधानी रांची में 9 दिसंबर को

येलो अलर्ट जारी किया है। चेतावनी में

आईएमडी के मौसम केंद्र, रांची ने कहा

हजारीबाग, कोडरमा, गिरिडीह, देवघर,

दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड)

में कहीं–कहीं घना कोहरा छाया रहेगा।

चला गया है। अगले 3 दिन में

१५ करोड रुपये का नहीं किया भुगतान, सरकार ने मांगी रिपोर्ट पीएसयू पीएसयू (उपरोक्त आठ

जेएसएमडीसीएल ने एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी जनरल मीटिंग (ईजीएम) में डिविडेंड की घोषणा की है। इसके विपरीत राज्य सरकार को १५ करोड़ रुपये का भुगतान नहीं

आज बारिश होने की भी संभावना

को मिलाकर) ने पिछले तीन सालों से अधिक समय से वैधानिक ऑडिट (स्टेट्यूटरी ऑडिट) रिपोर्ट नहीं दी है। रिपोर्ट देने का निर्देश

आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा भी हो

सकती है। उच्चतम तापमान २४ डिग्री

और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री रहने

का अनुमान है। मौसम विभाग के

अनुसार, पिछले २४ घंटे के दौरान

हजारीबाग में सबसे ज्यादा ठंड पडी।

यहां का न्यूनतम तापमान ८.३ डिग्री

पारा में 5 डिग्री तक की गिरावट

सेंटीग्रेड रिकॉर्ड किया गया।

होने की संभावना है।

इनको देना है हिस्सा

- 1. झारखंड स्टेट मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड
- 2. झारखंड स्टेट विवरेज कारपोरेशन लिमिटेड
- 3. झारखंड स्टेट बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन लिमिटेड
- 4. झारखंड पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन लिमिटेड
- 5. झारखंड मेडिकल एंड हेल्थ इंफ्रास्ट्रकर डेवलपमेंट एंड प्रोक्योरमेंट कारपोरेशन लिमिटेड
- 6. जुडको लिमिटेड
- 7. रांची स्मार्ट सिटी कारपोरेशन
- 8. झारखंड एक्सपोलरेशन एंड माइनिंग कारपोरेशन लिमिटेड 9. झारखंड दूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड और झारखंड स्टेट फड एंड सिविल सप्लाइ कारपोरेशन लिमिटेड पेंडिंग में हैं।

झारखंड के कई जिलों में 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे गया न्यूनतम तापमान जज के रीडर सहित

CHANDIGARH: हरियाणा में के यारा गांव में रहने वाले कुरुक्षेत्र

• मृतकों में पत्नी, होटा व बहू शामिल गंभीर

गरा। है। घटना की घुसकर हमलावरों ने तेज धारदार हथियार से सहाका

को उस वक्त हुई, जब पड़ोसी गेट तोडकर अंदर गए, जहां शवों को देख उनके होश उड़ गए। मामले की जांच में पुलिस

अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने नैब सिंह, उनकी पत्नी इमरित कौर, शाहाबाद कोर्ट में कार्यरत बेटा दुष्यंत, बहु अमृत कौर और 13 साल के पौत्र कैशव पर वार ?कर दिया और रक्तरंजित हालत में छोड़ कर फरार हो गए। रोजना की तरह रविवार सुबह जब नैब सिंह के घर से कोई हलचल और बाहर ना निकलने पर पडोसियों ने गेट खटखटाया। कोई आहट ना मिलने पर लोग इकट्ठा हुए और गेट तोड़कर अंदर गए, जहां नैब सिंह और उसकी पत्नी लहुलूहान अवस्था में मृत पड़े थे। पहली मंजिल में बेटा दुष्यंत और बहू अमृत कौर के साथ पौत्र केशव भी रक्तरंजित हालत में था। घटना देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर हालत में बेटा-बहू और पौत्र को अस्पताल पहुंचाया, जहां बेटे-

परिवार के चार सदस्यों को उतारा मौत के घाट

के जज के यहां रीडर, उनकी पत्नी, बेटा और बहू की घर में घुसकर अज्ञात हमलावरों

🕳 ਬਦ ਜੇਂ

जानकारी रविवार

कैथल जिले के शाहाबाद थाना क्षेत्र

ने शनिवार की देर रात हत्या कर दी। हमले में 13 साल का पौत्र गंभीर रूप से घायल है। सभी के गले को तेज धारदार हथियार से काटा

काट दिया

जुट गई है। जानकारी के अनुसार. बहु ने भी दम तोड़ दिया।

राष्ट्रपति, विद्रोहियों ने टैंक पर चढ़कर मनाया जश्न



देश छोड़कर भागे सीरियाई

AGENCY NEW DELHI:

सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर भाग चुके हैं। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, सेना ने असद के देश छोड़ने की पुष्टि की। कहा कि राष्ट्रपति की सत्ता खत्म हो चुकी है। सीरिया में पिछले 11 दिनों से विद्रोही गुटों और सेना के बीच कब्जे के लिए लड़ाई चल रही थी। विद्रोही लडाकों ने रविवार को राजधानी दिमश्क पर कब्जा कर लिया है। असद के देश छोड़ने के बाद सीरियाई पीएम ने विद्रोहियों को सत्ता सौंपने का प्रस्ताव दिया है। पीएम मोहम्मद गाजी अल जलाली ने एक वीडियो में कहा है कि वो देश में ही रहेंगे और जिसे भी सीरिया के लोग चुनेंगे, उसके साथ मिलकर काम करेंगे। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक हफ्ते में विद्रोहियों ने राजधानी

- विद्रोही लडाकों ने राजधानी दमिश्क पर पूरी तरह जमाया कब्जा
- 💻 सेना ने की पुष्टि, खत्म हो चुकी है राष्ट्रपति की सत्ता
- 💻 सीरिया में 2011 से चल रहे गृहयुद्ध का खात्मा, विद्रोहियों ने की नए युग की घोषणा
- विद्रोही गढबंधन के सामने असद की ताकतवर सरकार 10 दिन भी नहीं टिक पाई

इनमें अलेप्पो, हमा, होम्स और दारा शामिल हैं। विद्रोही लड़ाके राजधानी दिमश्क में दारा शहर की तरफ से घुसे थे, जिस पर उन्होंने 6 दिसंबर को कब्जा किया था।

२७ नवबर का शुरू हुआ था संघष

सीरिया में 27 नवंबर को सेना और सीरियाई विद्रोही गुट हयात तहरीर अल शाम के बीच 2020 के सीजफायर के बाद फिर संघर्ष शुरू हुआ था। इसके बाद १ दिसंबर को विद्रोहियों ने सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अलेप्पो पर कब्जा कर लिया। इसे राष्ट्रपति बशर अल असद ने सीरिया की जंग के दौरान 4 साल की लडाई के बाद जीता था। अलेप्पो जीतने के 4 दिन बाद विद्रोही गुटों ने एक और बडे शहर हमा और फिर दक्षिणी शहर दारा पर कब्जा कर लिया। इसके बाद राजधानी दिमश्क को दो दिशाओं से घेर लिया है। दारा

दिमश्क के अलावा सीरिया के चार

बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया है।

और राजधानी दमिश्क के बीच सिर्फ 90 किमी की दूरी है। इस तरह असद ने सिर्फ 11 दिन के भीतर अपनी सत्ता गंवा दी और सीरिया पर असद परिवार के 50 साल का शासन खत्म हुआ। नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि असद गए। उन्होंने अपना देश छोड दिया है। असद को बचाने में उनके सहयोगी रूस और राष्ट्रपति पुतिन की कोई दिलचस्पी नहीं है। सीरिया में असद के भागने के बाद इजरायली सेना दोनों देशों के बीच बने बफर जोन गोलान हाइट्स में घुस गई है।

एक्शन मोड में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, बोले-

मरीज की मौत के बाद बिना बिल भुगतान के सौंपें डेड बॉडी

PHOTON NEWS DHANBAD: स्वास्थ्य मंत्री का पदभार ग्रहण

करने के बाद डॉ. इरफान अंसारी एक्शन मोड में दिख रहे हैं। रविवार को धनबाद में उन्होंने कहा कि अगर निजी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान किसी मरीज की मौत हो जाती है, तो बिना बिल चुकाए शव उसके परिजनों को सौंपना होगा। अगर निजी हॉस्पिटल के संचालक ऐसा नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए विभाग की ओर से हर जिले के डीसी और एसपी को पत्र भी लिखा जाएगा। उन्होंने कहा कि निजी अस्पताल स्वास्थ्य के साथ



के संचालक ऐसा नहीं करते हैं, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी व्यवसाय करने लगे हैं। इस पर हर

हाल में रोक लगाई जाएगी। फर्जी डॉक्टरों पर भी कार्रवाई की जाएगी। झारखंड के सरकारी अस्पतालों को दिल्ली से भी बेहतर बनाया जाएगा।

गंभीर चिंता विलुप्त होने की स्थिति में पहुंच गईं एक तिहाई से ज्यादा प्रजातियां

सकुर्लेशन

पेड़-पौधों को बचाने की जिम्मेदारी से भागना खतरनाक

🗕 बंगाल की खाडी में पश्चिमी विक्षोभ

के कारण बना साइक्लोनिक

सर्कलेशन दिखा रहा असर

झारखंड के कई जिलों का

AGENCY NEW DELHI:

मानव जीवन के लिए जलवायु परिवर्तन से खतरनाक संकेत लगातार मिल रहें हैं। वैश्विक स्तर पर इसके प्रयास कारगर और ईमानदार नहीं हैं। विकास की खातिर बेलगाम मानव गतिविधियां प्रकृति के अन्य घटकों को बबार्दी के रास्ते पर तेजी से बढ़ा रही हैं। इसका परिणाम पेड़-पौधों के जीवन पर स्पष्ट रूप से दिख रहा है। हाल के विशेष अध्ययन से यह जानकारी मिल रही है कि दुनिया में पेड़ों की लगभग एक तिहाई प्रजातिया विलुप्ति की स्थिति में पहुंच चुकी हैं। यह खुलासा अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ यानी इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट में अपडेट के लिए किए गए मूल्यांकन के दौरान हुआ है। यदि ऐसा है, तो मानव जीवन का संकट भविष्य में कितना भयावाह हो सकता है, इसका आकलन अत्यंत कठिन है। स्पष्ट है कि धरती के पेड़-पौधों को बचाना हमारी

जिम्मेदारी है। इससे भागना खतरनाक है।

नए अध्ययन में उभयचर जीवों की 41 फीसद प्रजातियां कर रहीं खतरे का सामना समय-समय पर बाढ़, सूखा और आग के कारण भयावह बनी स्थिति भारत सहित दुनिया के जंगलों की कटाई, शहरों और



खत्म होने के गंभीर हालात

आईयुसीएन की मानें तो उभयचर जीवों की 41 फीसदी प्रजातियां खतरे में हैं। जबिक स्तनधारी जीवों की 26, शंकुधारी वृक्षों की 34, पिक्षयों की 12, शार्क और रे की 37, कोरल रीफ की 44, सरीसृपों की 21 और साइकैड पौधों की 71 फीसदी प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। रेड लिस्ट में शामिल 1,66,061 प्रजातियों में से 46,337 प्रजातियों के खत्म होने का खतरा है।

192 देशों में इस समस्या का हो रहा प्रसार

सड़कों के निर्माण कार्य ने घटाई वनस्पतियों की आयु

प्रमावित हुई जीवित रहने की क्षमता

रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन से सूखा, बाढ़, और जुंगल की आग जैसी समस्याएं पैदा हो रही हैं। ये समस्याएं पेडों के जीवित रहने की क्षमता को प्रभावित करती हैं। जलवायु परिवर्तन का खतरा खासकर उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कहीं ज्यादा स्पष्ट है, जहां समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और तेज तूफान आ रहे हैं। इसके अलावा जंगलों की कटाई,

शहरों और सडकों का निर्माण और कृषि के लिए जमीन खाली कराना जैसी घटनाओं से पेड़ों के आवास नष्ट हो रहे हैं। कीट, रोग और विदेशी आक्रामक प्रजातियां पेड़ पौधों के लिए गंभीर खतरा हैं। दक्षिण अमेरिका में जहां दुनिया में पेड़ों की सबसे ज्यादा विविधता मौजूद है वहां 13,668 में से 3,356 प्रजातियों पर विलुप्त होने का खतरा है।



CHAKRADHARPUR : झारखंड राज्य समाज कल्याण आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ, पश्चिमी सिंहभूम की सदस्य रविवार को सिंहभूम की सांसद जोबा मांझी व मनोहरपुर के विधायक जगत माझी से मिलीं। जिलाध्यक्ष मार्टिन मुर्मू ने संघ की कुछ मांगों पर चर्चा की। सांसद ने आश्वासन दिया कि राज्य में हमारी सरकार है। किसी तरह की समस्या पर समाधान की पहल की जाएगी। विधायक ने कहा कि आंगनबाडी कर्मचारियों के हित में जो भी जरूरी कदम उठाना पड़ेगा, पीछे नहीं हटेंगे।

पटमदा में हुई डहरे दुसु परब की तैयारी



PATAMDA: वहद झारखंड कला संस्कृति मंच ने रविवार को पटमदा के लोवाडीह स्थित कुड़माली भवन में डहरे दुसु परब की तैयारी पर बैठक की। इसमें बताया गया कि 5 जनवरी को डिमना से साकची के आमबगान मैदान तक इस परब में पटमदा क्षेत्र के 36 छऊ नृत्य टीम, 6 करम दल टीम और 15 दुसु नृत्य टीम भाग लेंगे। इस बार पटमदा प्रखंड से लगभग 25 हजार लोग ढोल-मांदर लेकर शामिल होंगे। बैठक में जयराम महतो, पूर्णचंद्र महतो, विनय महतो, दीपक रंजीत आदि उपस्थित थे।

आदिवासी समाज ने मनाया जोमषुईम



CHAKRADHARPUR: आदिवासी नववर्ष (जोमपुईम) सह सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम रविवार को चक्रधरपुर प्रखंड के बांझीकुसुम मैदान में हुआ। इस अवसर पर विभिन्न गांवों से आई नृत्य मंडलियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। वहीं, सामाजिक विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस मौके पर नवमी उरांव, सन्नी उरांव, मोनिका बोयपाई, तीरथ जामुदा, मिथुन गागराई, विजय सिंह सामड, विजय मेलगांडी, बबलू कोड़ा आदि उपस्थित थे।

सर्व कलीसिया खीस्त मिलन समारोह में झूमे लोग



CHAKRADHARPUR : चकधरपुर में रविवार को सर्व कलीसिया एकता मंच के बैनर तले खीस्त मिलन समारोह हुआ। हनुमान मंदिर न्यू बस स्टैंड के समीप स्थित जीईएल चर्च प्रांगण में हुए कार्यक्रम में लघु नाटिका, नृत्य, गीत आदि पर लोग झुम उठे। वहीं, रोमन कैथोलिक चर्च, लाल गिरिजाघर सीएनआइ होली सेवियर चर्च और जीईएल चर्च के अनुयायियों ने क्रिसमस का संदेश सुना। मुख्य अतिथि जिला कृषि पदाधिकारी अमरजीत कुजूर व विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त रेल कर्मी एडी मालवा ने समारोह का उद्घाटन किया।

गायत्री परिवार के शिविर में 155 यूनिट रक्तदान



JAMSHEDPUR: गायत्री परिवार का 58वां रक्तदान शिविर रविवार को भालुबासा के सामुदायिक विकास केंद्र में लगा, जिसमें 155 युनिट रक्तदान हुआ। शिविर का उद्घाटन विजय कुमार, सुषमा पात्रो, जेके सचान, रेखा शर्मा, मुन्ना पांडे, आरके सिन्हा आदि ने गायत्री महामंत्र के संस्वर उच्चारण से किया। शिविर के संयोजक राजन गुप्ता ने बताया कि यह शिविर 8वां राज्य स्तरीय एवं नवयुग दल का 58वां रक्तदान

पेयजल समस्या से जूझ रहे मानुषमुड़िया के ग्रामीण

BAHRAGORA: पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मानुषमुड़िया गांव में एक लाख लीटर पानी की क्षमता वाली जलापूर्ति योजना दो साल से बंद है। इस जलमीनार का मोटर पंप खराब होने से पेयजल आपूर्ति ठप्प है। इस जलमीनार से मानुषमुड़िया के लगभग 110 लोगों के घरों में पेयजल आपूर्ति होती थी, लेकिन पंप खराब होने से लोगों को पेयजल समस्या से जुझना पड़ रहा है। पंप की मरम्मत की दिशा में विभाग द्वारा कोई पहल नहीं की जा रही है। इससे लोगों में काफी आक्रोश है। ग्रामीणों ने बताया कि चापाकल से किसी तरह पानी लेकर काम चलाना पड़ रहा है। उक्त योजना से दिन में दो बार जलापूर्ति होती थी। जलापूर्ति योजना बंद होने के कारण गांव के लोगों को नहाने में भी कठिनाई हो रही है। इसके

साथ ही पीने के लिए स्वच्छ



पानी भी नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने कई बार खराब मोटर की मरम्मत करने की मांग विभाग से की परंतु कोई पहल नहीं हुई। बताया गया कि कई बार मिस्त्री द्वारा मोटर पंप को निकालने का प्रयास किया गया।

मोटर पंप को निकालने के दौरान पंप बोर में गिर गया। टंकी भी जर्जर हो गई है। टंकी से पानी

लूट की घटना में शामिल चार आरोपी हुए गिरफ्तार, भेजे गए न्यायिक हिरासत में

पांकी थाना अंतर्गत गजबोर गांव के कृष्णा सोनी के घर में हुए कांड का उद्भेदन

PHOTON NEWS MEDININAGAR पलामु जिला पुलिस ने पांकी थाना अंतर्गत गजबोर गांव के कष्णा सोनी के घर में लूट की घटना का उद्धेदन करते हुए घटना में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इसमें पांकी थाना क्षेत्र के दुब गांव के सतीश राम उर्फ सतीश चंद्रवंशी 35 वर्ष, उपेंद्र कुमार उर्फ उपेंद्र विश्वकर्मा 29 वर्ष, पीपरा थाना क्षेत्र के पगार खुर्द टोला बेरियाडीह के छोटू कुमार सिंह 24 वर्ष व रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के सिमलिया गांव के शत्रुघ्न कुमार वर्मा 34 वर्ष शामिल हैं। पलिस ने इनके पास एक देसी एटर हथियार, 7.65 एमएम की दो गोली, कांड में लूटे गए सोने के जेवर को गलाकर बना दो छोटा-

जल संरक्षण के लिए

पुरस्कृत होंगे स्कूल

JAMSHEDPUR : राष्ट्रीय जल

पुरस्कार के लिए स्कूलों का चयन

किया जाना है। इसे लेकर झारखंड

शिक्षा परियोजना परिषद ने दिशा-

निर्देशजारी किया है। निदेशक शशि

रंजन ने कहा है कि जिले के सभी

विद्यालयों को जल संरक्षण और

प्रबंधन के क्षेत्र में किए गए कार्य के

आधार पर श्रेष्ठ विद्यालय का चयन

किया जाएगा। इसमें अधिक से

अधिक विद्यालयों की भागीदारी हो।

उद्देश्य विद्यालयों में जल प्रबंधन

और संरक्षण को बढ़ावा देना है।

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 2

लाख रुपये, ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र

दिया जाएगा। द्वितीय पुरस्कार 1.50

लाख और तृतीय पुरस्कार 1 लाख

रुपये प्रदान किए जाएंगे। इसके

साथ ही ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र

दिया जाएगा। प्रतियोगिता में 7

विभिन्न मानदंड के आधार पर अंक

प्रदान किए जाएंगे। इनमें जल कार्य

योजना, जिसमें स्पष्ट और प्राप्त

चिकित्सा शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक

LOHARDAGA : सेवा भारती

के तत्वावधान में चुन्नीलाल उच्च

विद्यालय के प्रांगण में निशुल्क

स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर

का आयोजन किया गया। जिला

अध्यक्ष दीपक सर्राफ, डॉ कुमुद

अग्रवाल और संजय चौधरी ने

संयक्त रूप से भारत माता की

तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर

एवं पुष्प चढ़ाकर शुभारंभ किया।

इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 52

लोग अपने स्वास्थ्य की जांच

करवा कर लाभान्वित हुए।

हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड, ब्लड

सेवा भारती का निःशुल्क

बड़ा गोला, सोने की एक अंगूठी, दो जोड़ा चांदी का नया पायल, एक जोडा चांदी का पराना पायल. लूटा गया दो स्मार्टफोन, कांड में प्रयुक्त एक स्मार्टफोन व घटना में प्रयुक्त लोहे का दो रॉड व एक हेक्सा कटर जब्त किया है।

पांकी थाना में कष्णा सोनी ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें

23-24 अक्टूबर को हुई थी लूट की घटना : पलाम् एसपी रीष्मा रमेशन ने रविवार को एसपी कार्यालय सभागार में पत्रकारों को बताया कि बीते 23-24 अक्टूबर की रात एक बजे के करीब पांकी थाना क्षेत्र के गजबोर गांव स्थित कृष्णा सोनी के घर में अज्ञात 6 लोगों ने हथियार का भय दिखाकर घर में रखे सोना चांदी के जेवर एवं रुपये लूट लिया था। इसे लेकर

पत्रकारों को मामले की जानकारी देतीं एसपी रीष्मा रमेशन

गिरफ्तार आरोपियों का रहा है आपराधिक इतिहास

सचना मिली कि लटपाट की घटना

टाटा-हटिया एक्स. १६ से

10 दिनों तक रहेगी रह

JAMSHEDPUR : चक्रधरपुर रेल

मंडल में विकासात्मक कार्यों के कारण कई ट्रेनों को रद्द किया गया

है। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक

टाटा-हटिया-टॉटा एक्सप्रेंस और

टाटा-हटिया -टाटा मेम को भी रह

किया गया है। टाटा-हटिया-टाटा

एक्सप्रेस 16 दिसंबर से 26 दिसंबर तक रद्द रहेगी। वहीं टाटा-हटिया-

टाटा मेमू १६, १९ और २२ दिसंबर

11 दिसंबर को रद्द रहेंगी 4 ट्रेनें

टाटा-हटिया-टाटा एक्सप्रेस, टाटा-

बिलासपुर-टाटा एक्सप्रेस, टाटा-

आसनसोल–टाटा एक्सप्रेस व

टाटा–बरकाकाना एक्सप्रेस रद्द

दिसंबर को रद्द रहेगी।

रहेगी, जबिक झाड़ग्राम-पुरुलिया-

झाडग्राम एक्सप्रेस ९, ११ और १२

आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट

इसके साथ ही आसनसोल-टाटा-

आसनसोल मेमू 9 और 12 दिसंबर

धनबाद-टाटानगर-धनबाद एक्सप्रेस

9, 11, 12 दिसंबर को आद्रा में शॉर्ट

को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट होगी।

को रद्द रहेगी।

पलाम् एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है। सतीश राम उर्फ सतीश चंद्रवंशी पर सुखदेव नगर, पांकी, बरवाडीह, सदर मेदिनीनगर व पाटन थाना में कुल 7 मामले दर्ज हैं। छोटू कुमार सिंह पर

भुईयां पर सदर मेदिनीनगर थाना, गुलशन कुमार विश्वकर्मा पर चैनपुर थाना व गुड्डू भुईयां उर्फ परमेंद्र पर मनिका, बरवाडीह, पांकी व हेरहंज थाना में 6 मामले दर्ज हैं।

बरवाडीह, पीपराटांड़ थाना में कुल 6 मामले दर्ज हैं। देवराज

कुल 20 लाख रुपये के सोना-चांदी के जेवर व नकदी के लूट की जिक्र किया था। इसके आलोक में कुमार झा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई थी। पुलिस टीम को अनसंधान के दौरान 7 दिसंबर को

में संलिप्त संदिग्ध आरोपी दुब गांव आया है। इस पर पलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव में छापेमारी कर उपेंद्र कुमार उर्फ उपेंद्र

• फोटोन न्यूज

का देवराज भुईयां, सतबरवा थाना क्षेत्र के पोंची गांव का गुलशन कुमार विश्वकर्मा व पांकी थाना क्षेत्र के माड़न गांव का गुड़ू भुईयां उर्फ परमेंद्र दूसरे मामले में जेल में बंद है। पलिस उन्हें रिमांड पर

पूछताछ में उसने लूट में अपनी

संलिप्तता बताते हुए अपने साथियों

का नाम बताया, जिसके आधार पर

उपरोक्त आरोपितों को गिरफ्तार

किया गया तथा उपरोक्त सामग्री

बरामद किया गया। इसमें रांची के

सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के

सिमलिया गांव के शत्रुघ्न कुमार

वर्मा को लूट के जेवर खरीदने के

कारण गिरफ्तार किया गया है।

घटना में शामिल तीन अन्य आरोपी

लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के नौरंगा गांव

रामगढ़ में डीडीसी ने पोलियो ड्रॉप पिला शुरू किया अभियान



शिविर में बच्चे को पोलियो की दवा पिलाते डीडीसी रोबिन टोप्पो

RAMGARH: रामगढ़ जिले में पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत रविवार को डीडीसी रोबिन टोप्पो ने की। सदर अस्पताल में उन्होंने बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। 8 से 10 दिसंबर तक पल्स पोलियो अभियान चलेगा । इसमें 1,71,692 बच्चों को पोलियों की ख़ुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। मौके पर उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद सहित अन्य

अधिकारियों के जरिये नवजात

शिशु को पोलियो की खुराक पिलाई गई। इस दौरान उन्होंने पल्स पोलियो अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न करने और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया। आठ दिसंबर को 1067 बुथों पर और 9 एवं 10 दिसंबर को घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के लिए 49 ट्रांजिट टीम एवं 34

गिरिडीह में साइबर टगी के तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

GIRIDIH: साइबर थाना पलिस ने रविवार को तीन शातिर अपराधियों को दबोचा है। इस बाबत एसपी डॉक्टर विमल कुमार और साइबर डीएसपी आबिद खान ने पत्रकार वार्ता में बताया कि गिरफ्तार तीनों अपराधी गिरिडीह जिले अहिल्यापुर थाना इलाके के पंदिनया गांव के हैं। इनमें पंकज मंडल, कैलाश मंडल और दीपक मंडल शामिल हैं। बताया गया कि इनमें से एक पंकज मंडल ने साइबर अपराध से एक नया स्कार्पियो गाड़ी तक खरीद लिया। तीनों अपराधियों के पास से तीन सिम कार्ड के साथ तीन स्मार्ट मोबाइल भी बरामद किया गये हैं। तीनों मोबाइल और सिम कार्ड को खंगाला जा रहा है। तीनों को सुबह में उस वक्त दबोचा गया जब तीनों अपराधी गांडेय थाना

पर एपीके फाइल भेज कर नंबर हैक कर ठगी करते थे। युनिवर्सल पीस

इलाके के डाक बंगला रोड में

सड़क किनारे अपराध कि योजना

बना रहे थे। इसी दौरान गुप्त

सूचना के आधार पर तीनों को

दबोचा गया। एसपी ने बताया कि

तीनों अपराधी किसी भी नम्बर पर

कॉल कर बिजली विभाग के

अधिकारी बनकर उनसे बात

करते और सामने वाले से कहते

कि उनका बिजली बिल काफी

बकाया है। यदि बिल जमा नहीं

किया तो लाइन काट दिया

जाएगा। इसके अलावा व्हाट्सएप



• फोटोन न्यूज

ग्रुप, शुगर, बीपी, वजन, हार्ट बीट,

ऑक्सीजन लेवल आदि का

निशुल्क जांच किया गया। जिला

अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा कि

प्रतिदिन नियमित रूप से कम से

कम आधे घंटे के योग एवं व्यायाम

करने से कई बीमारियों से बचा जा

सकता है और कहा कि किसी भी

तरह के स्वास्थ की जांच कराने से

घबराएं नहीं और निःसंकोच अपना

जांच कराएं। डॉ कुमुद अग्रवाल ने

कहा कि इस बढ़ते ठंड के मौसम

पर बच्चों एवं बुजुर्गों को ख्यास

ध्यान देने की आवश्यकता है।

JAMSHEDPUR : दिव्य ग्रंथ अध्ययन केंद्र एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सौजन्य से रविवार को सोनारी के मेरीन ड्राइव स्थित यनिवर्सल पीस पैलेस में कवि सम्मेलन एवं कलाकार महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें जमशेदपुर के अलावा कोल्हान क्षेत्र के चाकुलिया, चांडिल, बहरागोड़ा, बलरामपुर, घाटशिला, गम्हरिया, चक्रधरपुर, सरायकेला के कला एवं संस्कृति जगत के महानुभाव मौजूद थे। सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय कवि बीके राजीव भाई व राजयोग के पशिक्षक बीके राजेश भी उपस्थित थे। दिव्य ग्रंथ अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने दिव्य भारत के नव निर्माण में दिव्य संकल्प भी कराए। कोल्हान प्रमुख अंजू दीदी की देखरेख में हुए कार्यक्रम में जया बहन ने सुप्रीम कलाकार परमात्मा का संदेश देते हुए

सारी सभा को संबोधित किया।

पैलेस में हुआ कवि व कलाकार सम्मेलन



खूंटी थाना की पुलिस ने खूंटी तमाड़ रोड पर मवेशी लंदे एक टक का पीछा कर उस पर लदे 33 गोवंशीय पशुओं को मुक्त कराया और तस्करी में संलिप्त पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इन 33 मवेशियों को 14 चक्का ट्रक पर लादकर रांची की ओर ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार आरोपितों में टुक का चालक रांची के भुसूर गांव निवासी रजिमुल मिर्धा, इरबा का युसूफ अंसारी, बजरा गांव का तबरेज खान, चचकोपी रांची निवासी मुंशफ अंसारी और पश्चिम बंगाल के झालदा निवासी शेख हुसैन शामिल हैं। इस संबंध में रविवार को खुंटी थाने में मामला दर्ज कर पुलिस गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार, खूंटी एसडीपीओ वरुण रजक को

तस्करी कर ले जाए जा रहे ३३ पशुओं को खूंटी पुलिस ने कराया मुक्त, पांच गिरफ्तार

थाना परिसर में लाए गए मवेशी शनिवार रात गप्त सचना मिली कि पश तस्करों द्वारा तोरपा क्षेत्र से एक बड़े ट्रक में गोवंशीय पशुओं को लादकर खुंटी के रास्ते अन्यत्र ले जाया जा रहा है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए खुंटी के भगत सिंह चौक में वाहनों का जांच अभियान शरू कर दिया गया। उसी दौरान तोरपा की ओर से आ रहे तिरपाल से ढके उक्त ट्रक को जब रोकने का

प्रयास किया गया, तो ट्रक का

चालक टक को भगा कर ले जाने

लगा। इस पर भागते ट्रक को

खदेड़ कर खूंटी-तमाड़ रोड पर

पकड़ लिया गया और उसकी तलाशी ली गई, तो उसमें 33 गोवंशीय पशु लदे पाए गए। ट्रक में सवार आरोपितों द्वारा पशुओं के संबंध में कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं करने पर ट्रक को खंटी थाना ले जाया गया और उसमें लादे गए सभी गोवंशीय पशुओं को ट्रक से उतार कर थाना परिसर में खुला छोड़ दिया गया। सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक पूछताछ में तस्करों ने बताया कि सभी गोवंशीय पशुओं को तोरपा के रोड़ो गांव से ट्रक में लादकर

सिल्ली क्षेत्र ले जाया जा रहा था।

• फोटोन न्यूज

संक्रमण की जद में 40 हजार लोग, धनबाद में फाइलेरिया के 7400 रोगी चिह्नित

नाइट ब्लड सर्वे में मिले फाइलेरिया के 73 मरीज

PHOTON NEWS DHANBAD: धनबाद फाइलेरिया का हब बनता जा रहा है। फाइलेरिया विभाग की ओर से चलाए गए विशेष अभियान नाइट ब्लड सर्वे के मात्र 10 दिनों में 73 मरीज

यह सर्वे 16 से 26 अक्टूबर के

बीच चलाया गया था। स्वास्थ्य विभाग की मानें तो जिस तरह से फाइलेरिया को लेकर धनबाद में संक्रमण बढ़ रहा है, ऐसे में लगभग 40 हजार लोगों के फिलहाल संक्रमित होने की आशंका है। लगातार मामले मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग भी अब जागरूकता अभियान तेज कर रहा है।

नेशनल टीम ने मच्छरों का लिया था सैंपल : फिलहाल धनबाद में फाइलेरिया के 7400 मरीज चिह्नित किए गए हैं। यहां राष्ट्रीय औसत से ज्यादा फाइलेरिया के



रात में लिए गए थे ब्लड के सैंपल, हर जगह मिले संक्रमित

स्वास्थ्य विभाग की ओर से 16 से 26 अक्टूबर के बीच रात 9 बजे के आसपास विभिन्न प्रखंडों में अभियान चलायाँ गया। यहां रात में लोगों से ब्लंड सैंपल लिए गए। विभाग के विशेषज्ञ के अनुसार रात में सैंपल लेने पर इसमें फाइलेरिया परजीवी की सही पहचान होती है। धनबाद मुख्यालय सहित दसरे अन्य प्रखंड में भी मरीजों की पहचान हुई है। अब इन मरीजों को दवा दी जा रही है और इनकी काउंसिलिंग की जा रही है।

मरीज हैं। सामान्य फाइलेरिया के मरीज एक प्रतिशत के आसपास

3 वर्ष में 10 दिनों के विशेष अभियान में मिले मरीज



फाइलेरिया को लेकर जिले में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। चिह्नित मरीजों को तत्काल दवा दी जा रही है। सामूहिक प्रयास से इस पर नियंत्रण किया जा सकता है।

– रमेश कुमार सिंह, विशेषज्ञ वेक्टर बॉर्न डिजीज, स्वास्थ्य विभाग, धनबाद

होते हैं, जबिक धनबाद में स्वास्थ्य विभाग की जांच में 3.5 प्रतिशत फाइलेरिया के मरीज धनबाद में मिले हैं। इससे पहले यहां नेशनल टीम ने मच्छरों पर सर्वे किया था। यहां सबसे ज्यादा फाइलेरिया फैलाने वाली मादा कुलेक्स मच्छर

एटीएम कार्ड के साथ पुलिस के हत्थे चढ़े दो साइबर अपराधी



पुलिस गिरफ्त में आरोपी

• फोटोन न्यूज

DUMKA: जिले के शिकारीपाड़ा थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने बाइक से पश्चिम बंगाल की ओर जा रहे दो साइबर अपराधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अपराधियों में सरफराज आलम और सिराज अंसारी है। ये दोनों देवघर जिला के सारठ थाना क्षेत्र के बरमसिया गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने हॉरनेट बाइक के साथ शिकारीपाड़ा कॉलेज के सामने इन्हें

पकड़ा और जब उनकी तलाशी ली गई तो 12 एटीएम कार्ड बरामद हुआ। खास बात यह है कि बरामद सभी एटीएम कार्ड कई लोगों के नाम से है। दरअसल ये दूसरों के बैंक खातों के एटीएम कार्ड अपने पास रखते और जब साइबर क्राइम से रुपये उड़ाते तो उन खातों में ट्रांसफर कर एटीएम के माध्यम से निकाल लेते। मामले में एसआई आनन्द हेम्ब्रम के बयान पर एफआईआर दर्ज किया गया।











THE PHOTON NEWS www.thephotonnews.com Monday, 09 December 2024

O BRIEF NEWS

मुख्यमंत्री ने पूर्व स्पीकर रवींद्र नाथ महतो के पिता के निधन पर जताया शोक

RANCHI: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व स्पीकर रवींद्र नाथ महतो के पिता के निधन पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एक्स पर रविवार को टवीट कर कहा है कि झाममों के वरिष्ठ नेता और नाला से विधायक रवींद्रनाथ महतो के पिता गोलक बिहारी महतो के निधन की दुःखद सूचना मिली। मरांग बुरु दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विषम घड़ी सहन करने की शक्ति और साहस दें।

मंत्री इरफान अंसारी की डॉक्टरी डिग्री पर भानु प्रताप शाही ने उठाए सवाल

RANCHI : बीजेपी नेता भानू प्रताप शाही ने वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की डॉक्टरी डिग्री पर सवाल खडा किया है। भाजपा के संगठन पर्व की बैठक में शामिल होने आए भानु प्रताप शाही ने राज्य के वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को लेकर बड़ी बात कही है। भानु प्रताप शाही का कहना है कि इरफान अंसारी को बहुत दिनों से स्वास्थ्य मंत्री बनने की इच्छा थी और अब वह स्वास्थ्य मंत्री बन गए हैं। ऐसे में अब साबित करने का वक्त है कि वह असली डॉक्टर हैं, रशिया वाले फर्जी सर्टिफिकेट के डॉक्टर नहीं हैं। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अब पूरी जवाबदेही उनके कंधों पर आ गई है कि वह राज्य के बदतर स्वास्थ्य व्यवस्था को दुरुस्त करें।

सत्ता का अहंकार न पाले झामुमो : विजय चौरसिया

RANCHI: भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विजय चौरसिया ने झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि झामुमो को जनता से किए अपने वायदे पर ध्यान देना चाहिए न कि अनर्गल बयानबाजी पर। झामुमो महासचिव को यह याद रखना चाहिए कि हिमंता विस्वा शर्मा एक राज्य के मुख्यमंत्री हैं पहले उस लेबल पर झामुमो महासचिव आ जाएं फिर ऐसे बयानबाजी करें। बिजय चौरसिया ने कहा कि सत्ता मिली है जनता ने बहुमत दिया है तो ज्यादा अहंकार न पाले झामुमो। अपनी राजनीतिक मयार्दा का पालन करें। भाजपा प्रवक्ता बिजय चौरसिया ने झामुमो को नसीहत देते हुए कहा कि पूरे सूबे की कानून व्यवस्था तार-तार है, अपराध चरम पर है, जनता त्राहिमाम कर रही है।

दो घायल बाइक सवारों में इलाज के दौरान एक की मौत, दूसरा गंभीर

RANCHI: पिठोरिया थाना क्षेत्र के दुबलिया गांव मे शुक्रवार को हाइवा की चपेट में आकर दो बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मेदांता अस्पताल मे इलाज के लिए दोनों घायलों को भर्ती कराया गया था। रविवार को इलाज के दौरान 15 सालके आकाश मुंडा उम्र की मृत्यु हो गई। 18 साल के विशाल मुंडा की भी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। रविवार को आकाश मुंडा की मृत्यु के बाद परिजन ओर दर्जनों ग्रामीण डेट बॉडी के साथ पिठोरिया थाना पहुंच कर प्रशासन से मुआवजा की मांग कर रहे थे।

रिम्स कैंपस में आप 10 रुपये में खा सकते हैं भरपेट खाना

वर्तमान दौर में महंगाई आसमान छू रही है। लोगों की थाली से कई चीजें गायब हो गई हैं। इस महंगाई में भी राजधानी रांची स्थित रिम्स कैंपस में मरीजों और उनके परिजनों को भरपेट खाना उपलब्ध कराया जा रहा है। वह भी मात्र 10 रुपये में। जी हां, कैंपस में वरिष्ठ नागरिकों का संघ स्टॉल का संचालन कर रहा है। जहां हर दिन सैंकड़ों लोग सुबह से रात तक भोजन कर रहे हैं। इतना ही इस स्टॉल में जिनके पास पैसे नहीं होते उन्हें भी मफ्त मे भोजन कराया जा रहा है। बता दें कि रिम्स कैंपस में हनुमान मंदिर के सामने ये स्टॉल पिछले 14 सालों से इलाज के लिए आने वाले मरीजों और परिजनों का ध्यान खींच लेता है। रांची के रिम्स कैंपस में वरिष्ठ नागरिक संघ द्वारा एक विशेष स्टॉल लगाया गया है। यहां मरीजों और उनके परिवारजनों

को सस्ते दामों में भोजन और पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इस स्टॉल का उद्देश्य हॉस्पिटल में इलाज के लिए आए मरीजों और उनके परिजनों को राहत पहुंचाना है। हनुमान मंदिर के सामने चल रहा यह स्टॉल सुबह 10 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक खुला रहता है। यहां 10 रुपए में 6 रोटियां, सब्जी और अचार मिल रहा है। हॉस्पिटल में इलाज कराने आए मरीजों के लिए मूंग दाल की खिचड़ी उपलब्ध कराई जा रही है, जो सेहत के लिए लाभकारी मानी जाती है। इसके अलावा मरीजों और परिजनों के लिए 10 रुपये में पानी की बोतल भी उपलब्ध कराई

जा रही है, ताकि पीने का साफ पानी मिल सके

जिनके पास पैसे नहीं होते, उन्हें मुफ्त में कराया जाता है भोजन; पांच रुपये लिया जाता है खाना पैकिंग कराने का चार्ज • रोगियों के लिए

विशेष रूप से तैयार की जाती है मूंगदाल की खिचडी

• एक बोतल मिनरल वाटर के लिए भी लिए जाते सिर्फ ₹10

🗕 खाना बर्बाद न करें लोग, इसलिए शुल्क के रूप में लिए जाते हैं 10 रुपये

हर दिन ४०० लोग ले जाते हैं खिचड़ी

हॉस्पिटल के ओपीडी में हर दिन 2 से ढाई हजार मरीज इलाज के लिए आते हैं। इन मरीजों में ज्यादातर वैसे मरीज होते है, जिनके पास प्रॉपर इलाज कराने के भी पैसे नहीं होते या फिर मरीज बिना किसी तैयारी के ही रिम्स पहुंच जाते हैं। वैसे मरीजों के लिए ये स्टॉल राहत देने वाला है। चूंकि स्टॉल से हर दिन 400 लोग खिचड़ी लेकर जा रहे हैं। वहीं 350 से अधिक लोग खाना खा रहे हैं। इस काम के लिए संघ ने कैंपस में ही जगह ले रखी है। वहां पर 4 स्टाफ सुबह से शाम तक खाना बनाने में जुटे रहते हैं। एक महिला स्टाफ स्टॉल संभाल रही है। इसके अलावा एक मैनेजर को तैनात किया गया है, जो सारी



मरीजों व परिजनों की सुविधा के लिए वरिष्ठ नागरिकों का संघ चला रहा स्टॉल, पिछले १४ सालों से लगातार उपलब्ध है सेवा

2010 में की गई थी शुरूआत, ओपीडी के मरीजों को मिल रही राहत

शत्रघ्न गप्ता ने बताया कि सीताराम पोद्वार ने इसकी शुरूआत 2010 में करने में अहम भूमिका निभाई थी। 10 साल सेवा देने के बाद उन्होंने छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि अब इसे अपलोग चलाएं। 14 साल से अधिक समय से ये

कारवां चल रहा है। आगे भी यह चलता रहेगा। जो लोग खाने आते है, उन्हें स्टॉल पर खाना दिया जाता है। जो लोग पैक कराना चाहते हैं, तो उसका चार्ज लिया जाता है।

कभी-कभी सबके लिए मुफ्त भोजन

वरिष्ठ नागरिकों के संघ आर्या चैरिटेबल ट्रस्ट के शत्रुघ्न गुप्ता का कहना है कि समाज सेवा की भावना से यह स्टॉल चलाया जा रहा है। इलाज के लिए जब मरीज आते है, तो उनके खाने का ठिकाना नहीं रहता। हमारा प्रयास है कि मरीजों और उनके परिवारजनों को हॉस्पिटल के वातावरण में थोड़ी राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि यह स्टॉल सस्ते और पौष्टिक भोजन का इंतजाम करता है। स्टॉल में मिलने वाला खाना हाइजेनिक भी है। इलाज के लिए आनेवाले मरीजों और उनके तीमारदारों द्वारा सराहना की जा रही है। स्टॉल के संचालक ने यह भरोसा दिलाया है कि वे भविष्य में भी इस सेवा को जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि कभी-कभी हमलोग सभी के लिए मफ्त भोजन की व्यवस्था करते हैं। उस दिन स्टॉल पर एक हजार से अधिक लोग पहुंचते हैं। वहीं 10 रुपये को लेकर उन्होंने कहा कि ये टोकन मनी है। अगर लोग 10 रुपए देंगे तो खाना बर्बाद नहीं करेंगे।

एक्शन टेकेन : 15 जनवरी तक दें क्वार्टर रिपोर्ट, नहीं तो लगेगी पेनाल्टी हरमू व स्वर्णरेखा का ड्रोन से होगा सर्वे, नदी का अस्तित्व बचाने की फिर कोशिश ने बिल्डरों को जारी किया नोटिस

झारंखड रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (झारेरा) बिल्डरों को राहत देने के मूड में नहीं है। रेरा में रजिस्ट्रेशन कराने के बाद काम कर रहे है बिल्डरों से क्वार्टर रिपोर्ट मांगी गई है। रेरा ने बिल्डरों को 1 जनवरी से 15 जनवरी 2025 तक क्वार्टर रिपोर्ट देने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर बिल्डरों पर पेनाल्टी लगाई जाएगी। इतना ही नहीं, रिपोर्ट नहीं देने वाले बिल्डरों के प्रोजेक्ट को कैंसिल भी करने का प्रावधान है। बता दें 2016 में रेरा का गठन इसलिए किया गया था, ताकि ग्राहकों को बिल्डरों की ठगी से बचाया जा सके। इसके बावजूद बिल्डर मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे ही बिल्डरों पर रेरा ने कार्रवाई की तैयारी कर रखी है। रेरा में अब तक पूरे झारखंड से 1523 प्रोजेक्ट

एक अक्टूबर से लेकर 31 दिसंबर 2024 तक की मांगी गई है रिपोर्ट



रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 903 प्रोजेक्ट आनलाइन रजिस्टर्ड हुए अब तक मात्र 77 लोगों ने

ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन वालों में हैं, जबिक 620 ऑफलाइन। प्रोजेक्ट को ऑनलाइन रजिस्टर्ड हर तीन महीने पर बिल्डरों को देनी है प्रोजेक्ट की क्वार्टर रिपोर्ट

• रिपोर्ट नहीं देने वाले बिल्डरों के प्रोजेक्ट को कैंसिल करने का भी है प्रावधान

250 से अधिक बिल्डरों की लिस्ट तैयार

रेरा ने झारखंड के 250 से अधिक बिल्डरों की लिस्ट तैयार की है। ये वैसे बिल्डर है जिन्होंने ग्राहकों को ठगा है। पैसे लेने के बावजूद काम ही पूरा नहीं किया। रेरा को भी अंधेरे में रखकर काम किया। कुछ बिल्डरों ने रेरा में जो पता लिखवाया, उस पते पर कोई ऑफिस भी नहीं मिला। बार-बार नोटिस के बावजूद रेरा को बिल्डरों ने जवाब तक नहीं दिया। इसके बाद रेरा ने सख्ती बरतना शुरू किया। एक के बाद एक 200 से अधिक बिल्डरों पर कार्रवाई की जा चुकी है। लाखों रुपये की पेनाल्टी लगाई गई। पेनाल्टी नहीं भरने की स्थिति में प्रोजेक्ट पर रोक लगा दी गई है और बैंक अकाउंट को होल्ड कर दिया गया। अब बिल्डर न तो प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंट से लेन-देन कर सकते हैं और न ही फ्लैट की खरीद-बिक्री की जा सकती है।

कराने में इंटरेस्ट दिखाया है। इसके अलावा राज्यभर के 82 प्रोजेक्ट को समय पर काम पूरा करने की स्थिति में एक्सटेंशन दिया गया है, ताकि प्रोजेक्ट में इंवेस्ट करने वाले

खरीदारों को फ्लैट मिल सके। प्रोजेक्ट परा होने तक बिल्डर ग्राहकों को हजार्ना भी भरेंगे, जब तक कि काम पुरा न हो जाए। इसके बाद ग्राहकों को फ्लैट



PHOTON NEWS RANCHI:

नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने हरमू नदी के विकास के लिए अब तक जो काम हुआ है उसकी वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश जुडको के अधिकारियों को दिया है। जितने सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बने हैं उनमें से कितने काम कर रहे हैं और कितने बंद हैं। उसका भी सर्वे कराने को कहा है। साथ ही जो पाथवे बना था उसकी स्थिति की भी रिपोर्ट मांगी है। प्रधान सचिव ने हरम् नदी के साथ स्वर्णरेखा के पाट की मूल चौड़ाई का आंकलन करने के लिए ड्रोन कैमरे से नदी की शुरूआत से अंत तक की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराने का निर्देश दिया

है। हरम् नदी के दोनों किनारों पर अतिक्रमण की वर्तमान स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है। यह भी कहा कि यह पता लगायएं कि हरम् नदी में कहां कहां नालों का गंदा पानी प्रभावित हो रहा है। उन्होंने नदी के किनारों को चौडा करने के लिए योजना बनाने का आदेश दिया। प्रधान सचिव ने सभी रिपोर्ट समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सरकार एक बार भी हरम् नदी को बचाने को लेकर गंभीर हो गई है। हरम नदी के कारण स्वर्ण रेखा नदी का अस्तित्व भी खतरे में है। हरमू नदी का गंदा पानी स्वर्णरेखा में जा रहा है, जिससे इस नदी का पानी भी

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सभी एसएसपी और एसपी को जनता से अच्छे व्यवहार का दिया निर्देश

राज्य के पलिस महानिदेशक

(डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को उनके अधीन थानों में समय पर एफआईआर दर्ज करने और जनता के साथ अच्छा व्यवहार करने का निर्देश दिया है। डीजीपी ने आम जनता के प्रति पुलिसकर्मियों के व्यवहार में सुधार लाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। डीजीपी ने साइबर अपराध, एसटी-एससी, ह्यूमन ट्रैफिकिंग एवं महिला अपराध से संबंधित भुक्तभोगी के आवेदन पर आवेदित थाने में ही एफआईआर दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई किये जाने के लिए निर्देश दिया है। उन्होंने किसी भी पीड़ित महिला के आवेदन पर क्षेत्र के संबंध में विचार किये



डीजीपी अनुराग गुप्ता।

बिना अविलंब आवेदित थाने में एफआईआर दर्ज किये जाने के लिए निर्देश दिया है। साथ ही सभी क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक एवं सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिया कि अपने-अपने जिलों और क्षेत्र में ऐसी व्यवस्था कायम करें कि यदि थाना प्रभारियों के जरिये आम जनता के आवेदन पर आवश्यक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वे अपनी शिकायतों को वरीय अधिकारियों (आईजी, डीआईजी, एसपी) के पास दर्ज करा सकें। डीजीपी ने पुलिस अधीक्षक और क्षेत्रीय पुलिस उप-महानिरीक्षक को भ्रमण के दौरान थानेदारों और थाने पर पदस्थापित मुंशी और अन्य कर्मियों को आम जनता के प्रति अच्छा व्यवहार करने के लिए प्रेरित करने का भी निर्देश दिया। डीजीपी ने इस संबंध में सीआईडी के आईजी और स्पेशल ब्रांच को निर्देश दिया कि प्रत्येक जिले में उनके इकाई से प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों को निर्देश दें कि वे जनता के साथ दुर्व्यवहार करने वाले पुलिसकर्मियों

चुनावी मुद्दे जनता को समझा नहीं पाए : सुदेश

RANCHI: आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने आज रविवार को विधानसभा चुनाव में हुई हार की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में आजसू पार्टी के विधानसभा चुनाव लड़ने वाले 10 उम्मीवार, बोर्ड के सदस्य, आजस् पार्टी के पदधारी सहित कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक दिन के 11 बजे से शाम 4 130 बजे तक चली। बैठक के बाद सुदेश महतो ने हरम स्थित पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि राज्य में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि जिन वादों के साथ सरकार सत्ता में आयी है। अपने किये वादों को वे ससमय पूरा करें। जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें चुना है, जनहित के विकास कार्यों को पूरा करना उनकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

हथियार के वार से बचने और सेल्फ डिफेंस की लड़कियों ने ली ट्रेनिंग

रविवार को इंटरनेशनल मार्शल अकादमी (इमा) के तत्वाधान में बहु बाजार स्थित बिशप स्कूल में एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर-सह-कराटे ग्रेडिंग दो चरणों में संपन्न हुआ। इसमें रांची के विभिन्न स्कूलों और क्लबों से 180 कराटे खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी खिलाडियों को इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक और नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने एडवांस कुमिते (फाइट) और काता का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने लड़िकयों को सेल्फ डिफेंस की तकनीक से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि हथियार के वार से कैसे बचें और अपनी सुरक्षा भी करें।



कराटे की तकनीक सीखते खिलाडी ।

🛮 फोटोन न्यूज

प्रशिक्षण के साथ सभी खिलाड़ियों का ग्रेडिंग टेस्ट भी हुआ। इसमें येलो बेल्ट के 45, ऑरेंज बेल्ट के 30, ग्रीन बेल्ट के 40, ब्लू बेल्ट के 20, पर्पल बेल्ट के 15, ब्राउन बेल्ट के 30 और ब्लैक बेल्ट के खिलाड़ी शामिल हुए। सुनील ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता को देखते हुए इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। इससे खिलाडियों की तकनीकों को और निखारा जा सके। तकनीक की मदद से वे प्रतियोगिता में अपना अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। शिविर को सफल बनाने में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के अध्यक्ष अनिल किस्पोट्टा, राकेश तिर्की, उमा शंकर महतो, रवि कुमार सिंह, स्वस्तिका तफरदार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आसपास के शोर से परेशान हैं, तो ११२ पर दर्ज कराएं शिकायत कारगर कदम :

ध्वनि प्रदूषण पर लगाम लगाने को जिला प्रशासन तत्पर

PHOTON NEWS RANCHI:

हमारे लिए जल और वायु प्रदूषण के साथ ध्वनि प्रदूषण भी कम खतरनाक नहीं है। वाहनों की लगातार बढ़ रही संख्या के कारण ध्वनि प्रदूषण की समस्या राजधानी रांची में बढ़ती जा रही है। वाहनों के शोर से हमारी ध्वनि संवेदना प्रभावित हो रही है। कुछ इलाकों में तय मानक से अधिक शोर से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। इस पर रोक लगाने को लेकर जिला प्रशासन सख्त हो गया है। ऐसे में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए जिला ने कदम उढाया है। अधिक शोर और ध्वनि प्रदूषण की शिकायत टोल फ्री नंबर 112 पर दर्ज करा सकते हैं। इसके बाद जिला प्रशासन कार्रवाई करेगा। बता दें कि शहर में पॉल्यूशन लेवल लगातार बढ़ रहा है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम २००० के तहत वायु की गुणवत्ता को नियंत्रण में रखे जाने हेतु ध्वनि उत्सर्जन के अंतर्गत निर्धारित मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

🗢 राजधानी के कुछ इलाकों में धडल्ले से हो रहा मानक का उल्लघन

• एयर क्वालिटी बरकरार रखने को ध्वनि उत्सर्जन नियमों का पालन जरूरी

शुरुआत आवासीय क्षेत्रों

• हाईकोर्ट और अस्पतालों नियम नहीं मानने वालों पर सख्त कार्रवाई की हुई मानक निर्धारित

की स्थिति

व्यावसायिक क्षेत्र में ध्वनि उत्सर्जन सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक 65 डेसिबल और रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 55 डेसिबल निर्धारित है। आवासीय क्षेत्र में ध्वनि उत्सर्जन का मानक 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक 55 डेसिबल और रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 45 डेसिबल निर्धारित है।

के बाहर ध्वनि प्रदूषण का

अस्पतालों-शैक्षणिक संस्थानों के पास मानक

बता दें कि हाई कोर्ट, डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, प्रोजेक्ट भवन, नेपाल हाउस और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की 100 मीटर परिधि में ध्विन उत्सर्जन के मानक निर्धारित किए गए हैं। इसके तहत सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक 50 डेसिबल और रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 40 डेसिबल तक निर्धारित हैं। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र में ध्वनि उत्सर्जन मानक सुबह 6 बजे से रात्रि 10 बजे तक 75 डेसिबल रहेगा और रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक 70 डेसिबल निर्धारित है।

मंत्री संजय प्रसाद यादव ने लालू से की मुलाकात



RANCHI : झारखंड के श्रम और उद्योग विभाग के मंत्री संजय प्रसाद यादव ने पदभार संभालने के बाद रविवार को राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की। साथ ही मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव से भी मुलाकात कर आशीर्वाद लिया और विचार-विमर्श किया। लालू परिवार के नेताओं ने संजय प्रसाद यादव को राज्य हित और जनहित में काम करने की नसीहत देते हुए कहा कि निष्ठा और ईमानदारी पूर्वक गरीबों के उत्थान के लिए काम करें।

मंइयां सम्मान योजना में स्थिति का संज्ञान लें सीएम : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश

अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी ने कहा कि प्रदेश की माताएं-बहनें मंईयां सम्मान योजना में हो रही लापरवाहियों से सशंकित हैं। चार महीनों से लंबित किश्त का भुगतान न होने से इन महिलाओं का धैर्य अब जवाब देने लगा है। फॉर्म भरने और जानकारी प्राप्त करने के लिए अंचल कार्यालयों में जाने वाली महिलाओं को अव्यवस्था और लचर प्रणाली का शिकार होना पड़ रहा है। मरांडी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि इस लचर रवैये ने सरकार की मंशा पर गंभीर प्रश्न चिह्न खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री

 चार महीनों की लंबित किस्त का जल्द करें भुगतान



हेमंत सोरेन अविलंब स्थिति का संज्ञान लें और चार महीनों के लंबित किस्त भुगतान को सुनिश्चित करने के साथ मंईयां सम्मान योजना की प्रक्रिया को सरल बनायें, ताकि माताएं-बहनें आसानी से योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

समाचार सार

अंकिता ने ताइपे आर्चरी ओपन में जीता कांस्य

JAMSHEDPUR: टाटा आर्चरी अकादमी की तीरंदाज अंकिता भगत ने वर्ल्ड आर्चरी इंडोर वर्ल्ड सीरीज में महिला रिकर्व श्रेणी में कांस्य पदक



जीता है। यह प्रतियोगिता 6 से 8 दिसंबर 2024 तक चीनी ताइपे में हुई थी। अंकिता ने दक्षिण कोरिया की ली युनजी को 6-2 के सेट स्कोर से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अंकिता अंतरराष्ट्रीय मंच में शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। इस प्रतियोगिता में टाटा आर्चरी अकादमी से कल 14

खिलाडियों ने हिस्सा लिया था। इनमें से 8 तीरंदाजों ने क्वालीफिकेशन राउंड पार किया, जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 18 मीटर की दूरी से 60 तीर चलाने थे। अंकिता के अलावा अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी इस प्रतियोगिता में सराहनीय प्रदर्शन किया। हालांकि, फाइनल मुकाबले में पदक जीतने से चूक गए। अंकिता भगत इससे पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने 2023 में एशियाई खेलों में भी शानदार प्रदर्शन किया था। उनकी यह जीत न केवल अकादमी, बल्कि पुरे देश के लिए गर्व की बात है।

एसएसपी ने ग्रामीण बच्चों संग मनाई पिकनिक

JAMSHEDPUR: एसएसपी किशोर कौशल ने रविवार को सुदुरवर्ती



ग्रामीण क्षेत्र डुमरिया के लखाईडीह गांव से आए 215 बच्चों के साथ पिकनिक मनाई। ये बच्चे मध्य विद्यालय के छात्र हैं। सामुदायिक पुलिसिंग के

तहत आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों को टाटा स्टील चिड़ियाघर का भ्रमण कराया गया। इस दौरान एसएसपी ने बच्चों से विभिन्न विषयों पर बातचीत की। बच्चों के बीच पठन-पाठन सामग्री का भी वितरण

सेरसा ने मेघाहातुबुरू को 19 रनों से हराया

CHAIBASA: पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल



को रोमांचक मुकाबले में गत वर्ष की उपविजेता टीम चक्रधरपुर ने मेघाहातुबुरू क्रिकेट क्लब को 19 रनों से

हरा दिया। इस जीत के साथ ही दो मैचों में 8 अंक हासिल कर सेरसा की टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबिक इतने ही अंक लेकर बेहतर रन रेट के कारण लारसन क्लब की टीम पहले स्थान पर बनी हुई है। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर रविवार खेले गए इस मैच के टॉस मेघाहातुबुरू क्रिकेट क्लब के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

घाटशिला कॉलेज के 41 कर्मचारियों को दी विदाई

GHATSILA: घाटशिला कॉलेज के शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ द्वारा

को समारोह किया गया, जिसमें मार्च 2016 के बाद कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव व सचिव आकाश कमार भी

आदित्यपुर में लक्ष्मीनारायण महायज्ञ 13 से

ADITYAPUR : झारखंड में पहली बार श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह



कर्म भक्ति कथा यज्ञ 13 दिसंबर से 14 जनवरी तक होने जा रहा है। जयप्रकाश उद्यान में होने वाले इस यज्ञ में श्री जगतगुरु रामानुजाचार्य त्रिदंडी स्वामी संत श्री सुंदर राज (यतिराज) जी महाराज

के मंगलानुशासन में होगा। इसके लिए श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ समिति का गठन हुआ है। इसकी बैठक रविवार को यज्ञस्थल पर हुई, जिसमें मुख्य संरक्षक शंभूनाथ सिंह, अध्यक्ष शिवपूजन सिंह, महासचिव सुधीर सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

चाईबासा में 30 का हुआ मोतियाबिंद ऑपरेशन



द्वारा रविवार को निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया गया। इसमें 30 लोगों का मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया व लेंस लगाया गया। कविता शर्मा ने कहा कि आज 30 लोगों का

ऑपरेशन किया गया है, बाकी सभी का ऑपरेशन अगले रविवार को किया जाएगा। ऑपरेशन के बाद सभी मरीजों को दवा, चश्मा व कंबल भेंट किया गया। शिविर में सिमिति की संरक्षक गोमती नेवेटिया, अध्यक्ष चंचल सराफ, सचिव निशा केडिया, सोनी पीरोजीवाला, सुधा अग्रवाल आदि भी सक्रिय रहीं।

श्याम महोत्सव के लिए हुआ भूमिपूजन

JAMSHEDPUR: सोनारी स्थित कारमेल जूनियर कॉलेज के पीछे मैदान में 21 दिसंबर को 22वें श्याम महोत्सव के लिए रविवार को



भूमिपूजन हुआ। इसमें पं. बिपिन पांडेय ने पूजा-अर्चना कराई। अध्यक्ष अशोक दीवान ने बताया कि ठंड को ध्यान में रखते हुए इस बार भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। श्याम बाबा का दरबार बंगाल के कारीगर करेंगे। कोलकाता से ही अंकित

पोद्दार ग्रुप की टीम भक्तों को झुमने पर मजबूर कर देगी। इस वर्ष भजनों की अमृतवर्षा बीकानेर-राजस्थान के प्रवेश शर्मा, कोलकाता के जयंत व्यास व टाटानगर के महाबीर अग्रवाल करेंगे।

संतोषी व हर्ष ने जीता आर्टिस्ट का खिताब

जमशेदपुर : सरकार योगा एकेडमी की ओर से कदमा स्थित केरला पब्लिक स्कूल (केपीएस) प्रांगण में रिववार को चतुर्थ ओपन झारखंड सिट एंड ड्रॉ कंपटीशन हुआ। इसमें केपीएस ग्रुप के स्कूलों के अलावा शहर के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों के साथ साथ गृहिणियों ने भी भाग लिया था। टाइटल पुरस्कारों में जुनियर आर्टिस्ट ऑफ द ईयर का खिताब संतोषी चंद्रा व सीनियर आर्टिस्ट ऑफ द ईयर का खिताब हर्ष कुमार राय को प्रदान किया गया।

ग्रामीणों ने पीएलएफआई कमांडर मेटा टाइगर सहित दो लोगों का किया 'सेंदरा'

गिरु में दो व भरिडहा हाट में एक युवक की हत्या में भी आया था इसका नाम

पश्चिमी सिंहभूम के नक्सल प्रभावित गुदड़ी थाना क्षेत्र के टोमडेल पंचायत में पीएलएफआई कमांडर मेटा टाइगर सहित पीएलएफआई के दो उग्रवादियों का ग्रामीणों ने तीर मार कर सेंदरा उसकी हत्या कर दी। हालांकि इस घटना के बाद पीएलएफआई कमांडर के शव का एक फोटो सामने आया है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस घटना की आधिकारिक पृष्टि नहीं की है। पीएलएफआई कमांडर की हत्या की चर्चा पर पुलिस भी घटना के चर्चा के सत्यापन में लगी हुई है। पीएलएफआई कमांडर मेटा टाइगर पिछले दिनों गुदड़ी थाना क्षेत्र के गिरु में दो यवकों की हत्या में आरोपी था। इसके अलावा



ग्रामीणों के हमले में मृत मेटा टाइगर व डनसेट में बरामद गोली • फोटोन न्यज

हाट में पिछले दिनों हुई एक युवक की हत्या के मामले में भी उसके

पिछले दिनों दो स्थान पर तीन की हुई हत्या : विगत 24 नवंबर की देर रात को गदडी थाना के गिरु

गांव में गांव के ही रवि तांती व रवि के घर आए खंटी निवासी यवक घनसा टोपनो की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। घटना में गुदड़ी पुलिस ने पीएलएफआई

कि किसी वारदात को अंजाम देने

आए पीएलएफआई के कमांडर के

मारे जाने की सूचना है। पुलिस

मामले का सत्यापन कर रही है

हत्या व उग्रवादी हिंसा के मामले में केस दर्ज किया था। वहीं, 27 नवंबर को शाम के समय अज्ञात अपराधियों ने गोइलकेरा थाना क्षेत्र के भरडीहा बाजार में सेरेंगदा गांव के एक युवक नमन लोमगा की

सेरेंगदा बाजार भी बंद रहा।

निर्दोषों पर अत्याचार के खिलाफ छेड़ा आंदोलन

पीएलएफआई के उग्रवादी व अन्य कई समर्थक पिछले कुछ माह से गुदडी,

निर्दोष ग्रामीणों की पिटाई भी कर रहे थें। इससे तंग आकर करीब 30 गांव

के ग्रामीणों ने क्षेत्र से अपराधियों व उग्रवादियों का खात्मा करने का निर्णय

लिया था। इसे लेकर हजारों ग्रामीण पारंपरिक हथियार तीर-धनुष, भाला

दाउली, कुल्हाड़ी सहित अन्य धारदार हथियार से लैस होकर उग्रवादियों के

खिलाफ जनआंदोलन शुरू कर दिया है। वे पिछले तीन दिनों से इलाकों में

पहाड़ी के 40 किलोमीटर दायरे में ऑपरेशन सेंदरा के लिए घूम-घूम कर

उग्रवादी व अपराधियों की तलाश में जुटे हैं। इसी क्रम में ग्रामीणों के हाथ

उग्रवादी शनिचर सुरीन का भतीजा था। जानकारी के मृताबिक ग्रामीणों की

एक बैठक शुक्रवार को गुदड़ी के लोढ़ाई में हुई थी। शुक्रवार को लोढ़ाई में

पीएलएफआई कर ग्रुप लीडर मेटा टाइँगर मिल गया। मेटा टाइँगर पूर्व

लगने वाला साप्ताहिक हाट भी बंद रहा। शनिवार को गोइलकेरा का

आनंदपुर, सोनुवा, गोइलकेरा आदि में आतंक फैलाए हुए हैं। उग्रवादी व

उनके समर्थक अवैध बालू, वाहन चालकों के अलावा अन्य ग्रामीणों को

डरा-धमका कर लेवी देनें के लिए मजबूर कर रहे थे। इसके साथ ही

गोइलकेरा थाना क्षेत्र में सारुडा गांव का एक व्यक्ति लापता है, जिसकी हत्या होने की आशंका

जेएलटी के खिलाफ चला सेंदरा अभियान

झारखंड लिबरेशन (जेएलटी) का आतंक 2005 में टोकलो , कराईकेला, बंदगांव थाना क्षेत्र में मचा था। अवैध असुली, क्षेत्र के शिक्षक, व्यापारी से रंगदारी और निर्दोष ग्रामीणों को मारपीट कर उनकी हत्या करना आम बात थी। इन मामलों में पुलिस कुछ खास नहीं कर पाई ,कराईकेला, बंदगांव आदि थाना क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों ने पारंपरिक हथियार लेकर 24 घंटा सेंदरा अभियान शुरू किया। इस अभियान में दो दर्जन से अधिक अपराधियों की हत्या होने की सूचना मिली थी, लेकिन एक भी शव बरामद नहीं हुआ। इस अभियान के बाद क्षेत्र में शांति है।

डिवाइडर से टकराया आदित्यपुर में तेज रफ्तार कार खंभे से टकराकर पलटी, बड़ा हादसा टला

सरायकेला-खरसावां जिले के

आदित्यपुर थाना क्षेत्र में पान दुकान चौक पर रविवार दोपहर करीब एक बजे तेज रफ्तार कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकराने के बाद तीन बार पलटी खा गई। घटना के दौरान सड़क पर बड़ी संख्या में लोग और वाहन मौजूद थे, लेकिन सुझबुझ से एक बड़ा हादसा टल गया। कार चालक ने बताया कि वह बारीडीह के मोहरदा का रहने वाला है और अपने एक साथी को छोड़ने के बाद चार अन्य साथियों के साथ वापस लौट रहा था। जैसे ही वह पान दुकान चौक के पास पहुंचा, यह हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज रफ्तार में थी और चालक नशे की हालत में लग



आदित्यपुर में लोगों को समझाते सरदार शैलेंद्र सिंह व अन्य

रहा था। बिजली के खंभे से टकराने के कारण खंभा उखड़कर दो हिस्सों में टूट गया। इसके बाद कार ने सड़क पर तीन बार पलटी मारी। हालांकि, कार में सवार चारों लोगों को चोट नहीं लगी, लेकिन कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और चालक की पिटाई करने लगे। इसी बीच सिख समाज के सरदार शैलेंद्र सिंह ने

मनोनीत किया। इस दौरान पर्व

अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, निवर्तमान

अध्यक्ष संदीप मरारका, निवर्तमान

कोषाध्यक्ष पीयष गोयल, सहायक

रिंगसिया भी मंचस्थ थे। इससे पूर्व

सभा का उद्घाटन निवर्तमान

अध्यक्ष संदीप मुरारका ने स्वागत

उदबोधन से किया। अभिषेक ने

कहा कि जल्द ही कार्यसमिति का

विस्तार कर दिया जाएगा।

चनाव पदाधिकारी

अग्रवाल सम्मेलन के

जिलाध्यक्ष बने अभिषेक

सदस्यों को संबोधित करते अभिषेक अग्रवाल गोल्डी

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम

जिला अग्रवाल सम्मेलन की

साधारण सभा बिष्टुपुर स्थित चैंबर

भवन में रविवार को हुई। इसमें

मुख्य चुनाव पदाधिकारी राजीव

अग्रवाल ने बताया कि सत्र

2024-26 के लिए अभिषेक

अग्रवाल (गोल्डी) निर्विरोध

निर्वाचित हुए हैं। गोल्डी ने मंटू

अग्रवाल को महासचिव एवं

अजय भालोटिया को कोषाध्यक्ष

बीच-बचाव कर चालक की जान बचाई। घटनास्थल पर मौजूद लोग मुकदर्शक बने रहे और कोई भी मदद के लिए आगे नहीं आया। घटना की सूचना मिलते ही सरायकेला एसडीपीओ समीर सवैया और आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने भीड को शांत किया और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

मानगो की कौशकी क्लैट में बनीं कोल्हान टॉपर

JAMSHEDPUR : विधि महाविद्यालयों में नामांकन के लिए हुई क्लैट परीक्षा की मध्य रात को जारी किया गया। इसमें मानगो के



दिसंबर से प्रारंभ होगा।

बाइक सवार, घायल



GHATSILA: थाना क्षेत्र के पावड़ा गांव के समीप मारुति शोरूम के पास रविवार को सर्विस रोड से कालचित्ती गांव जा रहा बाइक सवार डिवाइडर से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घाटशिला थाना की पुलिस ने उसे अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉ . जली ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर रेफर कर दिया। डॉ. जूली ने बतायाँ कि घायल टिंकू महतो के सिर और मुंह में गंभीर चोट लगी है। अधिक खून बहने के कारण स्थिति चिंताजनके है। सूचना पर पहुंची घायल की मां अंबिका महतो ने बताया कि टिंकू गालूडीह में काम करता था। तीन दिन से घर नहीं आया था। शाम को घर आने के क्रम में दुर्घटना की सूचना मिली तो अस्पताल पहुंची। इकलौता पुत्र है। इसके पिता की भी वर्षों पूर्व संड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

सोनारी के कचरा डंपिंग क्षेत्र में फिर लगी आग



कचरा आदि शामिल है। विधायक सरयू राय ने कहा कि दो वर्ष पूर्व हमने और सोनारी के नागरिकों ने आवाज उठायी थी। सरकार, प्रशासन, प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड ने नहीं सुना तो सोनारी निवासी सप्रीम कोर्ट में वरीय अधिवक्ता संजय उपाध्याय एनजीटी गए। एनजीटी ने फटकार

वहां डंप हो रहा है। इसमें गीला

और सुखा कचरा के साथ ही

नुकसानदेह कचरा, रसायनिक

कचरा, मेडिकल कचरा, ई-



मेरीन ड्राइव पर लगी आग

लगाई तो ज़िला प्रशासन और प्रदुषण बोर्ड ने एनजीटी के समक्ष शपथ लेकर आश्वासन दिया कि शीघ्र समस्या दुर करेंगे। इन्होंने एक एक्शन प्लान भी एनजीटी को सौंपा, फिर भूल गए। अब वहां पहले से भी अधिक बदतर स्थिति हो गई है। जनस्वास्थ्य पर खतरा पैदा हो गया है। प्रशासन यदि अब भी कारगर कदम नहीं उठाएगा तो यह मामला एनजीटी जाएगा। अवमानना का मुकदमा प्रशासन और प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड पर

ओडिशा से जादूगोड़ा आए हाथियों के झंड ने रौंदी फसल, ग्रामीण परेशान

जादूगोड़ा क्षेत्र में शनिवार रात को ओडिशा से भटक कर तीन हाथियों का झुंड आ गया है, जिसमें एक बच्चा भी शामिल है। हाथियों ने भाटीन गांव के झापारटोला में कई एकड़ में लगी फसल को रौंद दिया है। हाथियों ने इसके पूर्व नूतनडीह गांव में उत्पात मचाया व गांव के रामेश्वर सरदार, वैरव सरदार, मनोज सरदार, कार्तिक सरदार, मंगल सरदार, आशीष सरदार आदि के खेत में लगी धान की फसल को बर्बाद कर दिया। हाथियों के जादूगोड़ा में घुसने की सचना मिलने के बाद वन विभाग के वनरक्षी अरुण कुमार भी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने भाटीन के पीड़ित परिवार संतोष सरदार से मुलाकात की और हाथियों को भगाने के लिए पटाखे दिए। वनरक्षी



रौंदी गई फसल और हाथियों की लीद दिखाता किसान

आग जलाकर खेत की रक्षा कर रहे किसान

हाथियों के भाटीन गांव के झापारटोला के खेत में लगी धान की फसल को बचाने के लिए रात पर पुआल जगाकर किसान रतजगा कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बीते दो दिनों से हाथी गांव से सटे जंगल में डेरा डाले हुए हैं। शाम होते ही गांव के खेत में आ जाते हैं। फसल को खाने के साथ ही रौंदने से खड़ी फसल बर्बाद हो रही है। हाथी गांव में बने तालाब में पानी पीकर सुबह होते ही जंगल की ओर निकल जाते हैं।

अरुण कुमार ने कहा कि ये हाथी ओडिशा से भटक कर जादुगोड़ा

पहुंच गए हैं। इन्हें वापस भेजने के लिए विभाग के लोग लगे हैं।

डीजीपी ने नक्सलियों से जुड़े केस के लिए डेडिकेटेड यूनिट बनाने का दिया निर्देश

अंशुल

झारखंड पुलिस को ६६ नक्सिलयों के सफाए का मिला टास्क

PHOTON NEWS CHAIBASA:

झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता रविवार को चाईबासा पहुंचे। नई सरकार का गठन होने बाद डीजीपी राज्य के नक्सिलयों के सफाए को लेकर चलाए जा रहे अभियान में तत्परता से जुटे हैं।

गृह मंत्रालय की ओर से झारखंड पुलिस को राज्य में 66 नक्सलियों के सफाए का टास्क दिया गया है. मंत्रालय की ओर से झारखंड पुलिस को बताया गया कि नक्सिलयों के सफाये के लिए प्लान बना कर काम करने का निर्देश दिया। खास कर कोल्हान में बढ़ती नक्सली गतिविधि को लेकर मंत्रालय काफी चिंतित है। इसी को लेकर मंत्रालय की ओर से झारखंड पुलिस को सुझाव देते हुए इस पर काम करने का निर्देश जारी



पुलिस अधिकारियों की बैठक को संबोधित करते डीजीपी अनुराग गुप्ता

किया गया है। नक्सलियों के सफाए के लिए वैसे लोगों को चिह्नित करने की आवश्यकता है, जो नक्सलियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट पहुंचाते हैं। उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई का निर्देश दिया गया। इसके अलावा नक्सलियों से

जुड़े केस में विशेष अनुसंधान के लिए डेडिकेटेड यूनिट तैयार करने को कहा गया, ताकि बेहतर अनुसंधान सुनिश्चित किया जा सके। खास कर लोगों को नक्सल प्रभावित क्षेत्र में रह रहे लोगों से नक्सलियों को दुर करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाने पर बल दिया गया। इसके लिए नक्सिलयों के सफाए के लिए जिला स्तर पर तैयार योजना के बारे में भी रिपोर्ट मांगी गई है। वर्तमान में 66 उग्रवादी पुलिस की पकड़ से काफी दूर हैं। उनके

घोषणा भी की गई है। उन्होंने चाईबासा एसपी, डीआईजी समेत अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ नक्सिलयों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान, सरेंडर पॉलिसी आदि पर विशेष चर्चा कर उस पर काम करने का दिशा निर्देश जारी किया। बता दें कि डीजीपी अनुराग गुप्ता ने 6 दिसंबर को ही नक्सल व विधि व्यवस्था को लेकर समीक्षा की थी। इसके बाद ही उन्होंने नक्सलियों का सफाया करने के लिए अभियान छेड़ रखा है।

विरुद्ध सरकार द्वारा इनाम की

इसके लिए संबंधित पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए थे। अब वे खुद भी पुलिसिंग व्यवस्था में रेस हो गए हैं। विदित हो कि झारखंड सरकार का गठन होते ही अनुराग गुप्ता राज्य के नए डीजीपी बना



सिर्फ पश्चिमी सिंहभूम में बचे नक्सली : डीजीपी

चाईबासा स्थित पुलिस कार्यालय

के सभागार में डीजीपी अनुराग गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक हुई जिसमें पुलिस मुख्यालय, रांची के भी वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। इसमें डीजीपी ने कहा कि राज्य में 95 प्रतिशत नक्सल समस्या का समाधान हो चुका है, जो 5 प्रतिशत समस्या बर्ची है, वह भी पश्चिमी सिंहभूम में है। इसे समाप्त करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। हमारा प्रयास है कि जल्द से जल्द झारखंड को नक्सल मुक्त किया जाए।



गीता में कहा गया है कि शुक्ल पक्ष में मरने वाला वापस लौट कर नहीं आता?

चारों वोदों का सार उपनिषद है और उपनिषदों का सार गीता है। गीता ही प्रमुख धर्मग्रंथ है। गीता में कहा गया है कि शुक्ल पक्ष में मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति वापस नहीं लौटता और कृष्ण पक्ष में मृत्यु को प्राप्त व्यक्ति वापस लौट आता है अर्थात उसे फिर से जन्म लेना होता है। उल्लेखनीय है कि भीष्म ने अपना शरीर तब तक नहीं छोड़ा था जब तक की उत्तरायण का शुक्ल पक्ष नहीं आ गया था। लाखों लोग हैं जो शुक्ल पक्ष में मरते हैं और लाखों ऐसे लोग भी हैं जो कृष्ण पक्ष में मरते हैं तो क्या शुक्ल पक्ष में मरने वाले सभी लोगों को मोक्ष मिल जाता हैं? क्या वह वापस धरती पर नहीं लौटते हैं? दरअसल, गीता में यह बात उन लोगों के लिए कही गई है जो कि ध्यानी, योगी या अनन्य भक्त हैं। आम व्यक्ति को मरने के कुछ ही समय बाद दूसरा जन्म ले लेता है लेकिन जो पाप कर्मी है उसे दूसरा जन्म लेने में किंदनाई होती है। मतलब यह कि वह भूत, प्रेत या पिशाच योगी भोगने के बाद ही जन्म लेगा। यह भी हो सकता है कि वह मनुष्य योनी को छोड़कर निचले स्तर की योनी में चला जाएँ। मतलब यह कि उसका डिमोशन हो जाए। कृष्ण का शुक्ल और कृष्ण मार्ग का ज्ञान-

यंत्र काले त्वनावत्तिमावृत्ति चैव योगिनः। प्रयाता यान्ति तं कालं वक्ष्यामि भरतर्षभ।

भावार्थ : हे अर्जुन! जिस काल में (यहाँ काल शब्द से मार्ग समझना चाहिए, क्योंकि आगे के श्लोकों में भगवान ने इसका नाम 'सृति', 'गति' ऐसा कहा है।) शरीर त्याग कर गए हुए योगीजन तो वापस न लौटने वाली गति को और जिस काल में गए हुए वापस लौटने वाली गति को ही प्राप्त होते हैं, उस काल को अर्थात दोनों मार्गों को कहूँगा।

अग्निर्ज्योतिरहः शुक्लः षण्मासा उत्तरायणम्। तत्र प्रयाता गच्छन्ति ब्रह्म ब्रह्मविदो जनाः। भावार्थ : जिस मार्ग में ज्योतिर्मय अग्नि-अभिमानी देवता हैं, दिन का अभिमानी देवता है, शुक्ल पक्ष का अभिमानी देवता है और उत्तरायण के छ[ं] महीनों का

अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गए हुए ब्रह्मवेता योगीजन उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले जाएं जाकर ब्रहम को प्राप्त होते हैं। धूमो रात्रिस्तथा कृष्ण षण्मासा दक्षिणायनम।

तंत्र चान्द्रमसं ज्योतिर्योगी प्राप्य निवर्तते। भावार्थ : जिस मार्ग में धूमाभिमानी देवता है, रात्रि अभिमानी देवता है तथा कृष्ण पक्ष का अभिमानी देवता है और दक्षिणायन के छ महीनों का अभिमानी देवता है, उस मार्ग में मरकर गया हुआ सकाम कर्म करने वाला योगी उपयुक्त देवताओं द्वारा क्रम से ले गया हुआ चंद्रमा की ज्योत को प्राप्त होकर स्वर्ग में अपने शुभ कर्मों का फल भोगकर वापस आता है।

शुक्ल कृष्णे गती हयेते जगत: शाश्वते मते। एकया यात्यनावृत्ति मन्ययावर्तते पुनः। भावार्थ : क्योंकि जगत के ये दो प्रकार के- शुक्ल और

कृष्ण अर्थात देवयान और पितृयान मार्ग सनातन माने गए हैं । इनमें एक द्वारा गया हुआ (अर्थात इसी अध्याय के श्लोक 24 के अनुसार अर्विमार्ग से गया हुआ योगी।)- जिससे वापस नहीं लौटना पड़ता, उस परमगति को प्राप्त होता है और दूसरे के द्वारा गया हुआ (अर्थात इसी अध्याय के श्लोक 25 के अनुसार धुममार्ग से गया हुआ सकाम कर्मयोगी।) फिर वापस आता है अर्थात जन्म-मृत्यु को प्राप्त होता है।

क्या है कृष्ण और शुक्ल पक्ष?

हिन्दू माह में तीस दिन होते हैं। तीस दिनों को चंद्र के घट-बढ़ के अनुसार 15-15 तिथियों में बांटा गया है। चंद्र जब बढ़ने लगता है तो उस काल को शुक्ल पक्ष और जब घटने लगता है तो उस काल को कृष्ण पक्ष कहते हैं। शुक्ल पक्ष की अंतिम तिथि पूर्णिमा और कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि अमावस्या होती हैं। शुक्ल पक्ष को देवताओं का दिन और कृष्ण पक्ष को पितरों का दिन कहते हैं। इसी तरह उत्तरायण को देवताओं का काल और दक्षिणायन को पितरों का काल कहते हैं।

क्या लोक शाश्वत है? अथवा नहीं? अथवा दोनों? अथवा दोनों नहीं? क्या जगत नाशवान है ? अथवा नहीं ? अथवा दोनों ? अथवा दोनों नहीं ? तथागत देह त्याग के बाद भी विद्यमान रहते हैं? अथवा नहीं? अथवा

दोनों? अथवा दोनों नहीं? 11-14 क्या जीव और शरीर एक हैं? अथवा भिन्न?

अव्याकृत प्रश्न : बौद्ध धर्म में इन प्रश्नों को अव्याकृत कहा गया है। अव्याकृत का अर्थ है जो व्याकरण–सम्मत नहीं है।

कहते हैं कि लव-कुश की पीढ़ी में शाक्य, शाक्य से शुद्धोधन और शुद्धोधन से सिद्धार्थ का जन्म हुआ। यह सिद्धार्थ ही आगे चलकर गौतम बुद्ध ने नाम से प्रसिद्ध हुए। गौतम बुद्ध के दर्शन में अनिश्वरवाद, अनात्मवाद और क्षणिकवाद को महत्व दिया जाता है। उनका मानना था कि संबुद्ध होना ही सत्य है। इसके लिए ही उन्होंने आष्टांगिक मार्ग बताएं हैं।

गौतम बुद्ध से उनके जीवन में लाखों प्रश्न पूछे गए लेकिन उनमें से 14 प्रश्नों के उन्होंने जवाब नहीं दिए। जब भगवान बुद्ध से जीव, जगत आदि के विषय में चौदह दार्शनिक प्रश्न किए जाते थे तो वे सदा मौन रह जाते थे। ये प्रसिद्ध चौदह प्रश्न

क्यों उत्तर नहीं दिया

उक्त प्रश्न पर बुद्ध मौन रह गए। इसका तात्पर्य यह नहीं कि वे इनका उत्तर नहीं जानते थे। उनका मौन केवल यही सूचित करता है कि यह व्याकरण-सम्मत नहीं थे। इनसे जीवन का किसी भी प्रकार से भला नहीं होता। उक्त प्रश्नों के पक्ष या विपक्ष में दोनों के ही प्रमाण या तर्क जुटाए जा सकते हैं। इन्हें किसी भी तरह से सत्य या असत्य सिद्ध किया जा सकता है। यह पारमार्थिक दृष्टि से व्यर्थ है।



पूषन एक वैदिक देवता है। पूषन वह देवता हैं जो विवाह के संचालन में मदद करते, सुरक्षित यात्रा प्रदान क्रते और उन् दिलों में वास् करते हैं जो पशुओं को भोजन खिलाते हैं। वह हमारे कर्मों के अनुसार वे फल देते हैं। वह आत्माओं को दूसरे संसार की यात्रा करने के लिए पथप्रदर्शन करते हैं। वह लोगों की मृत्यू के समय के दौरान अपनी सुंदर उपस्थिति दिखाँकर उनके भय को दूर करते हैं। वह तीर्थ यात्रियों को चोरों और जानवरों से बचाते हैं और लोगों को दुश्मनों, दुर्घटनाओं और अप्राकृतिक मृत्यु से बचाकर लोगों को दिव्य पथ पर ले जाते हैं। वह देने वाले देवता भी हैं जो हमरे जीवन में धन, स्वास्थ और समृद्धि देते हैं। जब हम एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं, तो वह हमारे सामान की सुरक्षा भी करते हैं। वह हमारे दिमाग में बुरे विचारों को दूर करते हैं, काला जादू को दूर करते हैं और कई खतरनाक बीमारियों को ठीक

वह मुख्य रूप से सभी प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से लोगों को राहत देते हैं जो चक्रवात, बाढ, भारी बारिश और सुनामी के कारण होती हैं। वह शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए, हमारे लिए सभी कार्य करते हैं। वह हमेशा उन भक्तों की देखभाल करते हैं जो किसी भी रूप में ईश्वर की पूजा करते हैं और चाहें दूसरे धर्म के लोग भी हो, लेकिन वे लोगों से केवल यही अपेक्षा रखते हैं कि वे भगवान की सच्ची भक्ति करें। यदि हमारे अंदर ईश्वर के लिए शुद्ध भिवत है, तो वह हमारे पूर्व कर्मों के आधार पर हमरे जीवन में अच्छे काम करेंगे। वह हमारे बुरे कर्मों को कुछ हद तक कम करने और हमारे जीवन में अच्छे परिणाम देने की शक्ति भी रखते हैं लेकिन वह किसी व्यक्ति के पूरे

जानिए हिन्दू देवता पूषन देव को भाग्य को नहीं बदल सकते हैं। उनका उल्लेख ऋग्वेद और प्राचीन पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में भी मिलता है। वह यज्ञ में भाग भी लेते हैं। वह यज्ञ कर्ता और लोगों को आशीर्वाद देते हैं। वह विभिन्न बीमारियों जैसे खांसी, सर्दी, दमा, हृदय की समस्याओं और कई अन्य लंबे समय से चली आ रही बीमारियों से तेजी से राहत दिलाएंगे। वह लोगों को मानसिक विकार, मन में भ्रम, ऊर्जा की कमी, सुस्ती, आलस्य और मानसिक जाने जाते हैं। वह वैदिक देवताओं में भी एक है और अस्थिरता से भी छुटकारा दिलाते हैं। विभिन्न होम का

पृथ्वी पर लोगों की मदद करते हैं। वह भगवान इंद्र द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने कर्तव्यों को करते हैं और उसके लिए एक सहायक मित्र के रूप में भी कार्य करते हैं। वह अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वहन करने के लिए वायु, वरुण, सूर्य और चंद्र जैसे अन्य देवताओं के साथ भी परस्पर बातचीत करते हैं। वह कई ऋषियों द्वारा पूजे जाते हैं, और वे ऋषि उनसे आशीर्वाद लेते हैं। वह ऋषियों को उनकी तपस्या को सही तरीके से करने में मदद करते हैं और तपस्या करते समय उनके कारण हुई भूल को दूर करते हैं। सामान्य तौर पर, हम कह सकते हैं कि वह पूरी दुनिया के लिए मित्रवत हैं। आइए हम उनकी महिमा का गुणगान करें और धन्य हों।

श्रीकृष्ण का यह मंदिर मात्र 2 मिनट के लिए बंद होता है

केरल के कोट्टायम जिले में तिरुवेरपु या थिरुवरप्पु में भगवान श्रीकृष्ण का एक प्रसिद्ध और चमत्कारिक मंदिर है जिसे तिरुवरप्पु श्रीकृष्ण मंदिर कहते हैं। इस मंदिर के संबंध में कई तरह की किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। एक यह है कि जब भगवान श्रीकृष्ण ने कंस को मारा था तो उनको बहुत भूख लगने लगी थी। कहते हैं कि यहां की श्रीकृष्ण की मूर्ति को भूख बर्दाश्त नहीं होती है। 1,500 साल पुराने इस मंदिर की दूसरी खासियत यह है कि यह मंदिर 24 घंटे में से मात्र 2 मिनट के लिए ही बंद होता है और वह समय है- सूबह 1158 बजे से 1200 बजे तक। मंदिर 2 मिनट से ज्यादा बंद नहीं रख सकते। इसके लिए पुजारी को एक कुल्हाड़ी दी जाती है, क्योंकि मंदिर खोलते वक्त यदि देर हो तो वह कुल्हाड़ी से ताला तोड़ दे। दरवाजा खोलने के लिए चाबी दी जाती है, लेकिन यदि चाबी कहीं फंस जाए तो तुरंत

आयोजन करते समय उनका नाम कई बार दोहराया

जाता है। उन्हें इंद्र, वरुण, अग्नि, वायु, सूर्य और चंद्र

जैसे वैदिक देवताओं के समकक्ष माना जाता है। उसके

जाएंगे। हम उसके नाम का बार-बार जाप कर सकते

हैं, ताकि वह जीवन के हर पड़ाव में हमारे साथ हों।

पुराणों में पूषन को 12 आदित्यों में से एक के रूप में

वर्णित किया गया है और वे अदिति एवं कश्यप के पुत्र

हैं। उनके भाई सूर्य, वरुण और इंद्र हैं। वह हमारे

लिए एक अंगरक्षक के रूप में कार्य करते हैं और

करते हैं। यद्यपि वह अन्य देवताओं के समान नहीं

हमारे दैनिक जीवन में हमारी सभी इच्छाओं को परा

पास अलौकिक शक्तियां हैं और आपकी पुकार

सुनकर किसी भी क्षण किसी भी स्थान पर पहुंच

कुल्हाड़ी का उपयोग करें। इसके पीछे मान्यता है कि यहां भगवान कृष्ण हमेशा भूखे रहते हैं और वे जरा भी देर के लिए भूख बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं। इसीलिए यदि चाबी के साथ दरवाजा खोलने में कोई देरी होती है, तो पुजारी को कुल्हाड़ी से दरवाजा खोलने की अनुमित दी जाती है। यहां कम से कम 10 बार नैवेद्यम चढ़ाया जाता है। अभिषेकम समाप्त होने के बाद स्वामी (श्रीकृष्ण) का सिर पहले सूख जाता है। तब नैवेद्यम चढ़ायाँ जाता है और फिर केवल उसका शरीर सूख जाता है। कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण के सोने का समय 1158 बजे से दोपहर 1200 बजे तक ही है। केवल 2 मिनट! भक्तों के लिए यह मंदिर सुबह के लगभग 2 बजे

यह मंदिर ग्रहण के समय भी बंद नहीं होता है। शंकराचार्य के समय एक बार इस मंदिर को ग्रहण के समय बंद कर दिया गया था। बाद में जब दरवाजा

खोला गया तो उन्होंने पाया कि स्वामी की कमर की पट्टी नीचे खिसक गई है। उस समय आए आदिशंकराचार्य ने बताया कि ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण बहुत भूखे थे, तब सं यह मंदिर ग्रहण काल के दौरान भी बंद नहीं किया जाता है। कहते हैं कि जो भी यहां का थोड़ा भी प्रसाद

ग्रहण कर लेते हैं, उसे ऐसा लगता है कि पेट भर गया। यहां से प्रसादम का सेवन किए बिना किसी भी भक्त को जाने की अनुमति नहीं है। हर दिन 1157 बजे (मंदिर को बंद करने से पहले) पुजारी जोर से पुकारता है कि क्या कोई भी यहां है जिसने प्रसाद

ऐसा भी कहा जाता है कि जो भी व्यक्ति एक बार

यहां का प्रसाद ग्रहण कर लेता है, वह फिर जीवन में कभी भी भूखे नहीं रहता है। मतलब यह कि उसके जीवन में भोजन प्राप्त करने में कोई समस्या नहीं होती है। यहां अप्रैल के महीने में 10 दिनों तक वार्षिक उत्सव मनाया जाता है। त्योहार का मुख्य आकर्षण यह है कि यहां युवा कुंआरी लडकियां समारोहों के दौरान दीप जलाती हैं। इस मंदिर के बारे में एक कथा यह भी प्रचलित है कि महाभारत काल में जब पांडव जंगल में रहते थे तो श्रीकृष्ण ने उन्हें 4 हाथ वाली अपनी प्रतिमा दी थी। जब पांडव जंगल से जाने लगे तो चेरथलाई लोगों ने यह मूर्ति उनसे ले ली। कुछ काल तक वे इसकी पूजा करते रहे लेकिन बाद में उन्होंने कुछ कारणों से इसे समुद्र में फेंक दिया। लंबे समय के बाद यह मूर्ति केरल के एक महान ऋषि को मिली, जब वे नाव से यात्रा कर रहे थे। कहते हैं कि जब उनकी नाव डूब रही थी, तब इस मूर्ति को लेकर कोई दिव्य पुरुष प्रकट हुआ और उसने यह मूर्तिं उन्हें दी थी। इस मूर्तिं को लॉकर उन ऋषि ने उसे यहां स्थापित कर दिया। इस संबंध में और भी कहानियां प्रचलित हैं



मार्गशीर्ष माह में पूजें शंख को जानिए पूजन सामग्री की सूची विधि एवं मंत्र

धर्म शास्त्रों के अनुसार सुख-सौभाग्य में वृद्धि के लिए शंख को अपने घर में स्थापित करना चाहिए। माना जाता है कि अगहन (मार्गशीर्ष) के महीने में शंख पूजन का विशेष महत्व है। अगहन के महीने में किसी भी शंख को भगवान श्रीकृष्ण का पंचजन्य शंख मान कर उसका पूजन-अर्चन करने से मनुष्य की समस्त इच्छाएं पूरी होती हैं। विष्णु पुराण के अनुसार



समुद्र मंथन के दौरान प्राप्त हुए 14 रत्नों में से ये एक रत्न है शंख। प्रतिदिन घर में शंख पूजन करने से जीवन में कभी भी रुपए-पैसे, धन की कमी महसूस नहीं होती। इसके अलावा दक्षिणावर्ती शंख को लक्ष्मी स्वरूप कहा जाता है। इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूरी नहीं मानी जाती है। अगहन मास में खास तौर पर लक्ष्मी पूजन करते समय दक्षिणावर्ती शंख की पूजा अवश्य करनी चाहिए।

शंख पूजन सामग्री की सूची

*शंख *कुंमकुंम *चावल *जल का पात्र *कच्चा दूध *एक स्वच्छ कपड़ा *एक तांबा या चांदी का पात्र (शंख रखने के लिए) *सफेद पुष्प *इत्र *कपूर *केसर *अगरबत्ती *दीया लगाने के लिए शुद्ध घी *भोग के लिए नैवेद्य *चांदी का वर्क आदि।

कैसे करें पूजन

- प्रातः काल में स्नान कर स्वच्छ धुले हुए वस्त्र धारण करें।
- पटिए पर एक पात्र में शंख रखें।
- अब उसे कच्चे दूध और जल से स्नान कराएं।
- अब स्वच्छ कपड़े से उसे पोंछें और उस पर चांदी का वर्क लगाएं।
- तत्पश्चात घी का दीया और अगरबत्ती जला लीजिए।
- अब शंख पर दूध-केसर के मिश्रित घोल से श्री एकाक्षरी मंत्र लिखें तथा उसे चांदी अथवा तांबा के पात्र में स्थापित कर दें।
- अब उपरोक्त शंख पूजन के मंत्र का जप करते हुए कुंमकुंम, चावल तथा इत्र
- अर्पित करके सफेद पुष्प चढ़ाएं। नैवेद्य का भोग लगाकर पूजन संपन्न करें।

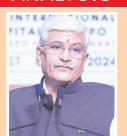
शशांकायुतदीप्ताभ पाञ्चजन्य नमोस्तुते।

अगहन मास में निम्न मंत्र से शंख पूजा करनी चाहिए – त्वं पुरा सागरोत्पन्न विष्णुना विधृतः करे। निर्मितः सर्वदेवैश्च पाञ्चजन्य नमोस्तु ते। तव नादेन जीमूता वित्रसन्ति सुरासुराः।

ब्याज दरों में अब कमी होनी ही चाहिए

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने अपने वर्तमान कार्यकाल का अंतिम मुद्रा नीति वक्तव्य (मॉनिटरी पॉलिसी स्टेट्मेंट) दिनांक 06 दिसंबर 2024 को प्रातः 10 बजे जारी किया है। इस मुद्रा नीति वक्तव्य में रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं करते हुए इसे पिछले 22 माह से (अर्थात 11 मुद्रा नीति वक्तव्यों से) 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा गया है। यह संभवतः भारतीय रिजर्व बैंक के इतिहास में सबसे अधिक समय तक स्थिर रहने वाली रेपो दर है। इस बढ़ी हुई रेपो दर का भारत के आर्थिक विकास पर अब विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है, क्योंकि वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर घटकर 5.4 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रत्येक दो माह के अंतराल पर मुद्रा नीति वक्तव्य जारी किया जाता है, परंतु पिछले 11 मुद्रा नीति वक्तव्यों में रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है। जबकि, उपभोक्ता मुल्य सूचकांक आधारित मुद्रा स्फीति की दर कुछ समय तक तो लगातार 6 प्रतिशत के सहनीय स्तर से नीचे बनी रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान उपभोक्ता मुल्य सुचकांक आधारित औसत मुद्रा स्फीति के अनुमान को 4.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 4.8 प्रतिशत कर दिया है। इसका आश्य यह है कि उपभोक्ता मृल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर संभवतः वित्तीय वर्ष 2024-25 की तृतीय तिमाही में भी अधिक बनी रह सकती है। इसके पीछे खाद्य पदार्थों (विशेष रूप से फल एवं सब्जियों) की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि, एक मुख्य कारण जिम्मेदार हो सकता है। परंत, क्या ब्याज दरों में विद्ध कर खाद्य पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित किया जा सकता है। उपभोक्ता मुल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर को आंकने में खाद्य पदार्थों का भार लगभग 40 प्रतिशत है। यदि उपभोक्ता मल्य सचकांक आधारित मद्रा स्फीति में से खाद्य पदार्थों के भार को अलग कर दिया जाय तो यह आंकलन बनता है कि कोर पदार्थों की मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में बनी हुई है। खाद्य पदार्थों की कीमतों को बाजार में फलों एवं सब्जियों की आपूर्ति बढ़ाकर ही नियंत्रित किया जा सकता है, न कि ब्याज दरों में वृद्धि कर। इस वर्ष मानसून का पूरे देश में विस्तार ठीक तरह से नहीं रहा है, कुछ क्षेत्रों में बारिश की मात्रा अत्यधिक रही है एवं कुछ क्षेत्रों बारिश की मात्रा बहुत कम रही है, जिसका प्रभाव खाद्य पदार्थों की उत्पादकता पर भी विपरीत रूप से पड़ा है, जिससे अंततः खाद्य पदार्थों की कीमतों में उच्छाल देखा गया है। बाद के समय में अच्छे मानसून के पश्चात भारत में आने वाली रबी मौसम की फसल बहुत अच्छी मात्रा में आने की सम्भावना है, क्योंकि न केवल फसल के कुल रकबे में वृद्धि दर्ज हुई है, बल्कि पानी की पर्याप्त उपलब्धता के चलते फसल की उत्पादकता में भी वृद्धि होने की पर्याप्त सम्भावना है। इन कारकों के चलते आगे आने वाले समय में खाद्य पदार्थों की एवं उपभोक्ता मुल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर निश्चित ही नियंत्रण के रहने की सम्भावना है। इससे निश्चित ही रेपो दर को कम करने की स्थिति निर्मित होती हुई दिखाई दे रही है। साथ ही अमेरिका सहित यूरोप के विभिन्न देशों में भी ब्याज दरों को लगातार कम करने का चक्र प्रारंभ हो चुका है, जिसका प्रभाव विश्व के अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़े बिना नहीं रहेगा। दूसरी ओर भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। क्योंकि, यह वृद्धि दर द्वितीय तिमाही में घटकर 5.4 प्रतिशत की रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के कम रहने के कई विशेष कारण रहे हैं। देश में लोकसभा चनाव के चलते केंद्र सरकार को अपने पूंजीगत खर्चों एवं सामान्य खर्चों में भारी कमी करना पड़ी थी। इसके बाद विभिन्न राज्यों में विधानसभा चुनावों के चलते इन राज्यों द्वारा किए जाने वाले सामान्य खर्चों में अतुलनीय कमी की गई थी। इससे अंततः नागरिकों के हाथों में खर्च करने लायक राशि में भारी कमी हो गई। दूसरे इस वर्ष भारत में मानसून भी अनियंत्रित सा रहा है, जिससे किष क्षेत्र में उत्पादन प्रभावित हुआ एवं ग्रामीण इलाकों में नागरिकों की आय में कमी हो गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न देशों में अस्थिरता बनी रही, जिसके कारण भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात प्रभावित हुए। इस अवधि में विनिर्माण के क्षेत्र एवं माइनिंग के क्षेत्र में उत्पादन भी तलनात्मक रूप से कम रहा। उक्त कारकों के चलते भारत में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर बहुत कम रही है। इस द्वितीय तिमाही में विभिन्न कंपनियों के वित्तीय परिणाम भी बहुत उत्साहजनक नहीं रहे हैं। इनकी लाभप्रदता में आशानुरूप वृद्धि दर्ज नहीं हुई है। कंपनियों के वित्तीय परिणाम उत्साहजनक नहीं रहने के चलते विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से सितंबर, अक्टूबर एवं नवंबर माह में 1.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि निकाली है। इससे भारतीय शेयर बाजार के निफ्टी सचकांक में 3000 से अधिक अंकों की गिरावट दर्ज हुई है, निफ्टी सूचकांक अपने उच्चतम स्तर 26,400 से गिरकर 23,200 अंकों तक नीचे आ गया था। हालांकि अब यह पुनः बढ़कर 24,700 अंकों पर आ गया है और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक बार पुनः भारतीय शेयर बाजार पर अपना भरोसा

भारतीय संविधान में कलात्मकता



🗷 गजेंद्र सिंह शेखावत संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हडप्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है। यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वगीर्कृत किया गया है-मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकतिक विशेषताए। संविधान की शुरूआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव-भाव सही हों और आयु के हिसाब से उनमें बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइनर दीनानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव-भाव, शारीरिक भाषा और तौर–तरीक का अध्ययन करने के लिए महीनों तक कोलकाता चिड़ियाघर गए। प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया।

और ऐतिहासिक विरासत का जीता-जागता अनुभव है। इसके इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। इससे भी अधिक कठिन है पांच हजार से अधिक वर्षों की सभ्यता के इतिहास को दस्तावेज के रूप में व्यक्त करना, जो देश की स्वतंत्रता के समय एक नए स्वतंत्र हए राष्ट के भाग्य का मार्गदर्शन करने वाला हो। लेकिन, आचार्य नंदलाल बोस केवल कलाकार नहीं थे और भारत के संविधान पर चित्रण उनके लिए केवल एक और कार्य नहीं था। संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हड़प्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है। यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वगीर्कृत किया गया मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकृतिक विशेषताए। संविधान की शरूआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव-भाव सही हों और आयु के हिसाब से उनमें बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइनर दीनानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव-भाव, शारीरिक भाषा और तौर-तरीकों

प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया। इस पृष्ठ पर निचले दाएं कोने में देवनागरी में सिन्हा का संक्षिप्त हस्ताक्षर राम है। संविधान की प्रस्तावना एक हाथ से लिखा हुआ लेख है, जो आयताकार बॉर्डर से घिरा हुआ है। बॉर्डर के चार कोनों में चार पशओं को दशार्या गया है। दर्शाए गए चार जानवर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के आधार से लिए गए हैं। बॉर्डर की कलाकृति में कमल की आकृति प्रमुखता से दिखाई देती है। कमल की आकृति बॉर्डर कलाकृति में प्रमुखता से दिखाई देती है। संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग-अलग पष्ठों पर अलग-अलग बॉर्डर डिजाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र पर और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं, जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दशार्ता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं, जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग 19 में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है, जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गांवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे

चार दशकों से अधिक समय तक ईकोसिस्टम निर्मित किया और नंदलाल बोस जैसे महान अंत में एक अनठी भारतीय शैली कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें स्नेह से 'पेरुमल दा' और कला निर्मित की। इस पर कहा जाता था। संविधान का भाग काम करने वाले कई कलाकारों श्क जो प्रथम अनुसूची के भाग ने अपने करियर में महान अ में राज्यों से संबंधित है, वह ऊंचाइयों को हासिल किया, ध्यान में बैठे भगवान महावीर की लेकिन इस परियोजना के समय समृद्ध रंगीन चित्र से शुरू होता है, शांतिनिकेतन के छात्र और जिसमें वे अपनी आंखें बंद कर-सहयोगी ही थे, जो अपने श्रद्धेय के और हथेलियां एक दूसरे पर मास्टर मोशाय नंदलाल बोस के टिकाकर बैठे हुए हैं। भगवान सपने को जीवंत करने के लिए महावीर के दोनों ओर एक-एक प्रयत्नशील थे। संविधान में चित्रों पेड़ हैं और फ्रेम में एक मोर भी की प्रेरणा भारत के विशाल दिखाई दे रहा है, जो प्रकृति में इतिहास, भौतिक परिदृश्य, सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को पौराणिक चित्र और स्वतंत्रता दशार्ता है। यह मूल संविधान के संग्राम में निहित है। भारत के कुछ रंगीन चित्रों में से एक है। संविधान का भाग 13 भारतीय रंगीन चित्रों में जमुना सेन और क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और नंदलाल बोस के हस्ताक्षर हैं। इस उनके परस्पर संबंधों से संबंधित है। इस पृष्ठ पर दिया गया चित्रण पृष्ठ पर बॉर्डर डिजाइन में राजनीति नामक कलाकार के महाबिलापुरम में स्मारकों के हस्ताक्षर भी हैं। भारतीय संविधान समृह का हिस्सा है, जो यूनेस्को का भाग 15 चुनावों पर केंद्रित है। द्वारा अंकित विश्व धरोहर स्थल इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों में है। गंगा का अवतरण एक बड़ी, खली हवा में बनी चट्टान की भारत के दो वीर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज और गरु गोविंद नक्काशी वाली मूर्ति है, जो स्वर्ग सिंह को दिखाया गया है। इस पृष्ठ से धरती पर गंगा नदी के उतरने पर दिए गए चित्र धीरेंद्र कष्ण देब के कथा को पत्थर में दशार्ती है। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्र बर्मन द्वारा बनाए गए हैं, जो त्रिपुरा राजघराने के सदस्य थे पर दिखाई देते हैं और जमुना सेन और रवींद्रनाथ टैगोर और का नाम बॉर्डर के बाएं निचले कोने पर दिखाई देता है। भाग 3 नंदलाल बोस के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे। बॉर्डर डिजाइन जो मौलिक अधिकारों से संबंधित पर कृपाल सिंह शेखावत के है, उसमें रामायण का एक दृश्य हस्ताक्षर हैं, जो भारत के एक दिखाया गया है। इस पृष्ठ के बॉर्डर प्रसिद्ध कलाकार और मिट्टी के पर जमुना सेन के हस्ताक्षर हैं। बर्तन बनाने वाले थे, जिन्हें भाग 4 जो राज्य नीति के निर्देशक जयपर की प्रतिष्ठित ब्ल पॉटरी की सिद्धांतों से संबंधित है, उसमें कला को पुनर्जीवित करने के महाभारत का एक दृश्य दिखाया लिए जाना जाता है। शांतिनिकेतन गया है। बानी पटेल और नंदलाल बोस के नाम दायीं ओर नीचे दिए में ललित कला संस्थान कला भवन ने भारत और दुनिया के गए चित्रण पर दिखाई देते हैं और सभी कोनों से छात्रों और विनायक शिवराम मसोजी का कलाकारों को आकर्षित किया। नाम बॉर्डर के बाएं कोने पर इस प्रकार विभिन्न प्रभावों को दिखाई देता है। संविधान का भाग 7 पहली अनुसूची के भाग बी में

शामिल राज्यों से संबंधित है। इस खंड की शुरूआत में दिए गए चित्रण में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रसार को दशार्या गया है। उन्हें हाथी पर सवार दिखाया गया है, जो सभी तरह की साज-सज्जा से सुसज्जित है और बौद्ध भिक्षुओं से घिरा हुआ है। यह चित्रण अजंता की शैली में है, जिसमें भिक्षओं को शरीर के ऊपरी हिस्से को बिना वस्त्रों और आभषणों के साथ दिखाया गया है। यह चित्रण नंदलाल बोस द्वारा किया गया था, जिनका काम अजंता भित्तिचित्रों में पाई जाने वाली कलात्मक परंपराओं से बहुत प्रभावित था। चित्रण के निचले बाएं भाग पर ए. पेरुमल का नाम भी दिखाई देता है। बॉर्डर डिजाइन में ब्योहर राममनोहर सिन्हा के हस्ताक्षर हैं, जिन्होंने प्रस्तावना और कई अन्य पृष्ठों को भी डिजाइन किया था। यहां उन्होंने हिंदी में राममनोहर के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। यह संविधान के उन कुछ पन्नों में से एक है, जिस पर नंदलाल बोस और उनके सबसे वरिष्ठ छात्र ब्योहर राममनोहर सिन्हा दोनों के नाम हैं। भारत का संविधान इस मायने में अनुठा है कि यह मूल रूप से एक हस्तलिखित दस्तावेज था। इसे अंग्रेजी में प्रेम बिहारी रायजादा और हिंदी में वसंत के. वैद्य ने सुलेखित किया था। रायजादा ने प्रवाहपर्ण इटैलिक शैली का इस्तेमाल किया और सुलेख की कला अपने दादा से सीखी। संविधान हॉल (जिसे अब कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के नाम से जाना जाता है) के एक कमरे में काम करते हुए उन्होंने छह महीने के दौरान दस्तावेज तैयार किया।

(लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं

अब धीरे-धीरे कम हो रहा बुढ़ापे का डर

मतौर पर बुढ़ापा को अशक्तता, रोग, व्याधि और दुर्बलता आदि के कारण जीवन का सबसे भयावह दौर माना जाता है। परिवार की संरचना में बदलाव और भागदौड़ भरी जिंदगी में बुढ़ापे की मुश्किलें और बढ़ जाती हैं, परंतु जीवन शैली में सुधार, दृष्टिकोण में सकारात्मकता, सावधानी बरतने और सहयोग लेने से इस दुखदायी अवधि को बहुत हद तक एक भाग्यशाली उम्र के रूप में बदला जा सकता है। जीवन के नियम आपके अपने हाथ में हैं, इसलिए अच्छी तरह जिएं और सब कुछ शांति से स्वीकार करें। यह भी उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य सुविधाओं और खानपान में जरूरी पोषक तत्वों पर ध्यान देने के साथ जीवन की प्रत्याशा (लाइफ एक्सपेक्टेंसी) निश्चित रूप से बढ़ी है। बुढ़ापे के डर और उसे दूर रखने के उपाय की ओर अब लोग बहुत ध्यान देने लगे हैं। कछ दिन पहले जापान के एक मनोचिकित्सक हिडेकी

से लेकर मुंबई के

मलाबार हिल तक फैले महाराष्ट्र

के सियासी फलक पर फिलहाल

एक ही नाम गुंज रहा है- देवेंद्र

गंगाधरराव फडणवीस। तीसरी

बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने

वाले फडणवीस ने 2019 में

विरोधियों को चेताया था, मैं

समुंदर हूं, मेरे किनारों पे घर मत

बनाना। उस वक्त उनकी खूब

हंसी उड़ाई गई थी। लेकिन,

2024 के विधानसभा चुनाव में

दो तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में

लौटे फडणवीस ने इसे सच कर

दिखाया। उनकी शानदार सफलता

ने सबको चौंका दिया। महाराष्ट्र

की सियासत का अपना अलग रंग

है। राज्य की स्थापना से लेकर

अधिकांश समय तक यहां कांग्रेस

और एनसीपी ही सत्ता में रही है।

फुले, शाहूजी और अंबेडकर का

नाम लेकर राजनीति करने वाले

इस राज्य में शरद पवार और

बालासाहब ठाकरे राजनीति के

दो प्रमुख केंद्र माने जाते रहे हैं।

बालासाहब के बाद राज्य में

वाडा ने 80-ईयर-ओल्ड वॉल नामक की एक रोचक पुस्तक प्रकाशित की जो बड़ी लोकप्रिय हुई है और पाठकों के बीच तहलका मचा दिया है। अपने तीन दशकों से कुछ ज्यादा लंबे चिकित्सकीय जीवन में उन्होंने कई हजार रोगियों का सफल उपचार किया। यह पुस्तक अच्छे स्वास्थ्य के साथ शतायु होने के गुर बताई है। गौरतलब है कि जापान में औसत स्वस्थ जीवन प्रत्याशा परुषों के लिए 72.68 वर्ष और महिलाओं के लिए 75.38 वर्ष आंकी गई है। औसत जीवन प्रत्याशा की बात करें तो यह जापानी पुरुष के लिए 81.64 वर्ष और महिलाओं के लिए 87.74 वर्ष है। यदि औसत जीवन प्रत्याशा में से औसत स्वस्थ जीवन प्रत्याशा का मुल्य घटा दें तो पुरुषों के पास लगभग 9 वर्ष और महिलाओं के पास लगभग 12 वर्ष का समय बचता है। यही वह खास अवधि है, जब एक बुजुर्ग को दूसरों द्वारा देखभाल की ज्यादा जरूरत होती

है। इस अवधि को कैसे कम किया जाए, इस प्रश्न का हल ढंढते हए डॉ. वाडा ने कछ मार्गदर्शक नियम और अभ्यास खोजे हैं। उनके सुझाव ऐसे हैं, बुढ़ापे को संतोषजनक और तृप्तिदायी अवधि में रूपांतरित किया जा सकता है। डॉ. वाडा कहते हैं कि बजर्गों को बार-बार नींद की गोलियां नहीं लेनी चाहिए, क्योंकि बढ़ती उम्र के साथ नींद में कमी आना स्वाभाविक घटना है। जब सोना हो तब सो जाओ, जब उठना हो तब उठो, यह बुजुर्गों का विशेषाधिकार है। ऐसे ही कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कोई ज्यादा चिंता की बात नहीं है. क्योंकि कोलेस्ट्रॉल शरीर के लिए प्रतिरक्षा कोशिकाओं के लिए जरूरी कच्चा माल होता है। जितनी अधिक मात्रा में ये कोशिकाएं मौजूद होंगी, कैंसर का खतरा उतना ही कम होगा। इसके अलावा परुष हार्मीन का एक हिस्सा कोलेस्ट्रॉल से बना होता है। यदि कोलेस्ट्रॉल का स्तर बहुत

शांतिनिकेतन के कला भवन में

कम है, तो पुरुषों का शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य डावांडोल बना रहेगा। यही बात रक्तचाप के बारे में भी है। जब रक्तचाप लगभग 150 तक पहुंच जाता है, तो रक्त वाहिकाएं फट जाती हैं, जो खतरनाक है। यह कुपोषित लोगों में होता है। लेकिन, अब कुपोषण बहुत कम हो गया है, इसलिए भले ही रक्तचाप 200 से अधिक हो, इससे रक्त वाहिकाएं फटने की गुंजाइश काम हो गई है। डॉ. वाडा ने अपने अनभव और अनुसंधान से 80 वर्षीय लोगों के भाग्यशाली लोग बनने के अनेक रहस्यों को उजागर किया है। उनका पहला सुझाव हर स्तर पर सक्रियता बनाए रखने को लेकर है। बुजुर्गों को खूब चलना चाहिए, धूप सेंकनी चाहिए और ऐसे व्यायाम करने चाहिए, जिनसे शरीर न अकड़े। उनको मनपसंद काम करना चाहिए। चाहे कछ भी हो, उनको हर समय घर पर पड़े नहीं रहना चाहिए। उन्हें कई बार थोडा-थोडा आहार लेते रहना चाहिए। आप जितनी बार

उतना ही ऊजार्वान रहेगा। आराम-आराम से आसानी से सांस लेनी चाहिए। जब किसी कारणवश चिढ़ लगे तो गहरी सांस लेना चाहिए। गर्मियों में एयर कंडीशनर का उपयोग करते हुए ज्यादा से ज्यादा पानी पीना चाहिए। बुढ़ापे में लोगों में भूलने की समस्या पैदा होती है। यह समझना जरूरी है कि उम्र बढ़ने के कारण ऐसा नहीं होता, बल्कि मस्तिष्क को लंबे समय तक उपयोग में न लाने से ऐसा होता है। बुजुर्गों को अधिक दवाएं भी नहीं लेनी चाहिए। रक्तचाप और रक्त शर्करा स्तर को जानबूझकर कम करने की जरूरत नहीं है। वे जो चाहें खाएं, थोड़ा स्थूलकाय होना ठीक है। अगर नींद नहीं आ रही है तो उसके लिए खुद को मजबूर न करें। बीमारी से अंत तक लड़ने के बजाय उसके साथ सहअस्तित्व में रहना बेहतर युक्ति है। ख़ुश करने वाली चीजें करते रहना मस्तिष्क की गतिविधि को सुचारू बनाए रखने के लिए

ज्यादा ठीक साबित हुआ है। सीखना बंद करते हुए आदमी बुढ़ा होने लगता है। कार्य की आदतों को लेकर डॉ. वाडा का सुझाव है कि हर काम सावधानी से करना चाहिए। ऐसे लोगों से दुर ही रहना चाहिए, जिनसे उनको नफरत हो। बहत ज्यादा या हर समय टीवी न देखें। खानपान में ताजा फल और सलाद का अधिक उपयोग लाभकर होता है। परोपकार का जीवन दर्शन सबसे अच्छा है। इसलिए ऐसे काम करें जो दूसरों के लिए अच्छे हों। डॉ. वाडा की मानें तो प्रसिद्धि पाना ठीक है, पर उसके लिए लालची नहीं होना चाहिए। आदमी के पास जो कुछ भी है, वह बहुत अच्छा है और उसका आनंद उठाना चाहिए। जो परेशान करने वाली चीजें होती हैं, वे उतनी ही दिलचस्प होती हैं और अवसर देती हैं। चूंकि इच्छा दीघार्यु का स्रोत है, इसलिए हमें आशावादी बने रहना चाहिए। बुढ़ापा तब भाग्यशाली उम्र बन जाता है। इसे अच्छी तरह जीने की जरूरत है।

Social Media Corner

जताते हुए अपने निवेश में वृद्धि करना शुरू कर दिया है।

सच के हक में.

भारत के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात! परमपावन पोप फ्रांसिस द्वारा महामहिम जॉर्ज जैकब कूवाकाड को पवित्र रोमन कैथोलिक चर्च का कार्डिनल बनाए जाने पर प्रसन्नता हुई। महामहिम जॉर्ज कार्डिनल कूवाकांड ने प्रभु यीशु मसीह के प्रबल अनुयायी के रूप में अपना जीवन मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया है। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।



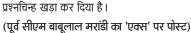
(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

मोदी सरकार ने संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली बनाई है, इसे पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमा पर लागू किया जाएगा। मोदी सरकार देश की सीमाओं की सुरक्षा को और भी सशक्त बनाने के लिए जल्द ही सीमाओं पर ड्रोन निरोधी यूनिट स्थापित करेगी।



(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

प्रदेश की माताएं-बहनें मंईयां सम्मान योजना में हो रही लापरवाहियों से सशंकित हैं। चार महीनों से लंबित किश्त का भुगतान न होने से इन महिलाओं का धैर्य अब जवाब देने लगा है। फॉर्म भरने और जानकारी प्राप्त करने के लिए अंचल कार्यालयों में जाने वाली महिलाओं को अव्यवस्था और लचर प्रणाली का शिकार होना पड रहा है। इस लचर रवैये ने सरकार की मंशा पर गंभीर





ढ़िचरौली के घने जंगलों उनकी जैसी राजनीतिक हैसियत रखने वाला दुसरा नेता नहीं उभरा। वहीं, जोड़-तोड़, शह-मात की सियासत करने वाले शरद पवार को चुनौती देने वाला कोई नहीं था। महाराष्ट्र की राजनीति में अब तक वही होता रहा, जो पवार चाहते थे। लेकिन, पहली बार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के युवा स्वयंसेवक ने पवार को ललकारा, इतना ही नहीं, पवार के सारे समीकरण ध्वस्त कर अपना परचम बुलंद किया। नतीजतन, कभी राज्य की सियासत को अपनी जेब में रखने वाले शरद पवार की पार्टी को महज 10 विधायकों से संतोष करना पड़ा। राजनीतिक यात्रा में 2024 लोकसभा चुनाव को छोड़ दें तो फडणवीस का करियर ग्राफ लगातार ऊपर ही बढ़ रहा है। सिर्फ 22 साल की उम्र में नागपुर में पार्षद बनने से जो सफर शुरू हुआ था, अब वो महाराष्ट्र के तीसरी बार सीएम बनने तक पहुंच गया है। अपनी शर्ती पर

राजनीति करने वाले फडणवीस

महाराष्ट्र के दूसरे ऐसे सीएम हैं, जिन्होंने 5 साल का अपना कार्यकाल पूरा किया। उनसे पहले वसंतराव नाइक ने 1967-72 के बीच अपना मुख्यमंत्री का कार्यकाल पूरा किया था। इस रिकॉर्ड की बराबरी फडणवीस 2014-19 के बीच कर चुके हैं। और अब तो कई नए रिकॉर्ड बनाने की बारी है। फडणवीस की राजनीतिक यात्रा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से शुरू हुई। वह 1990 के दशक में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में शामिल हुए। 1992 में नागपुर के रामनगर वार्ड से पहला नगर निगम चुनाव जीते और 22 वर्ष की उम्र में सबसे युवा पार्षद बने। उसके बाद 1997 में फडणवीस नागपुर के सबसे युवा मेयर बने और भारत के दूसरे सबसे युवा मेयर बने। इसके बाद 1999 से 2024 तक लगातार 6 बार महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य चुने गए हैं। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा को 105 सीटें

मिली थीं, लेकिन ऐन वक्त पर शिवसेना ने एनसीपी और कांग्रेस से हाथ मिलाया। नतीजतन फडणवीस को नेता प्रतिपक्ष बनना पड़ा। इस दौरान उन्होंने अपनी नई सियासी भूमिका बखूबी निभाई। कोरोना महामारी के समय राज्य में हो रही धांधलियों पर फडणवीस ने कड़ा प्रहार किया। इसी दौरान फडणवीस के चलते राज्य के तत्कालीन गृहमंत्री अनिल देशमुख को जेल जाना पड़ा था। बदले पर उतारू महाविकास अघाडी (एमवीए) के नेताओं ने फडणवीस पर बड़े, गहरे और निजी प्रहार किए। फडणवीस के व्यक्तित्व से लेकर उनके पारिवारिक सदस्यों तक की कड़ी आलोचना हुई। इसके बावजूद फडणवीस शांत रहे, अपना काम करते रहे। समय-समय पर अपमान का घूंट पीकर फडणवीस ने 2022 में शिवसेना को पहला झटका दिया, जब एकनाथ शिंदे की अगुवाई में शिवसेना का बड़ा कुनबा भाजपा से जा मिला।

राह पर अडिग

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने अपनी ताजा द्विमासिक समीक्षा में लगातार ग्यारहवीं बार 6.50 फीसदी की मानक (बेंचमार्क) ब्याज दर के मसले पर यथास्थित बनाए रखने का फैसला लिया है। जैसा कि समिति के अध्यक्ष आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने जोर दिया, उभरती और विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए अवस्फीति का अंतिम पड़ाव लंबा और कठिन होता जा रहा है। भारत की खुदरा मुद्रास्फीति, औसत चार फीसदी के लक्ष्य से नीचे रहने के बाद पांच साल में पहली बार दो महीनों के लिए सितंबर और अक्टूबर में बढ़ गई और खाद्य पदार्थों की कीमतों ने इस महंगाई के दर्द को बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाई। अक्टूबर की अपनी बैठक में छह सदस्यीय एमपीसी ने मुद्रास्फीति विकास संतुलन को सुस्थिर बताते हुए ब्याज दरों को बरकरार रखने के लिए 5:1 से मतदान किया था। लेकिन, वह संतुलन टूट गया है और बीच की अवधि में आर्थिक स्थिति नाटकीय रूप से बदल गई है। मुद्रास्फीति में जहां बढ़ोतरी हुई है, वहीं दूसरी तिमाही के विकास के घातक आंकड़ों ने आरबीआई द्वारा अनुमानित सात फीसदी के उलट सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महज 5.4 फीसदी की वृद्धि के साथ हालात को और तकलीफदेह बना दिया है। सरकार ने विकास में इस गिरावट को स्थायी मंदी के संकेत के बजाय एक क्षणिक घटना के रूप में चित्रित करने की कोशिश की है, लेकिन मंत्रियों ने जीडीपी के आंकड़ों के आने से पहले ही मिंट स्ट्रीट से ब्याज दर में कटौती का आह्वान किया था। शायद, यह कोई हैरत की बात नहीं है कि एमपीसी, जिसमें तीन बाहरी सदस्य शामिल हैं, का इस बार ब्याज दरों को बरकरार रखने के मसले पर वोट 4:2 में बदल गया है। गवर्नर दास ने स्वीकार किया कि निकट अवधि में मुद्रास्फीति और विकास के नतीजे कुछ प्रतिकूल हो गए हैं। उन्होंने यह कहते हुए खाद्य मुद्रास्फीति पर गौर करने की एमपीसी की मांग को भी प्रभावी ढंग से खारिज कर दिया कि आरबीआई कानून में निर्धारित लचीले मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण ढांचे से बंधा हुआ है, जिसके लिए हेडलाइन मुद्रास्फीति से निपटने की जरूरत है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

देवेंद्र फडणवीस : शानदार सफलता ने सबको चौंकाया

How to decongest the City Beautiful and why

AFEW weeks ago, the unthinkable happened. Flying back to Chandigarh from the smog-laden dystopia of Delhi, I looked forward to getting back to the blue skies of my 'Garden City' hometown. But as the plane descended for landing, the erstwhile panorama of green fields and the azureblue Shivalik mountain range was cloaked in a gloomy shawl of grey.

Media reports raised serious concerns about the unprecedented rise in the AOI levels of the city. The figures were matching those of Delhi and were even worse at times. The usual suspects were being blamed: 'western disturbances', farm fires, poor wind speed, dust, construction. But the elephant in the room was the increase in vehicular emissions.

Chandigarh not only has the distinction of the highest per capita income but also the highest number of cars per person car in the country. From being a pedestrians paradise, its roads are crammed with automobiles today. In 2023, Chandigarh registered a record-breaking 53,220 vehicles, much above the average 45,697 vehicles registered per year over the last decade. The 'oxygen capital of India' has now among the highest AQI figures in the country.

Another development — about Haryana wanting to build its own Assembly complex in Chandigarh to accommodate its growing spatial needs — also reflects the congestion and paucity of space occurring in the city, and specially in the Capitol Complex, which is listed as a UNESCO property. The other edifices of the Capitol — the Secretariat and high court — face similar constraints. Perhaps, all three need to shift some of their functions to other locations. The constant struggle to balance the two forces — the ever-expanding needs of a 'living heritage city' and saving the work of genius architect and planner Le Corbusier — needs a nuanced approach. With unplanned expansions will come threats to its authenticity that could jeopardise its UNESCO tag.Designed for a population of half a million, today is home to nearly 1.3 million. The Chandigarh Master Plan 2031 has estimated that the projected population of Chandigarh could touch between 16 and 20 lakh by 2030 and that of the entire Tricity region could shoot up to 45 lakh. And only seven decades ago, when the new capital project of Chandigarh was launched by the Government of Punjab, there were some apprehensions that India's first planned city would never be inhabited; it would be like the historic follies of Daulatabad and Fatehpur Sikri.

The success story of Chandigarh has now, quite ironically, become its problem. 'Brand Chandigarh' as an urban product has not been bettered or even matched by the new satellite towns or other capital cities in the post-Independence India. The trifurcation of Chandigarh in 1966 made it not only the joint capital of Punjab and Haryana but also a centrally administered city. With three governments functioning out of a 114-sq km Union Territory (out of which only 70-sq km constitute the planned urban grid), it leaves it open for encroachments and violations. As such, the city needs to decompress and decentralise some facilities to the adjoining satellite towns to its advantage. A larger Chandigarh Urban Complex (CUC), on the lines of the National Capital Region (NCR) of Delhi needs to be considered. Like the NCR Planning Board, there ought to be a well-empowered CUC to undertake common interlinked infrastructure projects. All congestion points in Chandigarh need to be decongested. Instead of permitting mega shopping malls in its industrial area, which are leading to traffic jams, the sub city centre of Sector 34 should be made more attractive for investment as it has more space. Similarly, the 'urban villages' in Chandigarh are no more traditional villages engaged in agricultural activities but hubs for low rental accommodation or low tariff hotels. With very little control over their expansion and an absence of bye-laws, they are growing in a chaotic

The idea of Viksit Bharat is facing huge challenges

Structural reforms, especially at the state and local levels of governance, can make India's growth rate sustainable.

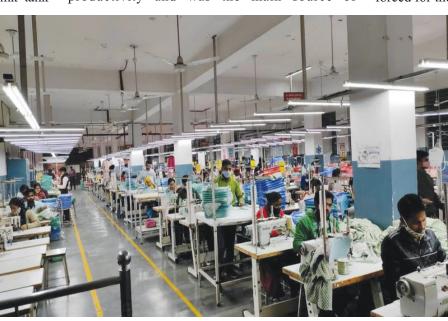
INDIA is dreaming of becoming a developed country by 2047. Recently, the CEO of NITI Aayog BVR Subrahmanyam recently predicted that India was on track to achieving the targeted \$30-trillion economy by 2047. Arvind Subramanian, former chief economic adviser, has projected that even a \$50trillion economy is well within India's reach.

The claims are supplemented by various global governance institutions and corporate think tank

organisations that have thrown up a variety of arguments and presumptions. It seems that India is poised to become a developed country by the stipulated date. This projection is reinforced by the media, warding off critics. However, some business leaders and policymakers have started questioning the current model of governance and fixing longterm targets without facing the real challenges. Infosys founder Narayana Murthy recently said that India's governance system has failed to be innovative. Problems are recurring with no viable and sustainable solutions in sight. Murthy used Delhi's pollution to vindicate his point. He urged the government to change its system of management and take the challenges of the Indian economy head on.s the Indian rupee, in comparison to the US dollar, has depreciated and the growth rate in the second quarter of 2024-25 nose-dived,

Chief Economic Adviser V Anantha Nageswaran has warned businessmen against being complacent. He has cautioned them to not take advantage of the depreciation of the rupee in increasing their exports. Rather, they should concentrate on increasing productivity and innovations to be competitive in the international markets. He also proposed some structural reforms, especially at the state and local levels of governance, to make India's growth rate sustainable. Pertinently, the Commerce and Industry has proposed to dismantle the facility of ease-of-doing business's single-window system because captains of the Indian industry have not shown much interest in this policy instrument. This clearly brings out the fact that the idea of a developed India (Viksit Bharat) is facing gigantic challenges. There is need to clear the long bumpy road ahead. The first and foremost challenge lies in the evolution of the economic structure and its

disconnect among the three sectors of economy. One must keep in view the development experience of the developed countries, including East Asian countries, which have had a dynamic and leading industrial sector at the centre of transformation of their economies. The industry, as an engine of growth and transformation of these economies, had provided new products to the world, raising productivity and was the main source of



employment.It is the services sector that has remained predominant for generating income. But the largest proportion of the workforce continues to derive livelihood from the agriculture sector. The agriculture sector, during the last three decades of economic reforms, has borne the burden of the promised transformation of the Indian economy. The workforce currently employed in this sector is as high as 45 per cent. This work engagement comprises low productivity and subsistence wage income, making the agriculture sector as one in distress. Another feature of the developed countries' experience has been the strong intersectoral linkages during the process of structural transformation, including the agriculture, industry and services sectors. Studies examining the sectoral linkages of the developed economies and the Indian economy show that weak intersectoral linkages have prevented the Indian industry from realising the economies of scale. The services sector of India,

instead, has remained predominant, standalone, adding low value and not much employment opportunities. Instead of providing new products to the world, it has remained a subservient service office of the western developed countries.

These structural weaknesses have resulted in a longterm chronic deficit in the balance of trade and a stressed foreign exchange rate. This deficit has forced for the compensation to be derived from the

capital account. This has further burdened the economy with a rising debt-GDP ratio. These challenges are formidable and can act as a stumbling block in the realisation of India's goal of becoming developed. The recently published World Development Report 2024 has examined the causes of why countries fall in low- or middleincome traps. The report has also attempted to provide some way forward. The most important factor that allowed the smooth transition of a country to become developed has been the discipline on 'capital'. The second most important factor has been investment in research and development and become a leader in innovation.

On both counts, India has remained not only deficit but also lagging. A large number of billionaires has

emerged in India in a short span of time, but their contribution in introducing new products in the world is almost nil. Low investment in innovation is a violation of the expected ethics/code of conduct of capital for a developed country.

Studies on domestic innovations since the July 1991 economic reforms show a decline in domestic share of innovations. This supports the fact that the Indian polity and policymakers have failed to make the Indian capitalists to invest in innovations to become a leader in high productivity and competitive globally. If the dynamics are changed, they can generate higher job opportunities and more income in the hands of the workforce. This will ensure upward mobility of the workers and generate adequate demand for goods and services. This multiplier impact is needed for the business as an incentive to be innovative for a sustained economic

Groundwater crisis

PUNJAB and Haryana are on the brink of a groundwater crisis that could jeopardise not only the region's agricultural backbone but also the nation's food security. Recent data from the Central Ground Water Board paints a grim picture: Punjab's Stage...

PUNJAB and Haryana are on the brink of a groundwater crisis that could jeopardise not only the region's agricultural backbone but also the nation's food security. Recent data from the Central Ground Water Board paints a grim picture: Punjab's Stage of Groundwater Extraction (SoE) stands at a staggering 163.76%, while Haryana follows closely with 135.74%. These figures indicate that groundwater extraction in these states far exceeds natural recharge, pushing aquifers to critical depletion levels.

The crisis is primarily driven by the cultivation of paddy, a water-guzzling crop that dominates Punjab's agricultural landscape due to assured procurement and subsidies. Despite efforts to promote alternatives like maize or pulses, farmers remain hesitant, citing inadequate minimum support prices (MSP) and procurement guarantees. As groundwater levels plummet — they are expected to drop below 300 metres by 2039 in Punjab — the quality of water deteriorates,



rendering it unfit for both irrigation and drinking. In addition to agricultural practices, rapid urbanisation and industrial growth have exacerbated the crisis. Cities like

Gurugram and Faridabad in Haryana have been drawing more than double their extractable groundwater, highlighting the unsustainable pressure on this vital resource. The state governments, along with the Centre, must urgently implement measures such as expanding canal-based irrigation, incentivising crop diversification and ensuring robust water pricing mechanisms to discourage over-extraction.

The Jal Shakti Abhiyan and Atal Bhujal Yojana have laid the groundwork for rainwater harvesting and aquifer management. But, unfortunately, their impact remains limited. It raises questions over the ability of the two states to reverse the alarming decline. Without immediate and concerted action, the groundwater crisis could spiral into a national emergency, threatening livelihoods and food security. It is time for

policymakers to act decisively to protect this irreplaceable resource even as the affected states face impending

Playing fast & loose with secularism

A communal frenzy that feeds off each other is alive and well in parts of India and Bangladesh

FOREIGN Secretary Vikram Misri's visit to Bangladesh for foreign office consultations early Dhaka's arrest of the ISKCON-related Hindu monk, Chinmoy Krishna Das, on trumped-up sedition charges and Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath's absurd remarks on the "same DNA" that connects the Mughal king Babur's destruction of temples in Ayodhya, Sambhal and today's Bangladesh, it's fair to say that a communal feeding frenzy that feeds off each other is alive and well in parts of both India and Bangladesh.

Adityanath's remarks are hardly unique. The RSS recently called on the "government of Bharat" to prevent atrocities on Hindus and other minorities in Bangladesh, while BJP leader in West Bengal Suvendu Adhikari has threatened a trade embargo if Muhammad Yunus' government doesn't stop attacking Hindus.Nor is Adityanath the first big BJP leader to speak his mind. Back in 2018, then BJP president and current Home Minister Amit Shah described Bangladeshi migrants into India as "termites" — he used the Hindi word "deemak" and promised that each of them would be struck off the electoral rolls. It is another matter that 43 per cent of "foreigners" in Assam between 1971 and 2014 (20,613/47,928 people), the Assam Government conceded this August, are Hindus.

Shah's undiplomatic remarks were probably made with the full force of foresight and are testimony to the unhealthy mixing of Hindutva politics with a strategic insensitivity, especially since India's allimportant neighbourhood is in question. At the time, the Ministry of External Affairs held its peace, but it took a lot of effort to assuage then Bangladeshi Prime politician's remarks personally.

next week is not one second late in coming. Between At the time, PM Modi had been fully involved in revamping India's relations with its eastern neighbour — Shah's comments constituted a great setback. Modi well understood that Bangladesh is certainly far too important a country to take for granted at any time. That's why Misri's visit to Dhaka is so important. Ever since Hasina fled to Delhi in early August, bilateral ties have plummeted. The two countries have been at loggerheads over most things, including why the so-called revolution was allowed to reach a crescendo of violence, which ended in Hasina's dramatic flight to safety. Dhaka believes that India deliberately refuses to understand Hasina's starring role in the degradation of Bangladesh, while Delhi for the life of itself cannot comprehend why Bangladesh wants to wilfully erase today the memory of icons like Mujibur Rahman and dump it in the ignominious dustbin of history.

The problem, of course, is far more confounded. When Adityanath and Shah are seen as spokespersons of the ruling party, in this case by Bangladesh, and when Delhi refuses to either publicly censure them or privately call upon them to refrain from making the statements they do, the fallout escalates and snowballs and often acquires a life of its own.

Worse, when Indian politicians accuse Bangladeshi politicians of doing what they often do at home — for example, Adityanath's "bulldozer justice" has often meant that houses owned by Muslims have been disproportionately demolished, as compared to houses owned by Hindus — or when Indian politicians openly call for the so-called "return" of disputed sites of worship, for eg in Varanasi and

Minister Sheikh Hasina that she shouldn't take the Mathura, even if it violates the Places of Worship Act, 1991, they sanction the communal politics in neighbouring countries like Bangladesh.

The difference between the Indian secular state and the rest of the neighbourhood has been plain to see for decades — in fact, the neighbourhood has often held up India's democratic sensibility as a role model. It is nobody's case that Indians of all political colours never wreaked vengeance on their minorities, or that



justice was denied to these minorities, often for long periods of time — both the Congress and the BJP have been guilty of perpetrating riots. The difference is that India's judiciary more often than not spoke truth to power. Democracy was more than just a word. Even when compromises were finely wrought, as in the Ram Janmabhoomi dispute which ended with a mediated Supreme Court verdict in 2019 — in which

the Muslim side gave up the claim to the sanctum

sanctorum real estate on which the Ram temple had once been destroyed in 1529 and the Babri Masjid built by a lieutenant of Babur — it was hoped that the Hindu side wouldn't thump its chest and flaunt its victory. That hasn't quite happened, of course. Instead of being satisfied with wresting the Ram temple back, aggressive Hindu litigants have targeted more and more sites, from the Gyanvapi mosque to the Krishna Janmabhoomi to the Sambhal mosque. It's as if they are thirsting to wreak vengeance on past injustice, no matter they have no first-person experience of the injustice in question. Imagine how the playbook plays out in Bangladesh, already seething with anger over the despotic Hasina fleeing to India. The Bangladeshi media rejects the charge that the Yunus government is not targeting minorities at home, but it is clear that the ISKCON monk is a lightning rod. He has become a fall guy. It will be easy to sacrifice him.

Imagine, too, what the BJP's politics of Hindutva does to the BJP's own foreign policy — it undermines India, of course, but it also undermines Modi, who in his third term certainly wants to leave a mark, even a legacy. The irony is that Modi has creditably held his own elsewhere. He has held India steady against Joe Biden's sanctions against Russia, he is preparing to deal with Trump, he has agreed to swallow his pride vis-à-vis China and he has reached out even to the Taliban in an effort to stabilise the neighbourhood. And then there is Bangladesh — a country that India helped midwife back in 1971 and assisted with giving it an identity of its own. It would be truly tragic if India were to lose Bangladesh today because some short-sighted Indians are intent on playing fast and loose with one of the greatest ideas of our times — an idea called secularism.

Yum! Restaurants India FY24 results: Profit at Rs 162 cr, income up 13%

NEW DELHI. Yum! Restaurants (India), which owns QSR brands such as Pizza Hut and KFC in the Indian market, was back in the black in FY24, reporting a profit of Rs 162.04 crore while its revenue from operations was up 6.6 per cent to Rs 689.93 crore, the company said in an RoC filing. The total income of Yum! Restaurants (India) was up 13.4 per cent to Rs 832.05 crore for the financial year ended on March 31, 2024, helped by other income -- mainly gains from the sale of its investments in Devyani

Yum! Restaurants (India) posted other income of Rs 142.11 crore for FY24 as against Rs 86.46 crore a year earlier, according to financial data accessed through business intelligence platform Tofler. It had reported a loss of Rs 108.17 crore a year earlier in FY23 and its revenue from operations was at Rs 647.34 crore.

Yum! Restaurants (India) Pvt Ltd is the holding company of Pizza Hut India Marketing and KFC India Marketing. Its "advertising promotional expenses" were at Rs 220.69 crore, down 3.8 per cent in FY24. However, its cost royalty was up 14 per cent to Rs 175.10 crore. The royalty and technical licence fee paid to its parent entity was at Rs 153.67 crore a year before in FY23. The total expense of Yum! Restaurants (India) was at Rs 671.33 crore in FY24, down 22.16 per cent. During the fiscal year, Yum! Restaurants (India) disposed of its entire stake in Devyani International Ltd under a block deal for Rs 871.09 crore, which was initially acquired as part of a business transfer agreement for Rs 230 crore during

'The said sale of shares transaction resulted in an overall gain of Rs 635.05 crore (net of selling expenses of Rs 604.24 lakhs) when compared to the acquisition cost, while the gain recognised as part of 'other income' during the current year (due to measurement at FVTPL) amounts to Rs 97.20 crore (net of selling expenses)," it said.

Indian foreign exchange strengthens again after a multi week low

NEW DELHI: India's forex has started to rally once again after a consecutive plunge for eight months, hitting a multi month low.Data from the Reserve Bank of India (RBI) earlier this week revealed that India's foreign exchange reserves rose by \$1.510 billion to \$658.091 billion for the week ending November 29.

However, since hitting an all-time high of \$704.89 billion in September, the reserves have been consistently declining. This dip in the forex exchange is attributed to the cenbank's efforts to prevent a sharp fall in the Rupee's value. A substantial foreign exchange reserve buffer helps shield domestic economic activity from global shocks. Recent apex bank data showed that India's foreign currency assets (FCA), the largest component of forex reserves, stood at \$568.852 billion while gold reserves stood at \$ 66.979 billion. Estimates indicate that India's foreign exchange reserves are adequate to cover roughly one year of anticipated imports. In 2023, India added around \$58 billion to its foreign exchange reserves, combating the cumulative decline of \$71 billion in 2022. Foreign exchange reserves, or FX reserves, are assets maintained by a country's central bank or monetary authority, predominantly in reserve currencies like the US Dollar, alongside smaller holdings in the Euro, Japanese Yen, and Pound Sterling. The RBI closely monitors foreign exchange markets, intervening only to maintain orderly market conditions and curb excessive volatility in the Rupee exchange rate, without adhering to any fixed target level or range.

The RBI often intervenes to manage liquidity, including selling dollars, to curb sharp rupee depreciation. It has strategically purchased dollars during periods of rupee strength and sold them when the currency weakens, enhancing the appeal of Indian assets to investors. The rupee has emerged as one of the most stable currencies in Asia over the past decade, transitioning from its earlier phase of

Investor sentiment for next week shaped by inflation data, global trends and FII **Trading**

NEW DELHI. Investor sentiment for the next week is expected to be influenced by a combination of factors, including domestic and global macroeconomic data announcements along with the trading activity of foreign investors and trends in world stocks, as per analysts.

They also pointed out that the rupee-dollar exchange rate and global oil prices, particularly Brent crude, will be important for market calculations.

Pravesh Gour, senior technical analyst at Swastika Investmart Ltd said, "Globally, geopolitical tensions, particularly the ongoing Russia-Ukraine conflict, continue to pose challenges. However, recent declines in the dollar index and US bond yields have created a more favourable environment for emerging markets like India."Economic indicators like key macroeconomic data releases, such as India's retail inflation and industrial production figures, along with the US core CPI, are expected to impact overall market sentiment, he added. In the past week, the BSE benchmark surged by 1,906.33 points, or 2.38 per cent, while the NSE Nifty gained 546.7 points, or 2.26 per cent.VK Vijayakumar, chief investment strategist at Geojit Financial Services told PTI, "FIIs turning buyers in early December, in a total reversal of their sustained selling strategy during the last two months, has altered the market sentiments."He further noted that the shift in FII strategy is evident in stock price movements, especially in large-cap banking stocks, where FIIs had previously been net

US Consumer Price Index inflation data release is also said to give some insights into the Fed's December

All Eyes On Inflation, FII Trading And Global Markets As Indian Stocks Seek Direction

Investors' sentiments will be guided by a host of domestic and global macro economic data

announcements this week

NEW DELHI. Investors' sentiments will be guided by a host of domestic and global macroeconomic data announcements this week, along with the trading activity of foreign investors and trends in world stocks, analysts said.

Rupee-Dollar Trend and Brent Crude ImpactBesides, the rupee-dollar trend and movement of global oil benchmark Brent crude will also be crucial in dictating terms in the market, experts

Key Global and Domestic Influencers

"The domestic stock market is likely to be shaped by a mix of global cues, domestic economic indicators, and the flow of investments from foreign and domestic institutional investors. Key factors like the rupee's exchange rate and crude oil prices will play a critical role in determining market trends.

Geopolitical Tensions and Emerging Markets

Globally, geopolitical tensions, particularly the ongoing Russia-Ukraine conflict, continue to pose challenges. However, recent declines in the dollar index and US bond yields have created a more favourable environment for emerging markets like India," Pravesh Gour, Senior Technical Analyst, Swastika Investmart Ltd, said.Macroeconomic Data to Drive SentimentOn the economic front, significant macroeconomic releases, including retail inflation and industrial production data from India as well as US core CPI, are expected to influence overall market sentiment, Gour



Recent Market Performance

Last week, the BSE benchmark jumped 1,906.33 points or 2.38 per cent, and the NSE Nifty climbed 546.7 points or 2.26 per cent.Foreign Institutional Investors (FIIs) Strategy

FIIs turning buyers in early December, in a total reversal of their sustained selling strategy during the last two months, has altered the market sentiments. The change in FII (Foreign Institutional Investors) strategy is getting reflected in

stock price movements, particularly in large-cap banking stocks in which FIIs have been sellers," VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said.

US CPI Inflation and Fed Insights

The release of US CPI inflation data will give some insights into the Fed's December meeting, an expert said. Focus on Domestic Economic

The markets' attention is expected to turn towards macroeconomic indicators like IIP and CPI inflation. Additionally, the trend of FII inflows, following their recent buying spree, will remain a key focal point for market participants," Ajit Mishra - SVP, Research, Religare Broking Ltd, said.Siddhartha Khemka, Head -Research, Wealth Management, Motilal Oswal Financial Services Ltd, said this week will see significant economic data releases, including GDP numbers from Japan and the UK, along with China's CPI

Key investment destination: FDI inflows in India cross \$1 trillion

NEW DELHI. Foreign direct investment (FDI) inflows into India have crossed the \$ one trillion milestone in the April 2000-September 2024 period, firmly establishing the country's reputation as a safe and key investment destination globally. According to data from the Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT), the cumulative amount of FDI, including equity,

reinvested earnings and other capital, stood at \$ 1,033.40 billion during the said period. About 25 per cent of the FDI came through the Mauritius route. It was followed by Singapore (24 per cent), the US (10 per cent), the Netherlands (7 per cent), Japan (6 per cent), the UK (5 per cent), UAE (3 per cent), and Course Islands Course cent) and Cayman Islands, Germany and Cyprus accounted for 2 per cent each.India received \$ 177.18 billion from Mauritius, \$ 167.47 billion from Singapore and \$ 67.8 billion from the US during the period under review, as per the data. The key sectors attracting the maximum of these inflows include the services segment, computer



software and hardware, telecommunications, trading, construction development, automobile, chemicals, pharmaceuticals. According to the Commerce and Industry Ministry, since 2014, India has attracted a cumulative FDI inflow of \$ 667.4 billion (2014-24), registering an increase of 119 per cent over the preceding decade (2004-14)."This investment inflow spans 31 states and 57 sectors, driving growth across diverse industries. Most sectors, except strategically important sectors, are open for 100 per cent FDI under the automatic route. FDI equity inflows into the manufacturing sector over the past decade (2014-24) reached \$ 165.1

billion, marking a 69 per cent increase over the previous decade (2004 -14), which saw inflows of \$ 97.7 billion, an official has said. To ensure that India remains an attractive and investor-friendly destination, the government reviews FDI policy on an ongoing basis and makes changes from time to time after having extensive consultations with stakeholders.

The overseas inflows into India are likely to gather momentum in 2025, as healthy macroeconomic numbers, better industrial output and attractive PLI schemes will attract more overseas players amid geopolitical headwinds, experts said. They added that despite the global challenges, India is still the preferred investment destination.

Avimukt Dar, Founding Partner, INDUSLAW, said the inflows are likely to continue in a robust form. There is strong anticipation that private equity financing in the tech sector, which had slowed down in the past, will pick up again since various funds have enjoyed good exits in the public markets and are ready to deploy again.

Hit by absence of B'desh tourists, Kolkata traders think of wooing locals

NEW DELHI. The ongoing crisis in Bangladesh and subsequent non-arrival of travellers from there has led to a blow to the traders of a particular area in central Kolkata, which is popular among tourists from the neighbouring country for shopping and staying.A section of those perplexed traders are staring at a void, while others are either looking at new avenues or decided to woo back the Indian customers they have lost in the past.

An estimated 15,000 families are now affected by the situation. According to a trader, in the past, local customers and tourists from other states in India used to visit these areas for various purposes. They were more or less ignored by the traders and their population gradually dwindled over the years. "Now there is a big question mark. They don't know what to do they don't know in which direction their business will go since they are dependent only on the Bangladeshis," the National Committee Member of Travel Agents Federation of India (East India), Anil Punjabi, said. He said the governments of both countries should hold a dialogue to resolve the situation as fast as possible. With 80 to 85 per cent of Bangladeshis visiting Free School Street, Marquis Street, Sudder Street, Lindsay Street, Collin Lane and the adjoining areas for forex, airline tickets, hotels, restaurants and shopping, businessmen in this region became dependent on tourists from the neighbouring country, Free School Street Traders Association secretary, Hyder Ali Khan, said."All of us are in trouble as a result of the crisis," Khan said, condemning the ongoing atrocities against Hindus and other minorities in Bangladesh."I am 55 years old and grew up in this area. I have seen local people -Hindus and Muslims shopping before Durga Puja and Eid in the area in my childhood," Khan said.

Gradually everything changed due to the constant wooing only of Bangladeshi customers and therefore Indian tourists and even locals, started avoiding this area as it is full of Bangladeshi tourists, he narrated. Traders here used to be busy attending to foreigners and this attitude of theirs has now become the reason behind their nemesis.

If the ongoing situation in Bangladesh prevails for some more time, many people will lose their jobs and some people may contemplate dying by suicide as they are about to lose everything they have accumulated so far, he said."Both governments need to resolve the issue as soon as possible," Khan said. He also said that a meeting will be held on Monday on the issue. The president of the Free School Street Traders Association, Monotosh Kumar Saha, said that he has been running business in the area for the last 25 years. Now, he runs a transport service, a hotel business and a pub."We operate bus services from Petrapole border and bring Bangladeshi passengers here, which is very popular with them," Saha said.

Trillion-dollar gap in Taiwan, Korea stock fortunes

into political chaos, its equity market risks falling further behind major tech rival Taiwan, which is basking in the glory of the global artificial intelligence boom.A near 30% surge in Taiwan's stock benchmark this year, set to be the best since 2009, has already helped spur a historic divergence between Asia's two tech-dominated markets. The island's market capitalization now exceeds South Korea's by about \$950 billion as the world's AI frontrunners from Nvidia Corp. and Microsoft Corp. to OpenAI all increasingly turn to Taiwanese firms for supply.Looking ahead to next year, while both exportoriented economies face the risk of higher tariffs by incoming US President Donald Trump, many investors see Taiwan as less vulnerable given the

NEW DELHI. As South Korea descends reliance of American firms on its technology as well as its relatively better economic prospects. Such optimism, and a recent pickup in inflows into local stocks, also augur well for the Taiwanese dollar, which has fared better than the Korean won in 2024."The structural theme of AI is likely to only get extended further, and this means we could see another year of Taiwan outperformance," said Charu Chanana, chief investment strategist at Saxo Markets in Singapore. "The Korea discount may linger for longer given the recent political debacle, and the corporate governance reforms will have to be prioritized to get any closer to erasing this discount." South Korean President Yoon Suk Yeol is fighting for his political life after his attempt to break an impasse in parliament by

briefly imposing martial law backfired. The turmoil has cast a pall over the nation's outlook and it also may impact the Corporate Value-Up program much touted by Yoon as a way to boost shareholder returns and eradicate the so-called Korea Discount, a term referring to the long depressed valuations of the country's equities. Down more than 8% this year, the Kospi is one of the world's worstperforming major equity indexes. Its underperformance versus Taiwan's Taiex has deepened further this month.

TSMC rulesTaiwan's equity-market outperformance has a lot to do with this year's 80% surge in the shares of Taiwan Semiconductor Manufacturing Co., the world's top advanced chipmaker that accounts for 37% of the benchmark's weighting.

Online Shopping Nightmare? Survey Reveals Al Chatbots Are Failing Customers

NEW DELHI. A recent poll conducted by Kapture CX, an AI-powered customer experience solution, has shed light on consumers' biggest pain points when shopping online. The results, published on LinkedIn, show that the most notable frustration for shoppers is ineffective chatbot assistance, with 43% of respondents citing this as their primary complaint.

As online shopping continues to evolve, businesses must rethink their approach to customer service, combining the strengths of both AI and human agents to address this growing concern.

Survey Highlights AI Chatbots Falling Short in

Personalisation The poll, with over 100 responses, surveyed

a diverse range of online shoppers, revealed that while AI-powered chatbots are increasingly being used by brands to provide faster responses and reduce costs, they are falling short in key areas. In particular, shoppers report that chatbots often struggle to provide the empathetic, personalised support they expect. Many chatbots are unable to understand complex queries or specific industryrelated questions, making them

ineffective when faced with more than just basic inquiries. The Role of AI and Human Collaboration

"Chatbots are great for simple tasks, but consumers expect more when it comes to their online shopping experience," said Vikas Garg, Co-founder at Kapture CX.

"Our survey results clearly show that shoppers are frustrated when bots can't handle more nuanced conversations or provide the context they need. At the same time, they are eager to embrace AI that works alongside human agents to offer a seamless experience."Additional Online Shopping Frustrations: Delivery and Payment IssuesIn addition to ineffective chatbots, the poll highlighted other frustrations that impact the online shopping experience. Delivery scheduling was cited by 28% of respondents as a major issue, with consumers expressing dissatisfaction with long delivery windows or delays.

Payment issues also caused frustration for 20% of respondents, while 9% pointed to difficulties with order tracking as a primary concern. The Hybrid Model: A Path to Improved Customer ExperienceHowever, the findings also suggest a clear path forward for



businesses looking to improve their customer experience. The poll revealed that shoppers are not against the use of AI in customer service, but they want it combined with human support. A hybrid model, where AI chatbots handle routine queries and human agents step in for more complex matters, was the most preferred approach.

Advancing Chatbots with Context-Aware AIHowever, the poll also highlighted that 43% of respondents found chatbot assistance ineffective, emphasising the need for bots that can understand complex queries, identify sentiment, and seamlessly escalate issues to human agents. This hybrid system allows businesses to provide both the speed and efficiency that AI offers, while also delivering the empathetic, personalised

service that only a human can provide. Garg added that with advancements in generative AI, bots are now capable of understanding complex emotions and intents, and can easily hand over to human agents whenever necessary.Brands must move beyond the traditional reliance on simple chatbots and invest in AI systems that are context-aware, emotionally intelligent, and designed to escalate issues to human agents only when appropriate, ensuring a smooth and efficient experience for customers, Garg added.

Next Steps: Investments in Advanced AI

As part of the next steps, Kapture CX recommended that organisations begin by closely monitoring their chatbot performance through auto-quality assurance processes. This would allow companies to track the effectiveness of their bots and ensure they are meeting customer expectations. Additionally, investing in Agentic AI chatbots that utilise advanced natural language processing (NLP), sentiment analysis, and industry-specific knowledge will be critical to providing a more seamless and empathetic customer experience.

Monday, 09 December 2024

Meet George Koovakad, the Indian Cardinal who organises the Pope's world tours

Newly elevated Cardinal George Koovakad has been a pivotal figure in the Vatican Secretariat of State, playing a crucial role in organising papal journeys. His meticulous planning has been instrumental in the success of numerous papal visits.

NEW DELHI.In a historic moment for the Catholic Church in India, George Jacob Koovakad, a priest from Kerala, ascended to the rank of cardinal. Elevated by Pope

Modi On Indian Priest's

Elevation As Cardinal

Francis in a grand ceremony at the Vatican, Koovakad is the first Indian priest to be directly appointed as a so-called "Prince of the Church". The ceremony at St Peter's Basilica, attended by clergy and dignitaries from around the world, witnessed the induction of 21 new cardinals. With Koovakad's appointment, the number of Indian cardinals now stands at six, further bolstering India's representation in the Vatican.

"Delighted at His Eminence George Jacob Koovakad being created a Cardinal of the Holy Roman Catholic Church by His Holiness Pope Francis. His Eminence George Cardinal Koovakad has devoted his life in service of humanity as an ardent follower of Lord Jesus Christ. My best wishes for his future endeavour," PM Modi tweeted on Sunday.Born on August 11, 1973, in Thiruvananthapuram, Koovakad was ordained in 2004 and has since had a distinguished career in the diplomatic service of the Holy See. He has



South Korea, Iran, Costa Rica, and Venezuela and currently works in the Vatican Secretariat of State.

Cardinal Koovakad, who was previously the Titular Archbishop of Nisibis in Turkey, has played a pivotal role in organising complex papal trips, including recent visits to Canada, the Democratic Republic of the Congo, South Sudan and the fournation tour of Asia and Oceania. His meticulous planning and execution have been instrumental in the success of numerous papal visits.

Beyond his professional accomplishments, Koovakad's personal qualities have endeared him to the Pope. A touching anecdote highlights their bond: when Koovakad's 95-year-old grandmother fell ill, Pope Francis personally video-called her, expressing his concern and offering words of comfort. The Pope spoke in Italian, with Koovakad translating into Malayalam. The pontiff reportedly continued to inquire about her health in subsequent interactions, underscoring the deep connection between the two.

Reflecting on his elevation, Koovakad said, "This is God's will, which I never expected. When I was sent here (in 2006), I was told by my respected seniors that if it's to learn the Bible, that can be done in Kerala itself, but since you are being sent to the Vatican, it's being done to learn things deeply."With this appointment, 51-yearold Koovakad becomes eligible to vote in the conclave that would be called to choose a new pope in the event of Francis's death or resignation.

Warm November made sugarcane less sweet, prone to pests

According to the latest bulletin of **National Federation of Cooperative** Sugar Factories, this year sugar recovery rate from sugarcane is 7.85%, which was 8.60% last year.

NEW DELHI. Warmer winter has reduced the sweetness of jaggery and created a conducive weather for pest attacks on sugarcane plants in western Uttar Pradesh, one of the largest sugarcane producer belts in the country.

According to the India Meteorological Department, November was the warmest month for Northwest India since 1901. The normal mean temperature is 18.77 °C which rose to 20.14 °C. Northwest India meteorological region, of which Western UP is a part, shows 80% deficient rainfall in November. Generally, local manufacturing centres start processing jaggery from November. But warmer November led to higher water content and lesser



formation of sucrose in sugarcane plants reduced its productivity, experts say. Warmer weather also created a conducive condition of pest attack on sugarcane crops. "There are still relatively higher water content in cane even in first week of December instead of sucrose which led to either lesser jaggery production or no production," said Nischay Mallik, owner of Freyr Food, a jaggery manufacturing unit in Muzaffarnagar.

The recovery rate of jiggery is still below 8% from the cane," he said. According to the latest bulletin of National Federation of Cooperative Sugar Factories, this year sugar recovery rate from sugarcane is 7.85%, which was 8.60% last year. Farmers feel that 15-20% of crops get affected due to diseases and warmer weather."Generally, the sugarcane growth stage ends at the end of middle of October and harvesting, processing of crops and jaggery start in early November. But this year monsoon rain extended till the first week of October and later higher temperatures than normal were observed which invited pests and led to late sucrose formation," said Mallik.

'Matter Of Great Pride': PM

New Delhi. Indian priest George Jacob Koovakad being elevated as a Cardinal of the Holy Roman Catholic Church by Pope Francis is a matter of great joy and pride for India, Prime Minister Narendra Modi said on Sunday.He said George Cardinal Koovakad has devoted his life to the service of humanity as an ardent follower of Jesus Christ." A matter of great joy and pride for India! Delighted at His Eminence George Jacob Koovakad being created a Cardinal of the Holy Roman Catholic Church by His Holiness Pope Francis," Modi said in a post on X.

His Eminence George Cardinal Koovakad has devoted his life in service of humanity as an ardent follower of Lord Jesus Christ. My best wishes for his future



endeavours," the prime minister said. In a grand consistory held in the Vatican on Saturday, 51-yearold Koovakad was elevated to the rank of cardinal by Pope Francis. The ceremony, held at the famous St Peter's Basilica and attended by clergy and dignitaries from around the world, witnessed the induction of 21 new cardinals from various countries.

the ceremony began at 8.30 pm (IST) marking a procession with 21 cardinal-designated to the altar of St Peter's Basilica. Later, the Pope addressed the gathering and handed over the ceremonious cap and ring to the cardinal-designate, followed by a certificate accompanied by prayers. Koovakad's appointment brings the total number of Indian cardinals to six, further strengthening the country's representation at the Vatican.

Delhi Businessman Shot **Dead Over Mistaken Identity? What Cops Said**

New Delhi. A 57-year-old businessman was allegedly shot dead in the Farsh Bazar area of Delhi's Shahdara district on Saturday. The victim, Sunil Jain, was shot dead by two bike-borne men while he was returning home on a scooter along with a friend after a morning walk at the Yamuna Sports Complex.

His friend has now claimed that it could be a case of mistaken identity.Mr Jain's friend, Sumit - with whom he used to walk in the morning, told NDTV that the shooters initially told the victim that his phone had



fallen off. They then asked, "Whose name is Virat". To this, Sumit responded, "No one". But one of the attackers shouted "Yahi hai" (This is the one), pointing his finger at Mr Jain. The attackers then allegedly fired eight shots at Mr Jain. The police are on the lookout for 'Virat' and are also investigating the angle of mistaken identity. According to a preliminary investigation, a minor was arrested last month for killing two people, Akash Sharma and Rishabh, in the national capital. The minor's father's name was found to be Virat, officials said. However, it has yet to be ascertained whether he is the same Virat that the shooters were looking for."We are probing the case from all angles," Deputy Commissioner of Police (Shahdara) Prashant Gautam said, adding that CCTV footage from the area is being

Gujarat Man Beats Bank Manager Over Tax Deduction On Fixed Deposit

New Delhi. A video of a fight between a bank manager and a customer at a Union Bank in Ahmedabad has gone viral. Jaiman Rawal, the customer, was reportedly disappointed over the increased tax deduction on a fixed deposit. The argument between the customer and the bank manager broke into a nasty fight.In a 43-secondlong viral video, the two men are seen holding each other by the collar. The customer then slaps

the bank employee on his head. In the video, a woman can be heard asking her colleague Shubham to let it go.In the background an elderly woman, who appears to be the customer's mother is seen trying to resolve the dispute, holding the arm of either of the two, pulling them away. She even



registered a case and the probe is

slaps the customer, presumably her son, asking him to stop it. When the two are finally pulled away, the customer again attacks, this time another bank employee. The incident is reportedly from the Union Bank's branch in Vastrapur, Ahmedabad.Vastrapur police have

A similar incident was reported from the Canara Bank branch in the Gandhi Maidan Police Station area, Patna where a woman bank manager was harassed and threatened by a customer over the CIBIL score. In a video, a man is seen walking toward a woman, he points a finger at her, almost shoving it in her face. He then snatches the phone from her and throws it on the ground. "You will record this and embarrass me", he asks. The man returns the phone to the

woman and walks back to a nearby chair. He sits and threatens the woman. "No one will support you. Fix my CIBIL score. See what I do to you in your cabin. You don't know who you are dealing with. You have done wrong to me," he says. The police are investigating the case.

Delhi Police Arrests Man From Bihar For Selling SIM Cards To International Cyber Criminals

Anuj Kumar was arrested from Gaya in Bihar for supplying SIM cards to people in countries including China, Cambodia, and other South Asian nations.

New Delhi. Delhi Police on Saturday claimed to have arrested a man from Bihar for allegedly selling sim cards to international cyber frauds, officials said. Police recovered 5,000 SIM cards and 25 mobile phones from Anuj Kumar's possession.Kumar was arrested from Gaya in Bihar for supplying SIM cards to people in countries including China, Cambodia, and other South Asian nations.

Deputy Commissioner of Police (southeast) Ravi Kumar Singh said a complaint was registered by the CA of a company saying that he was defrauded of? 20 lakh by a person impersonating himself as one of the directors of the company. Sensing the gravity of the offence, a dedicated team of cyber police station of the southeast district was formed. Through a detailed analysis of mobile numbers and technical surveillance, Anuj was arrested. These SIM



cards were used in various cyber fraud schemes, including digital arrest, investment fraud and financial scams. During interrogation it was found that Anuj was a mastermind of the network and is a registered SIM vendor and retailer of Airtel SIM Cards, police said in a statement. Anuj had been leveraging Gaya's status as a major tourist hub for South Asian travellers to

orchestrate his operations.

'Exploiting the high influx of international tourists, particularly from South Asia, the accused set up a distribution network for illegally procured SIM cards," Singh said.SIM registration processes to procure cards in bulk by organising SIM vending camps in rural areas and used to issue four to five SIM cards on a single identity, the officer said. These SIMs were trafficked internationally through Gaya and Nepal to tourists, enabling anonymous and untraceable communications for cyber fraud operations, he added. This sophisticated network provided a steady supply of untraceable SIM cards to cybercriminals operating across borders, police said. The police statement said Anuj has to date supplied more than 1000 illegal SIM cards outside India. There were 3400 SIM cards of Airtel and the rest SIM cards of Vodafone were recovered, the police added.

Understanding the population and demographic challenge

NEW DELHI. Recent remarks by Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) chief Mohan Bhagwat and two chief ministers of Southern states have ignited a heated debate around crucial issues such as India's demographic trends, declining fertility rates, and the pressing social and economic challenges the country faces.

Bhagwat's suggestion that Indian couples should aim to have at least three children to bolster the nation's population, sparked not only a political backlash, but also raised significant concerns about the perception of reducing women to mere 'child bearers' while overlooking their autonomy and reproductive rights.He cited a scientific concept known as the Total fertility rate (TFR), advocating for families to have three children instead of the familiar slogan of 'Hum Do Hamare Do' (We two, ours two). This well-known phrase was integral to India's national family planning programme and has been a staple in the public consciousness for decades. TFR represents the average number of children a woman is expected to bear throughout her reproductive years, serving as a key indicator of population growth and demographic health."Our In 2015, Vishwa Hindu Parishad leader country's population policy, formulated

in 1998 or 2002, clearly says that the total fertility rate should not be below 2.1. Now when we say 2.1, it is not feasible to have children in fraction. So when we say 2.1, this means it should be more, at least three. Population science says so," Bhagwat said.

RSS'earlier stance

Though population control policy has always been high on the BJP and RSS agenda, the RSS had adopted a measured approach to it. In his 2022 Vijayadashami speech, Bhagwat argued in favour of a comprehensive population control policy to tackle demographic challenges over the next 50 years. He also said that religion-based population balance is an important subject that can't be ignored.

If population is used correctly, it is not a burden, but rather a means. We have a demographic dividend. China is getting old. We are going to remain young for the next 30 years... We also have to think about the population. How many people can our country feed after 50 years... A comprehensive policy is required," he had said. In 2004 and 2015, the RSS passed resolutions on population control policy. Champat Rai said family planning "was



not a personal matter for Hindus anymore and if they adhered to the one-child norm, Muslims would take over the country."Responding to Bhagwat's remarks, former Rajya Sabha MP Rakesh Sinha told this paper that by advocating a three-child norm, the RSS chief addressed a crucial concern of decline in the young population. In 2019, Sinha, then a BJP MP moved a private member's bill proposing that every government employee shall give an undertaking to "not procreate more than two children" and to reward those who follow the two-child policy. Sinha is of the view that 'demographic

imbalance' in terms of the rising population of Muslims vis-à-vis Hindus, is a major concern that needs to be addressed. "As per the 2011 Census, the Hindu population is decreasing in the country. We can't deny that truth," said Sinha, adding that the social discourse must get more attention. While Sinha withdrew the bill later, he said there was no contradiction with the government on

Govt and RSS not on same page?

Activists and the Opposition parties point out that the BJP and RSS are speaking in different voices on the issue. Raising it for the first time during his Independence Day speech in 2019, Prime Minister Narendra Modi said the issue of an everrising population is a matter of concern and that a small section of society, which keeps their families small, deserves respect.

During the interim Budget speech in February this year, Union Finance Minister Nirmala Sitharaman announced that the government will form a highpowered committee to look into the challenges arising from fast population growth and demographic changes. The committee is yet to be formed.

Warren Buffett Stopped Gifting His Family \$10,000 In Cash At Christmas. He Did This Instead

World. Billionaire investor Warren Buffett, known for his frugal lifestyle, initially gifted his family members thousands of dollars in cash. However, after witnessing their tendency to quickly spend these gifts, he shifted his approach, the Fortune reported.

'As soon as we got home, we'd spend it, whoo!" the billionaire's former daughter-in-law, Mary Buffett, who was married to his son Peter in 1980 told ThinkAdvisor. Instead of cash, Buffett began gifting his family members shares in companies he had recently invested in, including Coca-Cola.

Then, one Christmas there was an envelope with a letter from him. Instead of cash, he'd given us \$10,000 worth of shares in a company he'd recently bought, a trust Coca-Cola had," she said. This strategy not only provided a more valuable gift in the long term but also served as an invaluable lesson in investing and wealth building. His former daughter-in-law recounted how she initially intended to sell the gifted shares but ultimately held onto them, witnessing their significant growth. "I thought: "Well, [the stock] is worth more than \$10,000. So I kept it, and it kept going up." This experience instilled in her a long-term investment perspective, influencing her financial strategies. Warren Buffett's commitment to prioritizing long-term investments over short-term gratification reflects his philosophy of building wealth through patience and discipline.

At 94 years old, Buffett is well-known for his pledge to donate 99% of his wealth and not leave the bulk of his fortune to his children, stating he has "never wished to create a dynasty." Dubbed the "Oracle of Omaha," Buffett reiterated this stance last month while appointing three independent trustees to oversee his philanthropy after his three children stepped down, as reported by CNBC.

Buy a suit Zelenskyy': Ukrainian president greets Trump in casual sweatshirt and boots

World. US President-elect Donald Trump met French President Emmanuel Macron and Ukrainian President Voldymyr Zelenskyy on Saturday. While some netizens are discussing this unusual meeting,

few were ripping Zelenskyy's fashion sense.

The Ukrainian President faced criticism for his informal attire during the Notre Dame cathedral's formal reopening in Paris.

At both the ceremony Presidents at Élysée Palac, while the presidents wore formal suit, Zelenskyy opted for casual black attire with combat boots. "BUY A FUCKING SUIT VOLODOMYR! I am literally in Paris right now. Someone tell Zelenskyy I will personally buy him a suit and take him shopping for it. On my card. He doesn't even need to spend the billions he's laundered over the past three years!" a user said on X while other one said, "Everybody is dressed business attire. But not Zelenskyy. He shows up in a sweater and jacket. He's an embarrassment, or should be."Pennsylvania Senator John Fetterman, known for his own casual style, expressed approval, describing Zelensky's choice as a "mood."

The Ukrainian leader's military sweatshirt featured imagery resembling the Ukraine Armed Forces emblem, similar to what he wore during his 2022 Congressional address requesting support against Russian forces. Trump adviser Roger Stone criticised the choice, stating to The Post: "He can't afford a suit? He wore a suit and tie to the World Economic Forum event, but can't wear one to address a joint session of Congress or to meet the President-elect of the United

I thank him. I also extend my gratitude to Emmanuel for organizing this important meeting. We all want this war to end as soon as possible and in a just way. We spoke about our people, the situation on the ground, and a just peace. We agreed to continue working together and keep in contact. Peace through strength is possible," he said in a post on X.

US Autism Center Faces Abuse Allegations After Staffer Drags Child By Genitals

World. The Anderson Center for Autism, a prestigious institution in Dutchess County, New York, is facing renewed scrutiny following disturbing allegations of abuse against its vulnerable residents. This renowned facility, with a century-long history of providing services for individuals with autism and developmental disabilities, has been the subject of growing concern due to repeated reports of mistreatment. A recent incident, captured on video by a whistleblower, has brought the issue to the forefront. The footage allegedly depicts a caregiver, Garnet Collins, abusing a teenage resident. This revelation has sparked outrage and raised serious questions about the quality of care provided within the institution.In the disturbing footage, Garnet Collins, 50, a caregiver at the facility, was seen allegedly trying to control Anil's son by squeezing his genitals."Every day. Every day. Every day. It kills me to think about the amount of abuse and torture he went through," Anil told Fox5. The incident has had a profound impact on Anil, the father of the abused teenager. He shared his harrowing experience, highlighting the distress caused by the alleged abuse. The whistleblower, who risked their own well-being to expose the misconduct, deserves recognition for their bravery in bringing this critical issue to light. We immediately got in the car, drove upstate, pulled him out of the residence, and contacted the New York State Troopers," Anil recalled. Garnet Collins, the caregiver accused of abusing a resident at the Anderson Center for Autism, was arrested and charged with endangering the welfare of an incompetent person and forcible touching.

Trump says US should stay out of fighting in Syria as opposition forces gain ground

Trump said Saturday that the U.S. military should stay out of the escalating conflict in Syria as a shock opposition offensive closes in on the capital, declaring in a social media post, "THIS IS NOT OUR FIGHT."

With world leaders watching the rapid rebel advance against Syria's Russian- and Iranian-backed president, Bashar Assad, President Joe Biden's national security adviser separately stressed that the Biden administration had no intention of intervening."The United States is not going to ... militarily dive into the middle of a Syrian civil war," Jake Sullivan told an audience in California. He said the U.S. would keep acting as necessary to keep the Islamic State — a violently anti-Western extremist group not known to be involved in the offensive but with sleeper cells in Syria's deserts — from exploiting openings presented by the fighting. Insurgents' stunning march across Syria sped faster Saturday, reaching the gates of Damascus and government forces abandoning the central city of Homs. The government was forced to deny rumors that Assad had fled

dramatic rebel push were his first since Syrian rebels launched their advance late last month. They came while he was in Paris for the reopening of the Notre Dame cathedral.In his post, Trump said Assad did not deserve U.S. support to stay in power.

Assad's government has been propped up by the Russian and Iranian military, along with Hezbollah and other Iranian-allied militias, in a now 13-year-old war against opposition groups seeking his overthrow. The war, which began as a mostly peaceful

uprising in 2011 against the Assad family's rule, has killed a half-million people, fractured Syria and drawn in a more than a half-dozen foreign militaries and militias. The insurgents are led by Hayat Tahrir al-Sham, which the U.S. has designated as a terrorist group and says has links to al-Qaida, although the group has since broken ties with al-Qaida. The insurgents have met little resistance so far from the Syrian army, the Russian and



Iranian militaries or allied militias in the country. The Biden administration says Syrian opposition forces' capture of government-held cities demonstrates just how diminished those countries are by wars in Ukraine, Gaza and Lebanon.

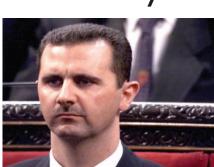
Assad's backers — Iran, Russia and Hezbollah — have all been weakened and distracted," Sullivan said Saturday at an annual gathering of national security officials, defense companies and lawmakers at the Ronald Reagan Presidential Library in Simi Valley.

kind of support to Assad that they provided in the past," he later added. The U.S. has about 900 troops in Syria, including U.S. forces working with Kurdish allies in the opposition-held northeast to prevent any resurgence of the Islamic State group.Gen. Bryan Fenton, head of U.S. Special Operations Command, said he would not want to speculate on how the upheaval in Syria would affect the U.S. military's footprint in the country. "It's still too early to tell," he said. What would not change is the focus on disrupting IS operations in Syria and protecting U.S. troops, Fenton said during a panel at the Reagan event.

Syrian opposition activists and regional officials have been watching closely for any indication from the incoming Trump administration, in particular on how the U.S. would respond to the rebel advances against Assad.Robert Wilkie, Trump's defense transition chief and a former secretary of the Department of Veterans Affairs, said during the same panel that the collapse of the "murderous Assad regime" would be a major blow to Iran's power.

Syria's Bashar Al-Assad: The President Who Led A Bloody Crackdown

Beirut, Lebanon. Syrian President Bashar al-Assad oversaw a merciless crackdown on a pro-democracy revolt that morphed into one of the bloodiest wars of the century.On Sunday, as rebels entered the capital, a Syrian war monitor said he had left the country, in what could spell the end not just of his 24-year rule but the downfall of his clan's five-decade reign. After facing down nationwide protests demanding his ouster and an armed rebellion that he all but crushed, Assad had -- until a lightning rebel offensive -- taken back control of much of Syria in the civil war that began in 2011. Quiet in demeanour, Assad had for years relied on his alliances with Russia, Iran and Lebanon's Hezbollah in order to maintain power. While leading a merciless war of survival for his rule, he presented himself to his people and the outside world as Syria's only viable leader in the face of the Islamist threat.But an Islamist-led rebel offensive that began on November 27 wrested city after city from Assad's control.On Sunday the rebels announced they had entered Damascus. Shortly afterwards, the Syrian Observatory for Human Rights



said he had left the country, while the rebels themselves said the "tyrant" had

No real opposition

For years, Assad had cast himself as the protector of Syria's minorities, a bulwark against extremism and the sole possible purveyor of stability for a country ravaged by war.In multiple Bashar al-Assad was never meant to votes held over the years, conducted solely on government-held territory, he took the vast majority of the ballots, amid accusations from Western countries and rights groups that the elections were neither free nor fair.In official meetings, during interviews and even on the front lines, the 59-yearold ophthalmologist by training

conducted himself calmly. Behind the facade, however, was an astonishing ability to hold onto power amid multiple waves of violence and transformative change in Syria and the wider region.

Shuffle the cards'

One journalist, who met with Assad on several occasions before and after war broke out in 2011, told AFP Assad is a "unique and complex figure". Assad has "the same qualities" as his father, Hafez al-Assad, who ruled Syria for nearly three decades until his death in 2000, said the journalist, who declined to be named.Hafez al-Assad, head of the Syrian Baath Party, imposed in the country a secretive, paranoid regime where even the slightest suspicion of dissent could land one in jail or worse.

become president, but his life changed radically when his older brother Bassel, who was being groomed to inherit power, died in a road accident in 1994.

Bashar quit his studies in ophthalmology and left London, where he had met his wife Asma, a British-Syrian and Sunni Muslim who worked for financial

South Korean Prez Yeol Survives Impeachment As His Party Leaders Boycott Vote

Seoul. South Korean President Yoon Suk Yeol on Saturday narrowly escaped impeachment over the outrage following his brief declaration of martial law. The National Assembly voted on the opposition-led motion, but most lawmakers from Yoon's ruling People Power Party (PPP) boycotted the vote, despite massive protests outside the parliament, YONHAP news agency reported. Yoon had earlier apologised publicly for his martial law declaration, stating that "he will leave to the ruling party decisions about his term and stabilisation of state affairs." The PPP lawmakers largely stood by their party's stance to avoid a repeat of the 2016 impeachment crisis of President Park Geun-hye, which led to a conservative party divide and a liberal victory in the 2017 presidential election, as per YONHAP news agency. Following Yoon's martial law decision raised serious questions about his ability to govern for the remaining half of his single, five-year term. Now he legal risks and renewed attempts to force him out of office as the main opposition Democratic Party (DP) said "it will table the impeachment motion again next week."According to YONHAP news agency, hundreds of thousands of people gathered outside the National Assembly on Saturday, calling for President



Yoon Suk Yeol's removal from office. This comes after Yoon's attempt to impose martial law, which has sparked widespread outrage. Prosecutors, the police

Brian Thompson murder case: NYPD divers search lake for murder weapon as manhunt enters fourth day

World. In the UnitedHealthcare CEO The FBI has announced a \$50,000 divers searched Central Park's Lake on Saturday for the weapon used, whilst the manhunt enters its fourth day.

The search was concentrated near the park's boathouse and Bethesda Fountain. Investigators still seek two crucial pieces of evidence: the suspect's electric bicycle and the murder weapon.

Authorities discovered a backpack in the park on Friday evening, which is undergoing forensic analysis in Queens. Officials confirmed the backpack contained no firearm but included a Tommy Hilfiger jacket, CNN reported.

The NYPD is receiving assistance from federal investigators to analyse evidence, including the backpack, photographs, video footage, ammunition, and DNA samples. They believe the suspect has left the city.

Brian Thompson murder case, after reward for information leading to finding the suspect's bag, the NYPD arrest and conviction, whilst the NYPD offers an additional \$10,000 reward.Officials believe the suspect, who arrived in New York via Greyhound from Atlanta last month, Investigators are scrutinising has departed the city by interstate bus. NYPD detectives have travelled to Atlanta to advance the investigation, with support from local police. 'Net is tightening'

> Mayor Eric Adams highlighted the backpack discovery as a positive development, stating they would identify and apprehend the suspect.

> The net is tightening," Mayor Adams told reporters at a Police Athletic League holiday party in Harlem on Saturday.Mayor Adams declined to say whether investigators already had the suspect's name when asked at a Harlem event."We don't want to release that ow," Adams said. "If we do, we are basically giving a tip to the

person we are seeking and we do not want to give him an upper hand at all. Let him continue to believe he can hide behind the mask. We revealed his face. We're going to reveal who he is and

we're going to bring him to justice." surveillance images of an unmasked individual released on Thursday. Commissioner Jessica Tisch reported substantial evidence collection, including fingerprints and extensive CCTV footage of the suspect's movements.Police probing whether special gun used to kill ThompsonChief Detective Joseph Kenny indicated they're investigating whether a specialised weapon was used. Border authorities on both Canadian and Mexican frontiers have been alerted. Cops are probing whether the weapon used was a "veterinary" gun commonly used to euthanize animals, an NYPD official said, New

and the Corruption Investigation Office for Highranking Officials have all launched probes into Yoon and senior officials involved in the martial law decree, seeking to press charges of insurrection and abuse of power, among others.DP leader Lee Jae-myung has accused Yoon of being "the mastermind behind rebellion," calling for authorities to take necessary procedures for a swift investigation into him. Under the law, crimes of rebellion are exceptions to the presidential immunity to prosecution, as reported by the YONHAP news agency. Notably, South Korea is facing a challenging time, with some lawmakers proposing a constitutional amendment to shorten President Yoon Suk Yeol's term and transfer more power to the prime minister, the government's No. 2 post, who holds a largely ceremonial role. The political turmoil comes at a challenging time for South Korea, as it is working to strengthen alliances with the United States and other partners to counter growing threats from North Korea amid its deepening military ties

Syrian government appears to have fallen in stunning end to 50-year rule of Assad family

BEIRUT. The Syrian government appeared to have fallen early Sunday in a stunning end to the 50-year rule of the Assad family after a lightning rebel offensive.

The head of a Syrian opposition war monitor said President Bashar Assad had left the country for an undisclosed location, fleeing ahead of insurgents who said they had entered Damascus after a stunning advance across the country. Syrian Prime Minister Mohammed Ghazi Jalali said the government was ready to "extend its hand" to the opposition and hand over its functions to a transitional government.

'I am in my house and I have not left, and this is because of my belonging to this country,' Jalili said in a video statement. He said he would go to his office to continue work in the morning and called on Syrian citizens not to deface public property. He did not address reports that Assad had left the country.Rami Abdurrahman of the Syrian Observatory for Human Rights told The Associated Press that Assad took a flight Sunday from Damascus. State television in

Iran, Assad's main backer in the years of war in Syria, reported that Assad had left the capital. It cited Qatar's Al Jazeera news network for the information and did not elaborate. There was no immediate statement from the Syrian government.

An Associated Press journalist in Damascus reported seeing groups of armed residents along the road in the outskirts of the capital and hearing sounds of gunshots. The city's main police headquarters appeared to be

abandoned, its door left ajar with no officers outside. Another AP journalist shot footage of an abandoned army checkpoint where uniforms were discarded on the ground under a poster of Assad's face.

Residents of the capital reported hearing gunfire and explosions. Footage broadcast on opposition-linked media showed a tank in one of the capital's central squares while a small group of people gathered in celebration. Calls of "God is great" rang out



from mosques.It was the first time opposition forces had reached Damascus since 2018, when Syrian troops recaptured areas on the outskirts of the capital following a yearslong siege.The progovernment Sham FM radio reported that the Damascus airport had been evacuated and all flights halted. The insurgents also announced they had entered the notorious Saydnaya military prison north of the capital and "liberated" their prisoners there. The night before, opposition forces took the

central city of Homs, Syria's third largest, as government forces abandoned it. The city stands at an important intersection between Damascus, the capital, and Syria's coastal provinces of Latakia and Tartus

- the Syrian leader's base of support and home to a Russian strategic naval base. The government denied rumors that Assad had fled the country.Sham FM reported that government forces took positions outside Homs without elaborating. Rami Abdurrahman who heads the Britain-based Syrian

Observatory for Human Rights, said Syrian troops and members of different security agencies withdrew from the city, adding that rebels entered parts of it.

The insurgency announced later Saturday that it had taken over Homs. The rebels had already seized the cities of Aleppo and Hama, as well as large parts of the south, in a lightning offensive that began Nov. 27. Analysts said rebel control of Homs would be a game-changer.

Vinod Kambli like my son,

1983 team will take care of him: Sunil Gavaskar

New Delhi. Former India captain Sunil Gavaskar extended a helping hand to the ailing Vinod Kambli. India's legendary 1983 World Cup-winning cricket team has stepped forward to support former cricketer in overcoming his struggles. Sunil Gavaskar, one of India's cricketing greats, confirmed this development, following similar sentiments expressed by Kapil Dev, the captain of the historic 1983 squad.Expressing a deep sense of responsibility, Gavaskar referred to players like Kambli as 'sons' and reassured fans that the 1983 team members would rally together to assist their fellow cricketer.

The 1983 team is very conscious of the younger players. For me, they are like grandsons. If you see their age, some are like sons. We are all very concerned, particularly when fortunes desert them. I don't like the word help. What the 83 team wants to do is take care of him. We want to take care of Vinod Kambli and help him get back on his feet. How we will do, we'll see in the future.



We want to take care of cricketers who are struggling when fortunes don't smile on them," Gavaskar, who is currently in Adelaide as part of the broadcasting team covering the India vs Australia second Test, told Sports Today. Recent years have seen Kambli embroiled in several controversies and facing significant personal and health challenges.Kambli, who has been battling severe health challenges, has found a strong support system in the cricketing fraternity that recognises his contributions to the sport. Concerns regarding Kambli's well-being escalated after a video from a memorial event for coach Ramakant Achrekar went viral. In the footage, Kambli was seen holding the hand of his childhood friend, Sachin Tendulkar, and refusing to let go, which sparked widespread attention and worry. One of the most recent and alarming incidents involves a viral video showing Kambli struggling to walk steadily and maintaining his balance. The video, which has sparked widespread concern among fans and well-wishers, which showed Kambli in a disoriented state and requiring assistance from others to navigate safely.

Real Madrid closes gap on Barcelona with 3-0 win against Girona

GIRONA. Jude Bellingham inspired champions Real Madrid to a comfortable 3-0 victory at Girona on Saturday in La Liga, with Kylian Mhappe also on the scoresheet after two high-profile penalty misses.

Los Blancos cut the gap on league leaders Barcelona to two points after the Catalans drew 2-2 at Real Betis, with Madrid having played one fewer match. Bellingham opened the scoring before half-time and set up Arda Guler for Madrid's second, before Mbappe produced a clinical finish for their third.

Both Bellingham and defender Ferland Mendy were replaced with apparent knocks in the second half ahead of Tuesday's Champions League clash at Atalanta.Coach Carlo Ancelotti confirmed Bellingham would be fit for the game but said Mendy had suffered a muscular injury. After Madrid's fifth defeat across all competitions in midweek against Athletic Bilbao, having lost just twice last season, Ancelotti pledged his team would improve and they were significantly better against Girona."Bellingham scored his fifth goal running (in La Liga), Mbappe scored, Brahim (Diaz) did good work, Arda scored a



great goal, as I said, bit by bit we will come back (to form)," said Real Madrid coach Carlo Ancelotti.With Vinicius Junior and Rodrygo sidelined, Ancelotti selected Bellingham and Diaz in support of Mbappe.

The French forward has been the focus of criticism in recent weeks after blowing penalties against Liverpool and Athletic Bilbao, and struggling to find the form which made him a star with Paris Saint-Germain and his country. Girona, who ran Madrid close for the Spanish title for much of last season before eventually finishing third, started the stronger and Bryan Gil fired wide, with Donny van de Beek lashing over. Madrid settled into the game and, keeping the hosts at arm's length, began to create chances of their own. Paulo Gazzaniga saved Brahim Diaz's fierce drive from the edge of the box as the champions clicked into gear.Bellingham broke the deadlock after 36 minutes when Diaz's cross was blocked and the ball fell kindly to the England international, who fired home through a crowd of players.

Jasprit Bumrah faces injury scare: Should India rush in Shami for Brisbane Test

▲ AUS vs IND, 2nd Test: Jasprit Bumrah has been a vital member of the Indian team, but he faced an injury scare during his spell on Day 2 of the second Test against Australia at the Adelaide Oval. Should India rush Mohammed Shami to Australia?

New Delhi. Before the Test series against Australia started, it was known that Jasprit Bumrah would need to be on top of his game for India to win. In Perth, Bumrah put his best foot forward. He did not give Australian batters much breathing space as India secured a 295-run win. Bumrah also became the first visiting captain to win a Test at the Optus Stadium in Perth.But Bumrah was on the firing line to some extent. In the absence of Mohammed Shami, he had to carry a chunk of the workload. With the likes of

Harshit Rana and Akash Deep not having enough experience at the international level, it was always going to be Bumrah who had to take additional responsibilities and fill in for the inexperience of the rest of the pace attack.In Adelaide, Bumrah again stepped up, picking up four wickets, including that of Steve Smith, one of the best in the business. But the pacer felt the heat to some extent on Day 2. Not because of his bowling, but for the strain his body has had to take over the last two weeks. In the 81st over of the Australian innings, after India opted for the second new ball, Bumrah faced a minor injury scare. The speedster looked in some sort of discomfort while bowling his 20th over. Ravi Shastri, India's former head coach, said that Bumrah was holding his adductor muscle. Soon after, Bumrah was up on his feet having received treatment from the physio.Although Bumrah resumed bowling, the question remains, can he carry on with the same workload throughout the series? Even for a fast bowler of Bumrah's calibre, it can be challenging to say the least. The extra workload was pretty evident when he bowled 11 out of 33 overs on Day 1 at the



Adelaide Oval.Bumrah, desperately, needs someone to share his workload and give him a breather. Here's where India are faced with a conundrum regarding the prospects of bringing in Shami.Can Shami be ready for the Brisbane Test? Needless to say that Bumrah would heave a sigh of relief if Shami joins the Indian squad. The question is when is the appropriate time to rope in Shami? The speedster hasn't donned the national colours since the ODI World Cup final in November 2023 against the Aussies at the Narendra Modi Stadium.

It was only recently that he made his comeback to competitive cricket in the Ranji Trophy, after which he also represented Bengal in the Syed Mushtaq Ali T20 Trophy. PTI earlier

match ended, Head and Siraj hugged it

out.Travis Head scored a magnificent

hundred in front of his home crowd on

Day 2. His 140-run knock put India on

the backfoot, but the Aussie star was

knocked over by Siraj. The Indian

pacer gave him an aggressive send-off

reported that preparations to send Shami are already underway and the pacer will be available for the last two Tests

'Shami's India kit has already been dispatched to Australia. He will complete the Mushtaq Ali Trophy T20 assignment and then leave," a source said, adding that Shami's "fitness certificate" from the NCA will also come soon.But with less than a week left for the third Test in Brisbane to start, Bumrah is racing against time to make the cut. The Indian team management would be wary of making a hasty decision and do more harm than good by trying to make Shami available for the upcoming

Difficult for Shami'

After the end of the second day's play of the Adelaide Test, the legendary Sunil Gavaskar also reckoned that it would be tough for Shami to take the field in the Brisbane Test.

It might be a little bit difficult for him to be in Australia in time for the third Test, which is starting next week. It might be just a little bit difficult," Gavaskar told India Today in an interview.Gavaskar also said that for the Brisbane Test, there might be a toss-up between Akash Deep and Harshit Rana, who came under fire for leaking runs on Day 2.

AUS-W vs IND-W: Ellyse completes 4000 ODI runs, hits fastest hundred vs India

New Delhi Australia's veteran Ellyse Perry achieved a monumental feat in the 2nd ODI match vs India in Brisbane on December 8, Sunday. Perry hit her 3rd ODI hundred and also completed 4000 runs in the format. In a scintillating display of batting, she completed her hundred within 72 balls. This was the fastest ODI hundred hit against India women's cricket team. She also became the 4th Australian to score 4000 runs in women's ODIs. She shattered plenty of records as Perry became the first woman to complete the double of 7000 runs and 300 wickets in international cricket. Her 72-ball hundred was the joint-fourth fastest for Australia in women's ODIs. Perry produced a masterclass



in Brisbane by playing a 105-run knock from 75 balls which included 7 fours and 6 sixes. Australia opted to bat first and the openers Phoebe Litchfield and Georgia Voll set the tone early as they shared a 130-run stand. After Litchfield was dismissed for 63-ball 60, Perry walked into bat. Voll anchored the innings brilliantly, smashing her maiden ODI century. She was joined by the experienced Ellyse Perry, who also brought up a hundred, as the duo dismantled India's bowling attack during the middle overs. Australia delivered a commanding batting performance, posting a massive 371 runs in their innings — the highest score ever recorded against India in

Mammoth chase for India

Indian bowlers struggled to contain the onslaught, with Priya Mishra and Minnu Mani proving particularly expensive. However, the hosts did manage to pull things back slightly in the final five overs, claiming a flurry of wickets to restrict Australia from going beyond 400. Despite the late breakthroughs, Australia managed to put up a daunting total on the board, leaving India with a monumental chase ahead. The visitors will need a herculean batting effort to pull off this

Siraj vs Head continues: More boos for pacer, Aussie star wildly celebrates catch between each other. Even after the Test

The Mohammed Siraj vs Travis Head battle continued as the Australian batter picked his catch on Day 3 of the 2nd Test in Adelaide. Moreover, Siraj had to battle with boos for the 2nd straight day by the hostile Adelaide crowd.

New Delhi. There is no toning down to the ongoing battle between Travis Head and Mohammed Siraj in the Border Gavaskar Trophy series. It all started on Day 2 of the 2nd Test at Adelaide Oval, when Siraj gave an aggressive send-off to Head after dismissing him. Day 3 witnessed Head taking Siraj's catch and celebrating aggressively. Jasprit Bumrah and Siraj were batting after India lost 9 wickets for 166 runs. While facing Scott Boland, Siraj stepped to the leg side, cleared his front leg for a big swing across the line. The bat twisted at the moment of contact and was not



managed to bundle India out for 175 runs in the 2nd innings. The fierce battle between Siraj and Head was the highlight of the 2nd Test. After a fiery exchange on Day 2, Siraj walked out to bat while facing boos from a hostile Adelaide crowd. However, Siraj and Head were spotted chatting in between the overs and settled things down. The duo took out time to clarify and get things sorted

and things got heated up when Head abused him back. Speaking to the broadcasters after the day 2's play, Head said he told Siraj that he had bowled well, and the Indian pacer misinterpreted it. The Australian batter said

he was slightly disappointed with how things transpired. Head concluded by saying that if the Indian team wants to act in such a fashion, then so be it. Siraj claimed that Head was lying when the Australian asserted that all he said was "well-bowled" to the bowler. Siraj insisted that the Indian team respects every player, and he did not engage in an aggressive celebration in the first place. The pacer said that it was Head who abused him and that triggered him to give an aggressive

England's historic Test series triumph in New Zealand after 16 years, win 2nd Test

New Delhi. England delivered a dominant performance to defeat New Zealand by 323 runs in the 2nd Test, securing the 3-match series with a 2-0 lead. The visitors outplayed the hosts in all departments of the game and continued their impressive form. It was a historic win for England, their very first win on New Zealand soil in 16 years. England's first innings began shakily, with four quick wickets falling early. However,

Harry Brook rescued the team with a brilliant century, guiding them to a strong total of 280 runs. Brook's knock was the turning point as it provided England momentum for the remainder of the match.

With the ball, England took control through Brydon Carse and Gus Atkinson, who ripped through New Zealand's batting lineup. Their efforts helped England gain a



big 155-run lead in the first innings, putting New Zealand under pressure. In their second innings, England's batters ensured the target would be beyond the reach of the hosts. Jacob Bethell and Ben Duckett played key roles, building a strong platform. Joe Root then scored a classy 36th Test century, which Harry Brook's second century of the series, helped England set New Zealand a massive target of 583 runs. England declared their innings at 427/6 as all the batters stepped up

to put the team in a winning position. England beat New Zealand Root, Brook and Atkinson set-up win

New Zealand's chase began poorly as the England bowlers struck early on by exploiting the overcast conditions. Tom Blundell showed resistance with a fine century, his fifth in Test cricket, after being dropped on zero by Bethell. Nathan Smith also made a useful contribution down the order, but the rest of the batters failed to step

up. England's bowlers, led by Atkinson, kept up the pressure. Atkinson's hat-trick was a standout in what was an overall clinical display by the visitors. The hosts were bowled out far short of the target, sealing England's win by a huge margin.

Root's return to form, and the bowlers' sharp performances were the key factors for England's win.

Travis Head lied: Mohammed Siraj calls out batter on aggressive send-off in Adelaide

Mohammed Siraj opened up about his aggressive sendoff to Travis Head on Day 2 of the Adelaide Test. Siraj claimed Travis Head was lying when he said 'wellbowled' after getting dismissed.

New Delhi India pacer Mohammed Siraj opened up about his fierce battle with Travis Head on Day 2 of the 2nd Test at Adelaide Oval on Saturday. Siraj claimed that Head

was lying when the Australian asserted that all he said was "well-bowled" to the bowler. Siraj insisted that the Indian team respects every player, and he did not engage in an aggressive celebration in the first place. The pacer said that it was Head who abused him and that triggered him to give an aggressive send-off."I was enjoying bowling to him. It was a good battle because he batted really well. When a batter hits you for a six on a good ball, it feels bad. That gave me an energy. After bowling him out, I celebrated. Then he abused me. You can see on TV as well. In the start, it was my celebration. I didn't say anything to him. In the press conference, he said wrong thing. He lied. Noway he said well-bowled. We respect everyone. I always respect everyone because cricket is a gentleman's game. Travis Head's actions were wrong. I did not feel good,"



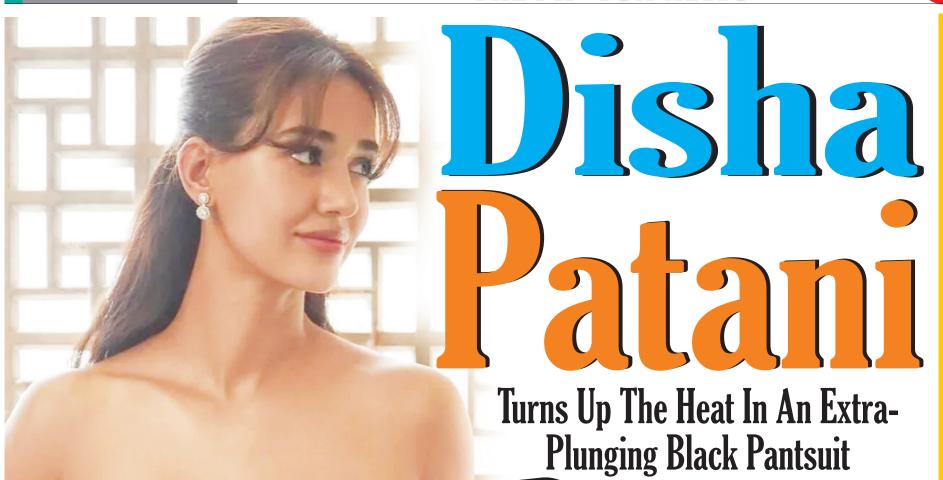
Siraj told Star Sports before start of Day 2 proceedings. Speaking to the broadcasters after the day 2's play, Head said he told Siraj that he had bowled well, and the Indian pacer misinterpreted it. The Asutralia batter said he was slightly disappointed with how things transpired. Head concluded by saying that if the Indian team wants to act in such a fashion, then so be it.

Can India make comeback?

Siraj also showcased confidence in the Indian team and their ability to make a comeback and win games from any position.

The Indian team knows how to make a comeback really well. We never give up.
Whenever we fall, we keep the strength to get back up. We are always positive that we can score runs from any position and even win the contest. We will take the field with a positive mindset and whatever God has planned for us, we will get that," he added. Travis Head vs Mohammed Siraj

The Indian team were put on the back foot with a scintillating knock of 140 runs from 141 balls by Travis Head. However, the Australian was knocked over by Siraj after being hit for a six a delivery earlier. It was Siraj who had the last laugh and gave an animated send-off to the centurion. Head did not like the animated bowler's actions as he swore back at Siraj, leading to a heated moment on the field.



isha Patani, known for her bold and edgy style, once again set the internet ablaze with her latest Instagram post. The actress shared a series of sizzling photos dressed in a jaw-dropping black pantsuit, oozing hotness and glamour. The all-black ensemble featured a tailored blazer with a plunging neckline that perfectly highlighted her toned physique. The structured fit and sharp lapels added a power-packed vibe, while subtle embroidery on one side

Disha's outfit was the epitome of modern elegance. Keeping her accessories minimal, Disha opted for delicate silver rings and tiny hoop earrings, allowing her statement outfit to do all the talking. Her hair was styled into a chic updo with loose strands framing her face, and her makeup was kept fresh and dewy, accentuated with a nude lip and winged eyeliner. Striking a series of sensuous poses against a backdrop of cityscape views, the actress

lent a touch of understated glamour. Paired with sleek, straight-cut trousers,

gave major "lady boss" energy.

Fans flooded the comment section with compliments, calling her "absolute perfection" and "too hot to handle." Among the many reactions, Disha's best friend, actress Mouni Roy, left a comment saying, "Stunned," followed by fire emojis, while her sister Khushboo Patani aptly wrote, "Lady boss." Clearly, Disha's look was a hit not just with fans but also within her close circle.On the professional front, Disha was last seen in Kanguva, where she shared the screen with Suriya and Bobby Deol. In the action-packed film directed by Siva, Disha played a fierce bounty hunter who partners with Suriya's dual characters, a warrior and a modern-day hunter. Whether it's slaying in a photoshoot or delivering power-packed performances on screen, Disha Patani continues to be an unstoppable force in Bollywood.

Deepika Padukone

Dances To Lover At Diljit Dosanjh's **Concert In 1st Appearance Post-Baby**

eepika Padukone made her first public largely stayed away from public events, focusing on appearance after welcoming her daughter, Dua, in September 2024. The actor was spotted attending singer Diljit Dosanjh's concert in Bangalore, where she grooved to his tunes in a relaxed and cheerful mood.Dressed in a white sweatshirt and blue jeans, Deepika kept it casual yet chic, radiating a post- Meanwhile, her husband, Ranveer Singh, has been delivery glow. Videos from the event show her seated and enjoying the electrifying performance while fans



around her cheered for both the singer and the Bollywood superstar.

Deepika and Ranveer Singh became proud parents to their daughter on September 8, 2024. The couple had shared the joyous news with a heartwarming social media post that read, "Welcome baby girl. 8-9-2024. Deepika & Ranveer (sic)." Since then, Deepika has

her new role as a mother. During her pregnancy, Deepika continued working and even promoted Kalki 2898 AD, her ambitious sci-fi project. However, after embracing motherhood, she took a break from the limelight.

actively engaging with fans and the media.Ranveer recently opened up about the

life-changing experience of fatherhood. At an event, he shared his overwhelming joy, saying, "That infinite happiness that I'm experiencing right now." He added a humorous touch, stating, "I've been on daddy duty for a long time now. So, I am ready to let loose with you all." The actor also spoke about his deep bond with Deepika, describing their companionship as "magic." On the work front, both stars continue to shine. Deepika and Ranveer recently featured in Rohit Shetty's Singham Again, a blockbuster hit that resonated well with audiences. Ranveer is now gearing up for Farhan Akhtar's Don 3, one of the

most anticipated projects of the year. Deepika's concert appearance has delighted fans, marking a celebratory moment for her followers eager to see her back in the spotlight.



Samantha Ruth Prabhu Grooves To 'It's A New Day, It's A New Life': 'The Most Beautiful...'



amantha Ruth Prabhu's ex-husband, Naga Chaitanya, recently got remarried to Sobhita Dhulipala in a grand yet traditional ceremony. Naga Chaitanya and Sobhita Dhulipala tied the knot on December 4 at the Annapurna Studios in Hyderabad. Amid this, Samantha has been keeping herself busy with events and work commitments. The actress recently attended an event where she danced to Michael Buble's I'm Feeling Good. The actress looked gorgeous in a black gown as she danced with her friend and fashion designer, Kresha Bajaj. She shared a video from the event and wrote, "The most beautiful evening

Amid Naga Chaitanya's second wedding, Samantha also received support from her family as her sister-in-law showered love on the actress. Samantha Ruth Prabhu's sister-inlaw, Nicole Joseph, shared a post on her Instagram Story that read, "Good sisters-in-law exist, and I love mine." Nicole tagged Samantha in her story and the actress re-shared it with the caption, "Love you." Samantha Ruth Prabhu and Naga Chaitanya got married in 2017 and called it quits after nearly four years. Samantha Ruth Prabhu and Naga Chaitanya announced their divorce in October 2021, a few days before their wedding anniversary. Recently, the actress got candid about the aftermath that a woman has to face after a divorce. "Unfortunately, we live in a society which is so patriarchal in nature, that anytime something goes wrong, a woman gets subjected to... I'm not saying men don't, men do, but a woman gets subjected to a lot more judgment and a lot more shaming, not just online, even in real life," she told Galatta India.

Many things were said about me that were absolutely untrue. But what held me back, I remember having this conversation with myself when things were really, really crappy and they were really, really... absolute lies were being spread. And there were many times when I wanted to come out and say, this is not true, let me tell you the truth," she admitted.

Munawar Faruqui Reveals His Son Had A Rare Disease 'Kawasaki': That Situation Scares Me



unawar Faruqui has revealed that his son was only one and a half years old **LV** when he was diagnosed with a rare disease called 'Kawasaki'. The comedian appeared on a podcast when he told the host Janice Sequeira that the disease could inflame blood vessels and damage his son's heart.Munawar also revealed how he struggled financially during that time. He shared that during the diagnosis his son required injections costing Rs 25,000 each. However, he had hardly Rs 700 in his pocket.

'That situation scares me. My son was one and a half years old back then. He fell ill, and for 2-3 days, his condition didn't improve. After taking him to the hospital, we discovered he had Kawasaki disease. Three injections were required, each costing Rs 25,000. I needed Rs





75,000 but had only Rs 700-800 in my wallet," Munawar told ETimes."I smiled casually at the doctor, assuring him I'd arrange the money. But as I stepped out, I froze for 30-40 minutes, unable to think. It was the heaviest moment of my life," the comedian added.

Munawar shared that he had to ask people for money because there was no other option. "I travelled to Mumbai Central, collected the money, and returned within three hours. While I was relieved, I couldn't smile because it wasn't my money," he said and then added, "After that day, I made sure I'd never be insufficient financially again."Munawar Faruqui married Mehzabeen Coatwala in May this year. Before Mehzabeen, the comedian was married to Jasmine, with whom he also has a six-year-old son named Mikael. Munawar first opened up about his son in Kangana Ranaut's Lock Upp. Now, he often shares pictures with his son on social media.